प्रधानमंत्री मोदी बोले- मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का मूल - 12

शेरी सिंह बनीं भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स - 13

इजराइल ने गाजा में युद्धविराम शुरू होने से पहले की जी भरके गोलाबारी - 13

जायसवाल ने जड़ा सातवां शतक, भारत की शानदार शुरुआत - 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.06

सूर्यास्त 05.44

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी 04:43 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 59, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पवित्र क्षण

हिमालय की गोद में 15000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित श्री हेमकुंड साहिब एवं पौराणिक श्री लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे विधिवत रूप से शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।

चार साल बाद काबुल में भारत फिर शुरू करेगा दूतावास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने शुक्रवार को काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की और अफगानिस्तान में अपने विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का संकल्प जताया। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के शासन की सराहना भी की। जयशंकर ने यह घोषणा अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से व्यापक वार्ता के दौरान की जो गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे।

भारत ने 2021 में अपने दूतावास और वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया था। उसके चार साल बाद, अफगानिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों की बहाली, भारत की पड़ोसी कूटनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण है। बैठक में उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने सीमापार आतंकवाद को दोनों देशों के लिए साझा खतरा बताते हुए कहा कि भारत व अफगानिस्तान को आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। मुत्ताकी ने आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान किसी भी तत्व को अपनी जमीन का इस्तेमाल नई दिल्ली के हितों के खिलाफ नहीं करने देगा।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी के साथ जयशंकर।

- अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी व जयशंकर के बीच हुई वार्ता, काबुल जल्द ही भारत में भेजेगा राजनयिक
- मुत्ताकी ने दिया भरोसा अपनी जमीन भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देगा अफगानिस्तान

भारत हमेशा अफगान लोगों के साथ खड़ा रहा : मुत्ताकी

अपने भाषण में, मुत्ताकी ने भारत को इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देश बताया और कहा कि भारत हमेशा अफगान लोगों के साथ खड़ा रहा है और कई क्षेत्रों में उनकी सहायता की है। हम किसी भी (तत्व) को किसी को धमकाने या अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ करने की इजाजत नहीं देंगे। दाएश इस क्षेत्र के लिए एक चुनौती है और अफगानिस्तान इस संघर्ष में सबसे आगे है। मुत्ताकी ने कहा, सौभाग्य से, इस्लामी अमीरात ऑफ अफगानिस्तान, उसकी सेनाओं और उसके मजबूत संघर्ष ने उसे (दाएश को) अफगानिस्तान से मिटा दिया है। फगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शुक्रवार को कहा कि काबुल द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चरणबद्ध प्रयासों के तहत भारत में राजनयिकों को भेजेगा।

व्यापार को बढ़ावा देने में हमारी साझा रुचि : जयशंकर

जयशंकर ने कहा कि व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने में हमारी साझा रुचि है। मुझे काबुल और नई दिल्ली के बीच अतिरिक्त उड़ानें शुरू होने पर खुशी है। अपनी टिप्पणी में, जयशंकर ने जबरन वापस भेजे गए अफगान शरणार्थियों की दुर्दशा को गहरी चिंता का विषय बताया और कहा कि उनकी गरिमा और आजीविका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, भारत उनके लिए आवास निर्माण में मदद करने और उनके जीवन के पुनर्निर्माण के लिए भौतिक सहायता प्रदान करना जारी रखने के लिए सहमत है।

ब्रीफ न्यूज

सबरीमाला स्वर्ण चोरी: आपराधिक केस दर्ज करने के दिए आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राज्य पुलिस को आदेश दिया कि वह सबरीमला मंदिर के चौखट या लिंटर से सोने की हेराफेरी को लेकर एक आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरू करे। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी व न्यायमूर्ति केवी जयकुमार की पीठ ने यह निर्देश यह कहते हुए दिया कि अब तक की गई जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि जहां तक चौखट का संबंध है, सोने की हेराफेरी की गई है। पीठ ने अपने द्वारा गठित एसआईटी को चौखट मुद्दे के साथ-साथ जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य सभी पहलुओं की भी पड़ताल करने का निर्देश दिया। एसआईटी से 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है।

आय से अधिक संपत्ति में अधिकारी गिरफ्तार

भुवनेश्वर। सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के एक अधिकारी को कथित तौर पर अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से 190 प्रतिशत अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी को 23 सितंबर को केंद्रपाड़ा जिले के महाकालपाड़ा स्थित तहसील कार्यालय के शौचालय में 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था।

अब माफिया की हवेलियों की जगह खड़े होंगे गरीबों के घर : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने 160 परिवारों को दी फ्लैट की चाबी, 50 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफियाओं से मुक्त कराई गई जमीनों पर अब गरीबों के घर बनाए जा रहे हैं। प्रयागराज और लखनऊ में माफियाओं की हवेलियों की जगह अब गरीबों के मकान खड़े हो रहे हैं। योगी ने कहा कि आगे भी यूपी में माफियाओं की हवेलियों की जगह गरीबों के लिए घर खड़े होंगे। वे गोरखपुर में शुक्रवार को दीपावली से पहले गरीबों को खुशियों का बड़ा तोहफा लेकर आए थे।

उन्होंने देवरिया बाईपास स्थित पाम पैराडाइज हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस व एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां सौंपीं। सीएम ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया। योगी ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसके सिर पर अपनी छत हो। यह सिर्फ एक आवास नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी खुशी है। सीएम ने बताया कि जीडीए को निर्देश दिया गया है कि हाई-राइज बिल्डिंग्स के रखरखाव के लिए आवासीय समितियां गठित करें, ताकि लिफ्ट और अन्य सुविधाओं का नियमित रखरखाव हो सके। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में 4 करोड़ गरीबों को आवास मिल चुके हैं, जिनमें 60 लाख लाभार्थी उत्तर प्रदेश से हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी नियत से अच्छे कार्य होते हैं, जब सरकार ईमानदार होती है तो गरीब को उसका अधिकार मिलना सुनिश्चित होता है।

गोरखपुर में शुक्रवार को 120 एलडब्लूएस फ्लैट्स के आवंटी को चाबी सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का किया उद्घाटन

योगी ने गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में 'यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला' का उद्घाटन करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति से अराजकता खत्म कर प्रदेश को निवेश योग्य बनाया। जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सुरक्षा का भरोसा हो, वहां निवेश अपने आप आता है। आज यूपी में ये तीनों ताकतें मौजूद हैं।

योगी बोले- स्वदेशी खरीदें और गिफ्ट भी हो स्वदेशी

मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि जब हम स्वदेशी खरीदते हैं तो देश के कारीगरों के श्रम का सम्मान करते हैं और पैसा देश में ही रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी वस्तुओं के मुनाफे से देशविरोधी गतिविधियों को बल मिलता है, इसलिए जो भी खरीदें, स्वदेशी खरीदें और जो भी गिफ्ट दें, स्वदेशी दें।

दिल्ली और एनसीआर राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की मांगी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति के अनुरोध वाली याचिकाओं पर अपना आदेश शुक्रवार को सुरक्षित रख लिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस मुद्दे पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता समेत विभिन्न हितधारकों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। एनसीआर में दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई जिले आते हैं।

एनसीआर के राज्यों का भी प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष विधि अधिकारी ने उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि दिवाली, गुरु पर्व और क्रिसमस जैसे मौकों पर दिल्ली-एनसीआर में समय पर किसी प्रतिबंध के बिना हरित पटाखे जलाने की अनुमति दी जाए। एनसीआर राज्यों की ओर से न्यायालय में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि दिवाली पर रात 8 बजे से रात 10 बजे तक हरित पटाखे जलाने की अनुमति दी जानी चाहिए। तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय में एक अनूठी दलील पेश करते हुए सीजेआई से कहा कि वह अपने भीतर बैठे एक बच्चे के माध्यम से उनके भीतर बैठे बच्चे से इसके लिए अपील कर रहे हैं।

- मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा
- राज्य बोले- बच्चों को दिवाली मनाने दें, दो घंटे की परमिशन दी जाए

पीईएसओ सुनिश्चित करेगा बिक्री न हो

मेहता ने कहा कि एनसीआर के राज्यों, दिल्ली सरकार और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक (पदार्थ) सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पटाखों की लड़ी का निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल न हो। पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से ही की जानी चाहिए।

वेनेजुएला की मारिया को शांति नोबेल पुरस्कार

- 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी
- नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 20वीं महिला

ओस्लो, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की शुक्रवार को घोषणा की गई। मारिया को एक ऐसी महिला के रूप में मान्यता दी गई है, जिन्होंने 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी है।

नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिडनेस ने कहा कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहरे तक विभाजित विपक्ष को एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं। जान को गंभीर खतरे के बावजूद वह देश में ही हैं और इस फैसले ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, जब अधिनायकवादी सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो आजादी की रक्षा करने वाले उन साहसी नायकों को मान्यता देना अहम हो जाता है, जो आवाज उठाते हैं और प्रतिरोध करते हैं। नोबेल शांति पुरस्कार एकमात्र नोबेल पुरस्कार है, जो ओस्लो (नॉर्वे) में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 112 लोगों को दिया जा चुका है। मारिया इस पुरस्कार को हासिल करने वाली 20वीं महिला हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की कोशिशें रहीं नाकाम

वाशिंगटन। प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तमाम कोशिशें नाकाम रहीं। रिपब्लिकन नेताओं से लेकर दुनिया के कई नेताओं द्वारा ट्रंप को यह पुरस्कार दिए जाने की वकालत किए जाने और खुद ट्रंप द्वारा उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार का उचित उम्मीदवार बताए जाने के बावजूद वह इसे पाने से चूक गए।

पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अगले साल चुनावी राज्यों से हो सकती है शुरुआत

निर्वाचन आयोग पूरे देश में मतदाता सूचियों के एसआईआर की कवायद को चरणबद्ध तरीके से शुरू कर सकता है और इसकी शुरुआत उन कुछ राज्यों से होगी जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

साथ ही आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त नहीं करेगा, जहां स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर की चुनावी मशीनरी है। बिहार में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का काम पूरा हो चुका है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बीते सोमवार को कहा था कि सभी राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया को काम जारी है।

विदेशी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना उद्देश्य

एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य जन्म स्थान की जांच करके विदेशी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है। इस कदम को विभिन्न राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार सहित अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने को कहा था।

देश में पहली बार रोबोटिक किडनी का प्रतिरोपण, एम्स में हुई सर्जरी

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली में चिकित्सकों ने 45 वर्षीय एक मरीज का रोबोटिक किडनी प्रतिरोपण किया। दावा किया गया कि यह किसी सरकारी अस्पताल में पहली बार हुआ है। सर्जरी विभाग के प्रो. डॉ. वीरेंद्र बंसल ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया।

उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में रोबोटिक मंच दा विंची शी सर्जिकल का उपयोग किया गया, जिसमें बेहतर परिशुद्धता, निपुणता और श्रीडी दृश्य के साथ न्यूनतम चीरफाड़ करनी होती है। इस तकनीक से मरीजों को अक्सर छोटे चीरों के साथ ही कम जटिलताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे वे जल्दी घर लौट सकते हैं। डॉ. कृष्णा असुरी ने बताया कि इस मरीज की किडनी ने काम करना बंद कर दिया था और वह डायलिसिस पर था एवं लगभग छह महीने पहले एम्स में आया था।

तैयारी

बिजरानी जोन से होगी शुरुआत, अगले साल 30 जून तक रहेगा सीजन, पार्क प्रशासन तैयारी में जुटा

कॉर्बेट में 15 से रोमांच की वापसी, शुरू हो रहा पर्यटन सीजन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) में पर्यटकों के लिए रोमांच का इंतजार शीघ्र खत्म होने वाला है। 15 अक्टूबर से शुरू हो रहे पर्यटन सीजन का आगाज बिजरानी जोन से होगा। पार्क प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला के अनुसार, मानसून के दौरान जंगल की सड़कों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बार बारिश सामान्य से अधिक हुई, जिससे कई मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए। पार्क प्रशासन की टीमें लगातार सड़कों की मरम्मत और सफाई कार्य में लगी हैं ताकि 15 अक्टूबर से पहले सभी पर्यटन जोन पर्यटकों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाए जा सकें। कॉर्बेट का बिजरानी सबसे लोकप्रिय पर्यटन जोन में से एक माना जाता है, जहां हर साल देश-विदेश से हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। बिजरानी का परिदृश्य हर मौसम में अलग-अलग रूप दिखाता है। घने साल वन, घास के मैदान और जल स्रोतों के कारण यह क्षेत्र टाइगर देखने के लिए प्रसिद्ध है। बता दें कि सीटीआर में प्रत्येक वर्ष 15 अक्टूबर से 30 जून तक पर्यटन सीजन रहता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) पार्क को पर्यटकों के लिए बंद रखा जाता है ताकि जंगल के रास्तों और वन्यजीवों को आराम मिल सके। इस बार प्रशासन को उम्मीद है कि बिजरानी जोन के खुलने के साथ ही पर्यटकों की भारी आमद होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था में फिर से जान लौट आएगी।

सीटीआर ने पर्यटकों से यह अपील की

- बुकिंग के लिए आधिकारिक वेबसाइट का ही करें प्रयोग।
- जंगल सफारी में निर्धारित नियमों का पालन करें।
- हॉर्न का प्रयोग न करें प्लास्टिक न फैलाएं, वन्यजीवों से उचित दूरी बनाए रखें।

बेसब्री से करते हैं इंतजार

रामनगर के पर्यटन कारोबारी सतप्रीत सिंह शेट्टी बताते हैं कि कॉर्बेट पार्क के खुलने को लेकर स्थानीय व्यापारियों और होटल संचालकों में भारी उत्साह है। हर साल 30 जून को जब पार्क बंद होता है तो तब से हम 15 अक्टूबर का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसके खुलते ही पर्यटन गतिविधियां तेज हो जाती हैं और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने लगते हैं। कहा कि, मानसून के कारण तीन माह तक पर्यटन गतिविधियां पूरी तरह ठप रहती हैं जिससे होटल व्यवसाय, जीप सफारी संचालक, गाइड और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर असर पड़ता है लेकिन पार्क खुलने के साथ ही रामनगर, ढिकुली, मोहान और आसपास के इलाकों में फिर से रौनक लौट आती है।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जनता की सहभागिता ही लोकतंत्र की शक्ति

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के असेंबली सेशन में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने शिकागो में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एवं जनरल असेंबली सेशन में हिस्सा लिया। इस सत्र का विषय 'बिल्डिंग ट्रस्ट एण्ड ट्रांसपरेंसी इन डेमोक्रेसी यानी लोकतंत्र में विश्वास और पारदर्शिता का निर्माण' रहा। इस मौके पर सतीश महाना ने भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुदृढ़ता, जनता की सहभागिता और जवाबदेही को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति बताया। सम्मेलन में 52 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कफ सिरप के 69 नमूने और लिए गए

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उप्र. आयुक्त के निर्देशों के क्रम में अब तक प्रदेश में दवा दुकान, अस्पताल, नर्सिंगहोम व क्लीनिक, बच्चों के अस्पतालों से कुल 595 कफ सिरप के नमूने एकत्र किए गए हैं। उक्त क्रम में शुक्रवार को सिरप निर्माता फर्मों से 69 नमूने लिए गए हैं। जिन्हे राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। विशेष अभियान चलाकर प्रदेश में 37 कफ सिरप बनाने वाली निर्माता फर्म का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लखनऊ व सहारनपुर, मथुरा, अलीगढ़ स्थित चार निर्माण शालाओं में औषधि के विनिर्माण में अन हाईजनिक कन्डीशन पाए जाने व प्रपत्र मौके पर प्रस्तुत न कराए जाने पर निर्माता फर्म को कारण बताओ नोटिस प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं।

छापा मारकर खाद्य सामग्री के नमूने लिए

अमृत विचार, लखनऊ : आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ.रोशन जैकब के निर्देश पर शुक्रवार को 792 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 384 जगह पर छापे मारे गये, 521 नमूने संग्रहीत किये गये और एक करोड़ चार लाख 60 हजार रुपये की 1076.96 कुन्तल सामग्री जब्त की गई। लगभग 15.05 लाख रुपये की 78.8 कुन्तल सामग्री नष्ट की गई। खाद्य आयुक्त ने जनमानस से अपील है कि मिठाई या खाद्य पदार्थ खरीदते समय बिल अवश्य लें, खुली मिठाई या संदिग्ध रंग-गंध वाले उत्पादकों प्रयोग न करें। किसी भी प्रकार की मिलावट या संदेहास्पद खाद्य सामग्री की सूचना खाद्य सुरक्षा विभाग की हेल्प लाइन 1800-180-5533 या संबंधित जिला कार्यालय में दें।

हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय समारोह

अमृत विचार, लखनऊ : संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास की स्मृति में अगले वर्ष 2026 के फरवरी या मार्च माह में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने कलाकारों के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद निर्णय लिया है। पर्यटन मंत्री गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में शुक्रवार को राज्य स्तरीय कमेटी की अध्यक्षता कर रहे थे। उप्र. संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत एवं पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने हरिदास समारोह आयोजन करने की आवश्यकता एवं रूपरेखा प्रस्तुत की।

डाक विभाग बनाएगा जीवन प्रमाण पत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पेंशनर्स को नहीं लगाने पड़ेंगे कार्यालय के चक्कर
- डाककर्मी घर जाकर बायोमैट्रिक मशीन से करेंगे सत्यापन

अमृत विचार : पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बैंक, सेवा केंद्र या कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। डाक विभाग ने पेंशनर्स की सुविधा के लिए घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सेवा शुरू की है।

यह जानकारी पोस्ट मास्टर जनरल लखनऊ परिक्षेत्र सुनील कुमार राय ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश परिमंडल कार्यालय स्थित मंथन हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स को नजदीकी डाकघर जाकर सेवा के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद डाककर्मी तय समय पर घर पहुंचकर बायोमैट्रिक मशीन से पहचान सत्यापित करेंगे और जीवन प्रमाण पत्र जारी करेंगे। इस प्रमाण पत्र की तीन प्रतियां बनेंगी। एक पेंशनर के पास, दूसरी डाक विभाग के पास और तीसरी ईपीएफओ को भेजी जाएगी। इससे पेंशनर्स को भागदौड़ से मुक्ति मिलेगी और प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी।

सुनील राय ने बताया कि 6 से 10 अक्टूबर तक राष्ट्रीय डाक सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसकी थीम 'लोगों के लिए पोस्ट, स्थानीय सेवा, वैश्विक पहुंच' थी। भारतीय डाक सेवाएं देश के दूरदराज क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बना रही हैं। उन्होंने बताया कि सप्ताह के अंतर्गत 6 अक्टूबर को टेक्नोलॉजी दिवस, 7 को वित्तीय समावेशन दिवस, 8 को फिलैटली एवं नागरिक सेवाएं दिवस, 9 को विश्व डाक दिवस और 10 को ग्राहक दिवस मनाया गया। राय ने बताया कि ग्राहकों की समस्याओं के समाधान के लिए 2 मई 2025 से डाक सेवा समाधान दिवस की शुरुआत की गई है, जो हर माह के पहले और तीसरे शुक्रवार को आयोजित होता है।

घबराइए मत, हर पीड़ित को मिलेगा न्याय : योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि घबराइए मत, हर पीड़ित को न्याय मिलेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि हर शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का उद्देश्य लोगों को राहत देना है, इसलिए हर अधिकारी जनता की पीड़ा को अपनी जिम्मेदारी समझे।

जनता दर्शन में महिलाओं की उपस्थिति अधिक रही। मुख्यमंत्री स्वयं कुर्सियों पर बैठे लोगों के पास जाकर एक-एक कर उनकी बात सुनते रहे।

परंपरा और नवाचार का संगम है माटीकला महोत्सव : राकेश सचान

लखनऊ के खादी भवन में 10 दिवसीय माटीकला महोत्सव 2025 का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के खादी भवन में माटीकला महोत्सव 2025 की शुरुआत करते मंत्री राकेश सचान, साथ में अन्य।

अमृत विचार : दीपावली से पूर्व राजधानी लखनऊ में माटी की खुशबू और परंपरा की रौनक एक साथ बिखरी नजर आई। खादी भवन में शुक्रवार को माटीकला महोत्सव 2025 का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने कहा कि यह महोत्सव परंपरा और नवाचार का जीवंत संगम है, जो हमारे कारीगरों की मेहनत, सृजनशीलता और संस्कृति का प्रतीक है।

महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को माटीकला बोर्ड द्वारा विकसित नवीन माटीकला पोर्टल और ई-वेरिफिकेशन मोबाइल ऐप के लोकार्पण के साथ हुआ। प्रदेश के चयनित माटीकला कारीगरों को विद्युतचालित चाक, पगमिल मशीनें और बैंकों से स्वीकृत ऋण के चेक वितरित किए गए। दीपावली की थीम पर आधारित यह 10 दिवसीय आयोजन (10 से 19 अक्टूबर) प्रदेशभर से आए कारीगरों की रचनाओं से सजा है। यहां 50 जनपदीय दुकानों में पारंपरिक मिट्टी के दीपक, मूर्तियां, गृह सज्जा व आधुनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं।

मंत्री राकेश सचान ने कहा कि माटी हमारे लोकजीवन और आस्था का केंद्र है। यह न केवल आजीविका का माध्यम है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का आधार भी है। सरकार का प्रयास है कि इस परंपरागत कला को आधुनिक तकनीक से जोड़कर हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए। उन्होंने बताया कि माटीकला बोर्ड की स्थापना 19 जुलाई 2018 को इस उद्देश्य से की गई थी कि मिट्टी के उत्पादों को बढ़ावा मिल सके और शिल्पकारों को तकनीकी प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता व विपणन के अवसर प्रदान हों।

कार्यक्रम में माटीकला बोर्ड के महाप्रबंधक शिशिर, नोडल अधिकारी संजय कुमार पांडे, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और माटीकला बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माटी से समृद्धि तक

- 48,048 कारीगर परिवारों की पहचान
- 37,190 कारीगरों को मिट्टी निकासी को पट्टा आवंटन
- 15,932 विद्युतचालित चाक वितरित
- 375 पगमिल मशीनें अब तक दी जा चुकीं
- 603 जोड़ी पीओपी डाई, 31 पेंटिंग मशीनें, 81 दीया मशीनें कारीगरों को मिलीं
- इस वर्ष 2,500 चाक और 300 पगमिल वितरण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना

- अब तक 1,114 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत
- 6 कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) कार्यरत
- अमेठी, बरेली, बिजनौर में 3 नए सीएफसी प्रक्रिया में
- 16,307 को तकनीकी प्रशिक्षण, 6,786 को शिल्पकारी प्रशिक्षण
- इस वर्ष लक्ष्य है 300 नई उद्योग इकाइयां

मुफ्त खाद्यान्न का वितरण आज से

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 3.61 करोड़ राशनकार्ड धारकों के बीच शुक्रवार से अक्टूबर का मुफ्त खाद्यान्न वितरण शुरू हो जाएगा। इस दौरान अलीगढ़, बदायूं, संभल, आगरा समेत मक्का खरीद बहुल वाले 23 जिलों के अंत्योदय राशनकार्ड धारकों को पांच किलो मक्का भी मुफ्त मिलेगा। वहीं, इनमें से 13 जिलों के पात्र गृहस्थी राशनकार्ड उपभोक्ताओं को मुफ्त खाद्यान्न के तौर पर प्रति यूनिट एक किलो मक्का दिया जाएगा। खाद्य आयुक्त अनामिका सिंह ने इस संबंध में सभी डीएम व डीएसओ को पत्र भेज कर पारदर्शी ढंग से खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिए हैं।

सड़कों के चौड़ीकरण व मरम्मत का कार्य शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- करोड़ों की परियोजनाओं की लोनिवि को मिली है मंजूरी

अमृत विचार : प्रदेश के कई शहरों की जमीनी सूरत बदलनी शुरू हो गई है। कई जिलों में सड़कों के चौड़ीकरण, मरम्मत के काम का आगाज हो चुका है। सड़कों के अलावा इस दौरान पुल बनेंगे और बाइपास भी। इससे पूर्व लोक निर्माण विभाग की 1000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी शासन से मिली है।

शासन से मिली जानकारी के मुताबिक, स्वीकृत परियोजनाओं में सड़कों का निर्माण, उनका चौड़ीकरण, बाईपास और पुल शामिल हैं। स्वीकृत परियोजनाओं में लखनऊ में हजरतगंज से जियामऊ होते हुए पॉलिटेक्निक चौराहे तक विशेष मरम्मत का कार्य शामिल है। यह सड़क खराब होने से राहगीरों को दिक्कतें होती हैं। अब मरम्मत कार्य के बाद आने-जाने में आसानी होगी। सीतापुर में रामकोट-वजीरनगर-धधनामऊ मार्ग, सीतापुर-इटिया मार्ग और लखीमपुर खीरी में बांगरमऊ-बिल्हौर मार्ग के चौड़ीकरण समेत अन्य कार्यों की मंजूरी मिली है।

सैफई में बनेगा मुलायम का स्मारक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर अखिलेश ने सैफई में दी श्रद्धांजलि

सैफई में मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव, साथ में अन्य।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव को नमन किया और उनके संघर्ष और सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। साथ ही घोषणा कि यहां समाधि स्थल पर नेताजी की याद में मेमोरियल बनाया जाएगा। उनके इस स्मारक से हम समाजवादियों को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी।

सपा प्रमुख शुक्रवार को सैफई (इटावा) में मुलायम की समाधि स्थल पर आयोजित तीसरी पुण्यतिथि कार्यक्रम में अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि गुरुवार को राजधानी समेत देश भर में श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। सैफई (इटावा) में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सपा प्रमुख समेत प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, रामजी लाल सुमन, मैनपुरी सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव और आदित्य यादव, विधायक तेज प्रताप यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, अनुराग यादव, अदिति यादव, समेत सपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

2027 चुनाव की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रैली की सफलता पर बसपा प्रमुख ने जताया आभार

अमृत विचार: कांशीराम के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर गुरुवार को संपन्न रैली की अपार सफलता से गदगद बसपा प्रमुख मायावती ने पहली बार अपने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साथ ही कहा कि आप लोगों के जोश एव संकल्प को देखकर विरोधियों के होश उड़ गए हैं, इसलिए विपक्षियों के हथकंडों से बचने के साथ ही 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में तन, मन और धन से जुट जाएं, ताकि कांशीराम के सपने साकार किए जाएं।

बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कार्यकर्ताओं से कहा कि बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं। इसकी झलक गुरुवार को उन लोगों ने उप्र. समेत पूरे देश को दिखा दी है।

लखनऊ में आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन के दौरान महिला कार्यकर्ता को पकड़कर ले जाती पुलिस।

आप ने किया प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर किए गए हमले के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) उप्र. प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को उप्र. के सभी जिलों में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। राजधानी में अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल के नेतृत्व में स्वास्थ्य भवन चौराहे पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। सरकार विरोधी नारेबाजी के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर इको गार्डन भेज दिया।

पश्चिम के 9 जिलों में धान की खरीद शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, अमरोहा, रामपुर, संभल, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और हरदोई शामिल

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, अमरोहा, रामपुर, सम्भल, लखीमपुर खीरी, सीतापुर एवं हरदोई में धान खरीद शुरू हो चुकी है। अब तक 150 किसानों से 773 मी. टन की खरीद हुई है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत मोटे अनाज बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2775 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रु. प्रति क्विंटल और ज्वार न्यूनतम समर्थन मूल्य (हाईब्रिड 3699 रु. प्रति क्विंटल, मालदांडी 3749 रु. प्रति क्विंटल) निर्धारित है।

खाद्य तथा रसद राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने जानकारी दी कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2369 रु. प्रति क्विंटल और धान ग्रेड ए का 2389 रु. प्रति क्विंटल निर्धारित है। प्रदेश में क्रय संस्था खाद्य विभाग के 1458, पीसीएफ के 1124, यूपीएसएस के 385, यूपीपीसीयू के 777, मंडी परिषद के 64 एवं भारतीय खाद्य निगम के 80 कुल 3888 धान क्रय केन्द्र स्वीकृत किये गये हैं।

48 घंटों में मानसून की विदाई का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश से मानसून अगले 48 घंटों में विदा हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ने पश्चिमी यूपी का अधिकांश भाग छोड़ दिया है और पूर्वी उत्तर प्रदेश से भी वापसी की राह पकड़ ली है। इस बीच फिलहाल बारिश की संभावना नहीं है, हालांकि पछुआ हवाओं के कारण सुबह-शाम की ठंड बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल शुष्क पछुआ और उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। इन हवाओं के प्रभाव को मानसून के वापसी का संकेत माना जा रहा है। जिन जिलों से अभी मानसून की वापसी बाकी है, उनमें मुख्य रूप से पूर्वांचल के दक्षिणी-पूर्वी भाग जैसे बलिया, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र और मिर्जापुर शामिल हैं।

योजना | मातृभूमि योजना से बन रही सड़क, स्कूल, सोलर लाइट और खेल परिसर

गांवों के विकास में प्रवासियों की नई साझेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

समाज और शासन को एक सूत्र में बांधने वाली अनूठी पहल : ओपी राजभर

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बताया कि मातृभूमि योजना समाज और शासन को एक सूत्र में बांधने वाली अनूठी पहल है। इसके जरिए गांवों के विकास में जनसहभागिता को संस्थागत रूप मिला है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा सभी परियोजनाओं की निगरानी और पंजीकरण प्रक्रिया को ऑनलाइन पारदर्शी प्रणाली से जोड़ा गया है। प्रत्येक पूर्ण परियोजना पर दानदाता का नाम अंकित किया जाता है, जिससे भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती है।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू की गई मातृभूमि योजना अब ग्रामीण विकास की मिसाल बन चुकी है। पंचायती राज विभाग की इस अभिनव पहल ने गांवों के विकास में प्रवासी और स्थानीय नागरिकों को सीधी भागीदारी का अवसर दिया है। लोग अब अपने पैतृक गांवों में सरकारी सहयोग से स्कूल, सीसी रोड, खेल परिसर, कला अकादमी, सोलर लाइट और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं विकसित करा रहे हैं।

योजना में व्यक्ति या संस्था को परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत योगदान स्वयं करना होता है, जबकि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करती है। यह मॉडल विकास को साझेदारी का रूप देता है। अब तक 12 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 24 निर्माणाधीन हैं और 28 नए दानदाता सामने आए हैं। योजना के तहत लखनऊ, गोरखपुर, उन्नाव, हरदोई, इटावा, कासगंज, मथुरा और देवरिया जिलों में महत्वपूर्ण कार्य पूरे हुए हैं।

बागपत में सीसी रोड, गोरखपुर की ग्राम पंचायतों जंगल रानी सुहास कुंवारी और नारायणपुर में सीसीटीवी कैमरे, हरदोई में सरदार पटेल स्मारक हेतु टीन शेड, लखनऊ के खुशहालगंज में सोलर लाइटें, इटावा की जेतपुर जमनापार और पुरा मोरंग में स्ट्रीट लाइटें, उन्नाव के कलौन में 20 सोलर स्ट्रीट लाइटें, कासगंज के नगला कुंदन में इंटरलॉकिंग सड़क, मथुरा के तरौली शुमाली में महाराणा प्रताप की प्रतिमा और चौराहे का सौंदर्यीकरण तथा देवरिया की मटियारा जगदीश पंचायत में 11 सोलर लाइटें स्थापित की गई हैं।

बिजली बिल बकाएदारों के लिए आएगी योजना

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार बिजली बकाएदारों का सिरदर्द दूर करने जा रही है। इस क्रम में बिजली बिल छूट के साथ जमा करने वाली योजना फिर लाने की तैयारी है। दरअसल, ऊर्जा विभाग ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लाने से पहले जिलों से बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं की संख्या और एक बार भी बिजली बिल नहीं जमा करने वाले उपभोक्ताओं का ब्योरा मांगा है।

माना जा रहा है कि जिलों से ब्योरा आने के बाद ओटीएस की समयावधि और उसका स्वरूप तय कर लिया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, बिजली बिल के तौर पर उपभोक्ताओं का लगभग एक लाख करोड़ रुपये बकाया है।

प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर रिपोर्ट तैयार

लिविवि के शिक्षकों ने 2012 से 24 तक का किया गहन विश्लेषण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 16वें वित्त आयोग के लिए दी जाएंगी अहम सिफारिशें

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्रियों डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और डॉ. करूणा शंकर कनौजिया द्वारा तैयार रिपोर्ट में वर्ष 2012-13 से 2023-24 तक उत्तर प्रदेश की वित्तीय स्थिति का गहन विश्लेषण किया गया है। यह अध्ययन 16वें वित्त आयोग के प्रायोजन में किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य की वित्तीय व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस सिफारिशें देना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश वित्त आयोग की अनुशंसाओं से अब तक सर्वाधिक लाभान्वित राज्य रहा है और यह अध्ययन आयोग को राज्य के लिए हस्तांतरण राशि तय करने में सहायक होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य ने कर संग्रह में सुधार किया है, पर कर से राज्य सकल घरेलू उत्पाद अनुपात अभी भी 7-8 प्रतिशत के आसपास है। जीएसटी लागू होने से कर संरचना बेहतर हुई है, पर केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। गैर-कर राजस्व में महामारी के बाद वृद्धि धीमी रही है। व्यय के मोर्चे पर पूंजीगत निवेश में बढ़ोतरी हुई है- वर्ष 2023-24 में यह कुल व्यय का लगभग 28 प्रतिशत रहा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर सरकार का ध्यान स्पष्ट है। हालांकि वेतन और सब्सिडी पर खर्च अब भी अधिक है।

ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी हानियों और क्रॉस सब्सिडी की समस्या पर चिंता जताते हुए पारदर्शी टैरिफ और प्रदर्शन आधारित प्रबंधन लागू करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में स्थानीय निकायों की सीमित वित्तीय स्वायत्तता पर भी प्रकाश डाला गया है। लेखकों ने राजकोषीय अनुशासन, डेटा पारदर्शिता और व्यय दक्षता को राज्य की वित्तीय सेहत मजबूत करने की कुंजी बताया है।

करवाचौथ का चांद देख सुहागिनों ने पूरा किया निर्जला व्रत

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: पति के लंबी आयु के लिए सुहागन महिलाओं ने शुक्रवार को करवा चौथ का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया। सुबह चार बजे से ही पूजन आसन के साथ व्रत को प्रारंभ किया और रात लगभग 8:05 पर चंद्रमा का दर्शन कर अर्ध्य देते हुए विधि विधान पूजन अर्चन किया। पति के हाथ से पानी पीकर निर्जला व्रत पूरा किया।

अंजलि पांडे ने बताया कि आज सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर अपने आराध्य की पूजन-अर्चन के बाद इस व्रत को प्रारंभ किया। पूरे दिन निर्जला व्रत रख शाम को परिवार की महिलाओं के साथ पूजन कर चन्द्रमा को अर्ध्य दिया। चलनी में चांद के दर्शन कर अपने पति के दर्शनकर उनके हाथ से जल को पीकर व्रत पूरा किया।

संगीता गुप्ता ने बताया कि हाथों में मेहंदी और 16 श्रृंगार किया है। इस पवित्र पर्व को मनाने के लिए वर्ष भर इंतजार रहता है। वहीं रामनगर कॉलोनी स्थित मंछाराम दरबार आदि सार्वजनिक स्थानों पर बडी संख्या में सामूहिक रूप से शाम छह बजे से एकत्रित हो सुहागिनों ने करवा चौथ की कथा सुनी। पूजा-अर्चना की मंछाराम दरबार की संचालिका मीना सचदेवा ने कथा सुनाकर करवा चौथ से जुड़ी महत्पूर्ण बातें बताई। इस मौके पर सिंधु एकता मंच की प्रदेश सचिव प्रिया वलेशाह, पूजा माखेजा, मीना साधवानी, मुस्कान सावलानी समेत बड़ी संख्या में सिंधी समाज की महिलाएं मौजूद रहीं।

रामनगर स्थित एक घर में करवा चौथ की पूजा करतीं महिलाएं। अमृत विचार

- पति के लंबी आयु के लिए विधि-विधान से किया पूजन-अर्चन

चांद का दीदार करतीं सुहागन महिलाएं।

चांद को छलनी से देखने के लिए सज& धज कर तैयार महिलाएं।

आर्म्स एक्ट में तीन साल की सजा

अयोध्या, अमृत विचार: आर्म्स एक्ट में दोषी पाए जाने पर अदालत ने शुक्रवार को अपर जिला जज प्रथम सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत ने एक अभियुक्त को तीन साल के कारावास और 10,000 रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय व रोहित पांडेय ने बताया कि 2016 की घटना में वादी राम लाल वर्मा अपने हाते में बैठकर बातचीत कर रहे थे। उसी समय संतोष सिंह, बृजेश सिंह, शुभम सिंह, दिलीप, भोलानाथ सिंह, मुन्ना सिंह, पवन सिंह घर में घुसकर गाली देते हुए अवैध असलहों व लाइसेंसी बंदूक से उन पर फायर कर दिया। वह तो बच गए लेकिन गोली उनके बेटों अरविंद वर्मा व रजनीश को लगी।इसकी रिपोर्ट थाने में जानलेवा हमला और आयुध अधिनियम की धारा में लिखी गई। अन्य अभियुक्तों के मुकदमे में फैसला होने के बाद शुक्रवार को पवन सिंह के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उसे जानलेवा हमले के आरोप से दोष मुक्त कर अधिनियम में दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

पगला भारी के मलबे में दूसरा विस्फोट, लेखपाल गंभीर घायल

घटना स्थल पर बढ़ी पुलिस की चौकसी

लखनऊ रेफर, 20 घंटे बाद मलबे में मिला महिला का शव, मृतकों की संख्या हुई छह

अयोध्या कार्यालय

12 बजे रात में रेस्क्यू के दौरान हुआ विस्फोट | **15** फिट दूर खड़े क्षेत्रीय लेखपाल आकाश के सिर में लगा गुम्मा

अमृत विचार: पूराकलंदर थाना क्षेत्र कल्याण भदरसा मजरे पगला भारी में गुरुवार देर रात लगभग 12 बजे रेस्क्यू के दौरान दूसरा विस्फोट हुआ। इसमें क्षेत्रीय लेखपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया। रेस्क्यू में लगभग 20 घंटे बाद मलबे से एक महिला का शव बरामद किया गया। यह शव स्व. राम कुमार गुप्ता की साली वंदना का है। अब विस्फोटक में मरने वालों की संख्या छह हो गई है।

मसौधा प्रतिनिधि के मुताबिक गुरुवार को देर शाम विस्फोट के बाद बचाव कार्य चल रहा था। जेसीबी से मलबा हटाए जाने के दौरान एक बड़े मलबे पर जेसीबी का चंगुल पड़ने के साथ जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट से उठे ईंट, गुम्मे सहित अन्य सामान लगभग 15 फिट दूर खड़े क्षेत्रीय लेखपाल आकाश सिंह के सिर और शरीर में लगा। वह गिर पड़े। इससे अफरा-तफरी मच गई। सिर में चोट आने से गंभीर घायल लेखपाल को पुलिस ने आनन-फानन जिला अस्पताल भिजवाया। वहां से उसे गंभीर हालत में लखनऊ रेफर कर दिया गया। राहत कार्य बंद कर दिया गया। मलबे के नीचे विस्फोटक जमा होने की जांच पड़ताल शुरू की गई।

घटना के लगभग 20 घंटे बाद शुक्रवार को मलबा हटाए जाने के दौरान एक महिला का शव मिला। इसकी पहचान स्व. राम कुमार गुप्ता की साली वंदना के रूप में की गई है। वह यहीं रहती थी। प्रभारी निरीक्षक पूराकलंदर संजीव सिंह ने बताया कि जेसीबी मशीन से मलबा हटाने के दौरान रात करीब 12 बजे दूसरा विस्फोट हुआ। जिसकी चपेट में आकर लेखपाल आकाश सिंह घायल हो गया। बताया कि मृतकों की संख्या छह हो गई। इनमें पांच स्व. राम कुमार गुप्ता के परिजन है।

ब्लास्ट के बाद बिखरा पड़ा मलबा।

घटनास्थल पर मिला सुतली बम (फाइल फोटो)

14 अप्रैल 2024 को अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

विस्फोट से थर्राया इलाका, 20 घंटे बाद भी चला मलबे का समतलीकरण

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : कल्याण भदरसा के मजरे पगला भारी में पांच घंटे के अंतराल पर हुए दो विस्फोट से पूरा इलाका थर्रा गया। घटना के दूसरे दिन शुक्रवार को पूरे गांव में सन्नाटा था। पुलिस की चौकसी के बीच विस्फोट स्थल पर मलबे के समतलीकरण और खोजबीन के लिए जेसीबी चलती रही। जनप्रतिनिधियों के साथ ही अफसरों का आना जाना जारी रहा। स्थल को बैरीकेड करके आम लोगों को आने जाने पर आंशिक रोक दिखी। पगला भारी गांव में गुरुवार देर शाम और रात में हुए विस्फोट से पूरे इलाके के लोग जैसे सदमे में हो। धमाका इतनी जोर का था अब तक लोगों को इसकी प्रतिध्वनि सुनाई पड़ रही है। पड़ोसी गांवों के रहने वाले वंश बहादुर वर्मा, राम किशोर वर्मा, जगन्नाथ, कृष्ण कुमार, उमेश यादव, राम तीरथ, कहते हैं धमाका इतना जोरदार था कि लोग थर्रा उठे। दो किलोमीटर के दायरे में विस्फोट की गूंज सुनाई पड़ी। लोग घरों से बाहर निकल पड़े। हर शख्स की जुबान पर एक ही सवाल था क्या हुआ, कहां हुआ? लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। थोड़ी देर में पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका था। हजारों की भीड़ मौके पर जमा हो चुकी थी। प्रशासनिक अमले के वाहनों में सायरन की गूंज के सिवा कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। तमाम सुरक्षा दस्ते के जवान रेस्क्यू में लग गए थे। जांच एजेंसियां अपने मिशन में जुटी हुई थी।

जमीन को समतल करती जेसीबी। अमृत विचार

मिला महिला का शव, पुलिस ने की स्थल की बैरिकेडिंग

हांफते-कांपते घरों से सीवान में भागे पगला भारी के लोग

चर्चा में पगलाभारी के ग्रामीण कहते हैं कि धमाका इतना भयानक था। कि लोग घरों से हाफते-कांपते भाग खड़े हुए, जो जहां था वहीं से निकल पड़ा। खेत-खलिहान की ओर भागा। स्थिति थोड़ी सामान्य हुई तो पता चला कि रामकुमार गुप्ता के घर में विस्फोट हुआ।

मां, पत्नी और बच्चों के साथ समाप्त हो गया पूरा परिवार

राम अंजोर वर्मा, मसौधा (अयोध्या)

- तीन बार के विस्फोट में गैर चिरागी हो गया स्व. राम कुमार का घर
- पूर्व में पूर्वज बस्ती जिले से आकर बसे थे पगला भारी गांव में

अमृत विचार: तीन बार के विस्फोट में स्व. राम कुमार गुप्ता का घर यहां गैर चिरागी हो गया। मां, पत्नी, साली और बच्चों के साथ पूरा परिवार समाप्त हो गया। स्व. गुप्ता के पूर्वज बस्ती जिले के गौर गांव से लगभग 40 से 45 साल पहले यहां आकर बसे थे।

बस्ती जिले के गौर गांव के रहने वाले जगन्नाथ गुप्ता के भाई ने अपनी बेटी का विवाह जमूरतगंज में किया था। उसी रसूख से जगन्नाथ ने यहां जमीन लेकर घर बनाया और परिवार के साथ रहने लगे थे। उनके बेटे राम कुमार गुप्ता ने यहां कारोबार शुरू किया। आटा पिसाई के साथ दूसरे संयत्र की चक्की लगाई। इसके साथ दूसरा कारोबार करने लगा। गांव के लोग कहते हैं कि प्रशासन और पुलिस की सूची में घटना का कारण और परिणाम चाहे कुछ भी दर्ज हो लेकिन स्व. राम कुमार गुप्ता के कारनामों से ही उसका परिवार समाप्त हुआ। आज उस जमीन पर कोई चिराग जलाने वाला नहीं बचा।

कहते हैं कि रामकुमार गुप्ता अपने पटाखे के काले कारोबार का ट्रेलर पहले भी दिखा चुका था। पहला विस्फोट वर्ष 2022 में इसके घर में हुआ था, इसमें दो लोग घायल हुए थे। इसमें उनकी मां शिवपता भी शामिल थी। दूसरा विस्फोट 20 अप्रैल 2024 की रात भारी धमाके के साथ हुआ था। इसमें इसका रामकुमार गुप्ता का गांव स्थित दो मंजिला मकान भी धराशायी हो गया था। उाकी पत्नी संगीता (38) और पड़ोसी मकान की रहने वाली कुमारी ज्योति (14) और लगभग 60 साल की रामकुमार की मां की मौत हो गई थी। तभी से लोगों को रामकुमार गुप्ता के कारोबार से गांव के लोगों को चिढ़ होने लगी थी। विरोध शुरू हो गया था, लेकिन रामकुमार गुप्ता अपने मनचाहे कारोबार में लिप्त रहा है। इसके बाद उसने गांव से लगभग दो सौ मीटर दूर फिर अपना घर बनाया और कारोबार करने लगा।

नौ अक्टूबर की रात उसके परिवार के लिए काली रात बनकर आई। शाम को सवा सात बजे बारूदी विस्फोट हुआ। पूरा मकान जमींदोज हो गया। राम कुमार उर्फ पप्पू गुप्ता के साथ उसके बच्चे ईशी, लव और यश, साली वंदना के साथ एक मजदूर की असमय मौत हो गई। इसी के साथ उसका पूरा परिवार समाप्त हो गया। गांव के लोग कहते हैं कि दुख है कि कई बार समझाने के बाद भी स्व. राम कुमार गुप्ता ने अपनी आदत नहीं छोड़ी और पूरे परिवार को अपने पैसे के लोभ में समाप्त कर दिया।

पटाखे के कारोबार को देता था प्रमुखता

पगला भारी के उमेश, शिव कुमार, परशुराम, प्रेम कहते हैं कि रामकुमार को परिवार से कम दौलत से ज्यादा प्यार था। तभी वह अपने पटाखे के कारोबार को हमेशा प्रमुखता देता था। कारोबार की जानकारी भले ही पुलिस और प्रशासन को न रही हो लेकिन ग्रामीण को थी। शिकायत इसलिए नहीं की गई क्योंकि रामकुमार लोगों से मिल जुल कर रहता था। ग्रामीण रोजी-रोटी में किसी के पेट पर लात मारना ठीक नहीं है। यह सोचकर चुप रहते थे।

मलबे में रोते हुए अपनों को ढूंढ रहे थे परिवारीजन

मसौधा, अमृत विचार : गुरुवार देर शाम पगलाभारी गांव में विस्फोट धमाके की खबर पर स्व . राम कुमार गुप्ता की सास गीता देवी (60), साला आलोक निवासी चंदौर थाना धनपतगंज जिला सुल्तानपुर मौके पर पहुंचे। माहौल देख बदहवास की स्थिति में पहुंच गए। रोने-चिल्लाने के साथ वह अपनों को खोज रहे थे। सास मां मलबे में कूदकर अपनी बेटी वंदना को खोजती दिखाई पड़ी। बोल रही थी कि मेरी बिटिया वंदना कहां है? यह क्या हो गया। दामाद और बच्चे कहां है? यह क्या हो गया। पुलिस ने समझाया बुझाया,धैर्य दिलाया।

रोते बिलखते परिजन।

पुलिस ने अभियान चला पकड़े अवैध पटाखे

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार : पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पगला भारी गांव में गुरुवार रात हुए विस्फोट की घटना के बाद पुलिस ने शुक्रवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चला कर पटाखों के जखीरे बरामद किए हैं। सोहावल और इनायतनगर पुलिस ने दो - दो क्विंटल पटाखे पकड़े हैं। रौनाही पुलिस ने अरकुना में एक घर पर छापा मारकर अवैध पटाखा भंडारण को अपने कब्जे में ले लिया और विशाल चौरसिया निवासी अरकुना को गिरफ्तार किया। वह बिना लाइसेंस के पटाखे बेच रहा था। सीओ सदर योगेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी सोहावल सविता देवी के नेतृत्व में रौनाही थाना प्रभारी संदीप सिंह ने पटाखा भंडारण को जब्त कर लिया है। इनायतनगर क्षेत्र में भी सीओ श्रेयश त्रिपाठी के नेतृत्व में अभियान चलाकर दो क्विंटल अवैध पटाखा बरामद किया गया। सीओ ने बताया कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि अभी हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद जानकारी दी जाएगी। बीकापुर पुलिस ने गुरुवार रात में भी कई दुकानदारों से पटाखा के विषय में जानकारी ली है।

प्रभारी मंत्री ने जताया दुख-बताया दुखद घटना

मसौधा, अमृत विचार : जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रकाश शाही, सांसद अवधेश प्रसाद के साथ जनप्रतिनिधियों ने पगला भारी गांव पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना को दुखद बताया। निरीक्षण के दौरान भरतकुंड भाजपा मंडल के अध्यक्ष धर्मराज वर्मा, मनोज जायसवाल, सूर्य प्रकाश वास्तव, जिला अध्यक्ष संजीव सिंह सहित अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे थे।

सिलेंडर से ब्लास्ट का मामला फर्जी, मौके पर बारूद का जखीरा :सांसद

मसौधा। सांसद अवधेश प्रसाद पगला भारी पहुंच घटना को लेकर के नाराजगी जताई। पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि पूर्व में भी हो चुकी है घटना, लेकिन पुलिस ने इससे कोई सीख नहीं ली। सिलेंडर से ब्लास्ट का मामला फर्जी है। मौके पर बारूद का जखीरा मौजूद है। पिछले साल भी इस तरह की घटना हुई थी। तीन लोगों की मौत हुई थी। कहा कि दीपावली का माहौल है पुलिस को ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो। कहा कि रामकुमार गुप्ता का समूचा परिवार अकाल मौत की भेंट चढ़ गया।

विस्फोट में उड़कर 20 फिट दूर गिरे घायल, बिखर गया मलबा

मसौधा, अमृत विचार : पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पगला भारी गांव में गुरुवार शाम हुए विस्फोट में घर में रहने वाले झुलसी हालत में 20 फिट दूर जा गिरे। मलबा तो खेतों में दूर तक बिखर गया था। प्रत्क्षदर्शियों के मुताबिक मंजर इतना भयावह था कि रामकुमार के मकान की छत और पिलर फाउंडेशन स्थल से करीब 15 से 20 फिट दूर पड़े हुए थे। मकान की ईंटे दूर-दूर तक छितरा गईं थीं।

ग्रामीण बोले-आटा चक्की की आड़ में करता था कारोबार

घटना के बाद ग्रामीण दबी जुबान बोलते हैं कि पप्पू गुप्ता आटा चक्की की आड़ में अवैध पटाखों का कारोबार करता था। विस्फोट के बाबत पुलिस और प्रशासनिक अमले की जांच में क्या निकल कर आता है। यह अलग की बात है। हो सकता है कि सिलेंडर में भी विस्फोट हुआ हो लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यह धमाका बारूद से हुआ। गैस, कुकर और सिलेंडर से इतना बड़ा विस्फोट नहीं हो सकता है कि समूचा मकान जमींदोज हो जाए। लोग झुलस कर अकाल मौत मरें। मजदूर राम सजीवन बेमौत मारा गया।

संदिग्ध हालात में मामा-भांजे सहित तीन की मौत

बीकापुर, अयोध्या। अमृत विचार : बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के कूढा कल्याणपुर चकडुहिया गांव में शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मामा-भांजे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। गांव के प्रधान प्रतिनिधि मो . नफीस के मुताबिक गांव के रहने वाले मोहम्मद तफसीर उर्फ छोटू के घर उनके जीजा अल्ताफ (22) पुत्र अब्बास निवासी गौहानी हैदरगंज अपनी पत्नी व सात माह के पुत्र अलमस्त के साथ बुधवार को आए थे। सभी रात को भोजन करके तख्त पर सो गए। गुरुवार सुबह करीब चार बजे अचानक अल्ताफ व तफसीर की तबियत खराब हो गई जबकि अलमस्त की तबियत दो दिन पहले से ही कुछ खराब चल रही थी। परिजन अल्ताफ व तफसीर को जिला अस्पताल ले गए। जहां पर उपचार के दौरान तफसीर की मौत हो गई। जबकि अल्ताफ की तबियत बिगड़ती देख डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज दर्शननगर रेफर कर दिया। जहां पर इलाज के दौरान तफसीर की भी मौत हो गई। अलमस्त को परिजनों ने शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया था। जहां पर उसकी भी मौत हो गई। तीनों लोगों की मौत की सूचना मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि किसी जहरीले जंतु के काटने या फूड प्वॉइजनिंग के चलते मौत हुई है।

पत्नी व बच्चे के साथ रिश्तेदारी में आया था अल्ताफ

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार,11 अक्टूबर 2025 | अयोध्या

न्यूज ब्रीफ

हमले के आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

हैदरगंज, अयोध्या। अमृत विचार : हैदरगंज थाना अंतर्गत करखा निवासी मयंक प्रताप सिंह पर थाना क्षेत्र में जानलेवा हुए हमले के मामले में 72 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस खाली हाथ है। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार राय ने बताया चार नामजद तथा दो अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की दो टीमें लगी हुई है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

विविधता का सम्मान लोकतंत्र की सुंदरता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में सरदार पटेल राष्ट्रीय एकात्मता केंद्र के तत्वावधान में बहु संस्कृतिवाद एवं आधुनिक संकट विषय पर दीक्षांत व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजनीति विज्ञान विभाग गौतम बुद्ध राजकीय महाविद्यालय के डॉ. निलय तिवारी ने कहा कि विविधता का सम्मान और संवाद की संस्कृति किसी भी लोकतांत्रिक समाज की मूल शक्ति है। समापन छात्र अभिषेक श्रीवास्तव ने कविता के माध्यम से किया। केंद्र के डॉ अंकित मिश्र, डॉ. शिवांश कुमार व डॉ. शैलेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

कर्म का बोध सत्संग से ही संभव

बीकापुर, अयोध्या। क्षेत्र के बल्लीपुर पातुपुर में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास आचार्य पंडित सरोज कुमार दुबे ने समुद्र मंथन वामन चरित्र और कृष्ण जन्मोत्सव की कथा का भावपूर्ण व्याख्यान किया। कहा कि कर्म का बोध केवल सत्संग से ही संभव है। कर्म के बिना धर्म की कल्पना करना निरर्थक है। इस मौके पर मुख्य यजमान डॉ. कृपाशंकर मिश्र, कांति मिश्रा, करुणा शंकर मिश्रा, डॉ. दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स फेडरेशन के आह्वान पर अयोध्या सर्किल ऑफिस के सामने अधिकारियों का शुक्रवार को भी धरना-प्रदर्शन जारी रहा। संगठन ने प्रबंधन और सरकार पर अधिकारियों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। इस दौरान अशोक कुमार पांडे, नितिन कुमार, अंकित मौर्य, महेंद्र पाठक, जितेंद्र, मुकेश कुमार सहित अनेक अधिकारी धरना स्थल पर मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से बच्चे की मौत

मवई, अयोध्या। मवई थाना क्षेत्र के ग्राम सेलारपुर मजरे जैसुखपुर में एक चार वर्षीय मासूम की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बाराबंकी जिले के थाना टिकैतनगर के ग्राम धधवारा के आशीष विश्वकर्मा का चार वर्षीय पुत्र आदर्श विश्वकर्मा मवई के ग्राम सेलारपुर अपनी मां के साथ आया था। गुरुवार को वो वह खेलते खेलते तालाब में गिर गया। तालाब गहरा होने के चलते वह उसमें डूब गया। कार्यवाहक थाना प्रभारी इदरीश खां ने बताया शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मृतक आश्रित को सौंपा 15 लाख का चेक

अयोध्या कार्यालय। भारतीय डाक विभाग व इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के संयुक्त प्रयास से मृत्यु दावा का निस्तारण किया गया। जीवन बीमा पालिसी के बाद मात्र एक किस्त भुगतान करने वाले काजी का पूरा निवासी दिनेश चन्द्र की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद मृतक आश्रित मैका देवी को शुक्रवार को प्रवर डाक अधीक्षक हरे कृष्ण यादव ने 15 लाख का चेक सौंपा। इस मौके पर मुख्य विपणन अधिकारी सत्येंद्र प्रताप सिंह, विनीत कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक रजनीश जायसवाल, प्रबंधक विक्रांत मिश्रा, पुनीत कोहली, साक्षी दीक्षित, अमित भरद्वाज आदि मौजूद रहे।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का उद्देश्य

पूराबाजार, अयोध्या। पूराबाजार क्षेत्र के किसानों के लिए सहकारिता विभाग द्वारा संचालित की पैक्स सदस्यता महाअभियान 2025 चलाया जा रहा है। ब्लॉक क्षेत्र की सभी साधन सहकारी समितियों पर यह अभियान 12 अक्टूबर तक संचालित रहेगा। देवगढ़ में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। साधन सहकारी समिति पूरा बाजार के सचिव अरुण शुक्ला ने बताया कि किसानों से अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनने की अपील की जा रही है। सदस्यता शुल्क 226 तक निर्धारित किया गया है। संचालन सुधीर सिंह मुन्ना ने किया। कार्यक्रम में निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड जितेंद्र बहादुर, रमेश, राम नारायण सिंह, रन्नू सिंह, लखपत सहित किसान मौजूद रहे।

हृदय रोग विशेषज्ञ व ईएनटी सर्जन का भेजें प्रस्ताव

अस्पताल में सही नहीं मिला बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण

निदेशक नेशनल प्रोग्राम ने एडी हेल्थ को दिये निर्देश, जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के जिला अस्पताल के दौरे के अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि शुक्रवार सुबह 11 बजे नेशनल प्रोग्राम की निदेशक शुभ्रा मिश्रा जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंच गईं। उन्होंने पूरे अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं।

डायरेक्टर शुभ्रा मिश्रा ने यहां इमरजेंसी ओपीडी, सर्जिकल, बच्चा, आयुष्मान व मेडिकल वार्ड व इंटीग्रेटेड लैब आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने भर्ती मरीजों से बातचीत की। पत्रकारों को बताया कि बायोमेडिकल वेस्ट का सही ढंग से निस्तारण नहीं किया जा रहा था। इसके लिए निर्देशित किया गया है कि मेडिकल, पैरा मेडिकल व चिकित्सकों को वेस्ट निस्तारण के लिए ट्रेनिंग दिलाई जाए। चिकित्सकों की कमी के मुद्दे पर एडी हेल्थ को निर्देशित किया। हृदय रोग विशेषज्ञ व ईएनटी सर्जन की तैनाती के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने बताया कि वह उच्च अधिकारियों के निर्देश पर निरीक्षण करने पहुंची थीं। भर्ती मरीजों से बात भी की है।तकिए की उपलब्धता के बारे में भी पूछा गया। सभी ने अच्छा इलाज मिलने की बात कही। ब्लड बैंक में बोर्ड पर सूची में कई महीने अंकित नहीं थे, जिसके लिए निर्देशित किया गया है। इमरजेंसी में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की पाइप को रखने के लिए कहा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि डेढ़ घंटे तक निरीक्षण के बाद डायरेक्टर श्रीराम अस्पताल के लिए रवाना हो गईं।

जिला अस्पताल के इमरजेंसी में बीपी चेक करातीं नेशनल हेल्थ प्रोग्राम की डायरेक्टर शुभ्रा मिश्रा।

डायरेक्टर का बढ़ गया बीपी-पल्स

इमरजेंसी ओपीडी में ब्लड प्रेशर और पल्स चेक कराई। दोनों ही छलांग मार गए थे। बीपी 90/152 था, जबकि पल्स 120 पर थी। इस दौरान पास खड़े एडी हेल्थ डॉ. बीके चौहान, सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान और प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह की धड़कनें बढ़ गईं। डायरेक्टर शुभ्रा भी हेल्थ चेकअप के बाद अचंभित दिखीं, क्योंकि सामान्य बीपी लगभग 80/120 एमएमएचजी और सामान्य पल्स रेट 60–100 प्रति मिनट होती है। फार्मासिस्ट विजय वर्मा ने बताया कि मैम काफी चलकर आईं थीं। इसलिए उनका बीपी व पल्स बढ़ा हुआ था।

निरीक्षण पर डायरेक्टर, फर्श पर पड़ा रहा मरीज

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का नजारा उस समय सामने आया, जब नेशनल हेल्थ प्रोग्राम की डायरेक्टर शुभ्रा मिश्रा निरीक्षण पर थीं। एक बुजुर्ग मरीज फर्श पर पड़ा रहा। मरीज प्रेम रंजन ने बताया कि वह इमरजेंसी के पास चहल-पहल वाली गैलरी में सीट से गिर गए। उनके एक हाथ में वीगो लगा था और लाठी पास पड़ी थी, लेकिन किसी कर्मचारी ने उन्हें उठाने की जहमत नहीं उठाई। अस्पताल के कर्मचारियों की इसे घोर लापरवाही बताई जा रही है। डायरेक्टर के निरीक्षण के दौरान एडी हेल्थ डॉ. बीके चौहान, सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान, प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह समेत कई चिकित्सा अधिकारी मौजूद थे। इसके बावजूद किसी डॉक्टर और कर्मचारी को इस बुजुर्ग का मर्म नहीं दिखा। इससे पहले डायरेक्टर शुभ्रा मिश्रा ने दावा किया कि उन्हें मरीजों से कोई शिकायत नहीं मिली, लेकिन फर्श पर पड़े बुजुर्ग को देखकर उनका यह दावा झूठा साबित होता दिखाई दिया। यह घटना स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के दौरे के ठीक एक दिन बाद हुई, जिन्होंने चिकित्सकों और कर्मचारियों को मरीजों के प्रति जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाया था। लोगों का कहना है कि जब वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हों, तब भी मरीजों की ऐसी अनदेखी हो रही है। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने मामले की जानकारी करने की बात कही है।

इमरजेंसी ओपीडी के बगल गली में फर्श पर पड़ा बुजुर्ग मरीज।

नौ प्रभारी शिक्षकों को मिलेगा प्रधानाध्यापक का वेतन

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : उच्च न्यायालय इलाहाबाद खंडपीठ के एक आदेश पर अब जिले में कार्यरत नौ प्रभारी शिक्षकों को प्रधानाध्यापक का वेतनमान मिलेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा वित्त एवं लेखाधिकारी को याची शिक्षकों को छह सप्ताह के अंदर प्रधानाध्यापक के समान वेतन और तीन वर्ष का एरियर देने का आदेश पारित किया गया है। इसे लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह जिला अध्यक्ष की अगुवाई में याची शिक्षकों का एक प्रतिनिधि मंडल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला और उन्हें उच्च न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त कराई गई। शिक्षक नेता राज नारायण सिंह, चंद्र शेखर सिंह, रामजी सिंह, विकास सिंह, संदीप कुमार सिंह, कपिल देव आदि मौजूद रहे।

अवध विवि के सिंधी अध्ययन केंद्र में आयोजित व्याख्यान में डॉ. जय प्रकाश यादव का स्वागत करते शिक्षक।

युवाओं और वृद्धों के बीच संवादहीनता : डॉ. जय प्रकाश

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान समाजशास्त्र विभाग द्वारा सिंधी अध्ययन केंद्र में शुक्रवार को व्याखान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता काशी विद्यापीठ, वाराणसी के डॉ. जयप्रकाश यादव ने कहा कि जेन जी 1997 से 2012 के बीच जन्मी युवा पीढ़ी है। जो काफी ऊर्जावान है, लेकिन उनके पास अनुभवों की कमी है। युवा पीढ़ी अपने अनुभवों को सकारात्मक तौर पर प्रयोग कर समाज को उच्चीकृत करने में योगदान करें। डॉ. शोभनाथ ने कहा कि वर्तमान समाज में दो पीढ़ियों के मध्य एक अंतरद्वंद्व की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो सांस्कृतिक सामाजिक तौर पर चुनौती के रूप में बनती जा रही है। प्राचीन संस्कृति से जेन जी को जुड़ना होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में जेन जी भौतिकवाद में संस्कृति के साथ सामंजस्य बनकर नहीं चल रहा है। प्रो. फारुख जमाल ने कहा कि संस्कृति मानव और जानवरों के मध्य अंतर करती है।

कुलपति ने परखीं दीक्षांत समारोह की तैयारियां

अयोध्या कार्यालय

दीक्षांत समारोह को लेकर कौटिल्य प्रशासनिक भवन में बैठक करते कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह।

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने 13 अक्टूबर को विवेकानंद सभागार में होने वाले 30 वें दीक्षांत समारोह को लेकर कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को संयोजकों के साथ बैठक की। संयोजकों के पेंच कसते हुए कहा कि शनिवार तक सारी तैयारियां पूरी कर रिपोर्ट दाखिल करें। आयोजन स्थल के साथ प्रदर्शनी स्थल को परखा।

- **समिति संयोजकों के कसे पेंच, स्वच्छता को लेकर विशेष जोर**

कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी संयोजकों से संबंधित उत्तरदायित्वों से जुड़े कार्यों की वस्तुस्थिति को परखा और शीघ्र ही उसे निर्धारित समय पूर्ण करने को कहा। इसके अलावा मंच संचालन व्यवस्था, दीक्षांत प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय द्वारा गोंद लिए गए गांव के आंगनबाड़ी केंद्रों से प्रतियोगिता द्वारा चयनित केंद्रों का सम्मान, किट वितरण, पुस्तकों का विमोचन, स्वर्ण पदक वितरण जैसे कार्यों की प्रगति को परखा। बैठक के बाद कुलपति ने कुलसचिव, वित्त अधिकारी के साथ दीक्षांत आयोजन स्थल एवं प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। परिसर की साफ सफाई एवं साज साज को लेकर कुलपति ने तत्संबंधी को निर्देशित किया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, कुलानुशासक प्रो. एस एस मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सी के मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. फारुख जमाल, प्रो. शैलेंद्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह आदि मौजूद रहे।

जगद्गुरु व शंकराचार्य के नाम से सुशोभित होंगे तोरणद्वार

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राम मंदिर में दीपोत्सव पर भव्य आयोजन होगा। पहली बार चार प्रमुख द्वारों पर फूलों से तोरण द्वार सजाए जाएंगे। जहाँ निर्धारित किए गए जगतगुरु व शंकराचार्य के नाम लिखे जाएंगे। इस वर्ष राम मंदिर में दीपोत्सव का दो दिवसीय आयोजन किया जाएगा। जिसमें लगभग दो लाख दीप जलाए जाने की तैयारी है। इसके साथ ही पूरे मंदिर परिसर को तरह-तरह की लाइटिंग और फूलों से सुसज्जित होंगी।

- **राम मंदिर परिसर में दीपोत्सव पर दो दिन होंगे आयोजन, जलाए जाएंगे दो लाख दीप**

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर निर्माण के बाद परिसर में प्रवेश के चार प्रमुख द्वारा बनाए जा रहे हैं। जिनके नाम जगद्गुरु और शंकराचार्य के नाम रखे गए हैं। बिरला धर्मशाला के सामने स्थित मुख्य प्रवेश द्वार जगतगुरु रामानंदाचार्य, क्रॉसिंग तीन जगद्गुरु माधवाचार्य, क्रॉसिंग 11 जगतगुरु शंकराचार्य और परिसर के उत्तर दिशा स्थित नए द्वार का नाम जगतगुरु रामानुजाचार्य के नाम पर रखा गया है। इन द्वारों पर चल रहे निर्माण के कारण अभी नाम अंकित नहीं हो सका। इस वर्ष दीपोत्सव के भव्य तैयारी में बनने वाले तोरण द्वार पर उनका नाम पहली बार लिखा जाएगा। कहा कि श्री राम जन्मभूमि परिसर में रामलला के विराजित होने के बाद निश्चित रूप से इस बार आने वाली दीपावली पर आने वाले भक्तों के लिए नए उत्सव के रूप में होगी। राम मंदिर ट्रस्ट भी इसकी तैयारी कर रहा है।

मेडिकल कॉलेज में आज जुटेंगे विशेषज्ञ

अयोध्या,अमृत विचार : राजर्षि दशरथ चिकित्सा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शनिवार को बायोकैमिस्ट्री विभाग द्वारा कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। जिसका विषय महिला एवं नवजात स्वास्थ्य में बायोरासायनिक मील के पत्थर एवं नवीन प्रगति है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और नवजातों के स्वास्थ्य से जुड़ी नवीनतम जैव रासायनिक खोजों, परीक्षणों और उपचार विधियों पर प्रकाश डालना है। कार्यक्रम के संरक्षक प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी प्रो. डॉ. देवजीत शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ.मनीष वर्मा, गेस्ट गाइड प्रो.डॉ मनीष मिश्रा व डॉ. रनदीप मुखर्जी हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ. एमएलबी भट्ट सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ, डॉ. गौरव ग्रोवर एसएसपी, प्रतिष्ठित संस्थानों एम्स, केजीएमयू, बीएचयू, वाराणसी, राम मनोहर लोहिया, सैफई, इटावा एवं अन्य संस्थान के चिकित्सा जगत के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों भाग लेंगे।

प्रदेशीय स्कूली कराटे प्रतियोगिता के पदक विजेता सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि व अन्य।

कराटे पदक विजेता हुए सम्मानित

सोहावल-अयोध्या। अमृत विचार : प्रदेशीय विद्यालयी कराटे प्रतियोगिता में अयोध्या मंडल के बालक बालिका खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल कर जिला, मंडल व विद्यालय का गौरव बढ़ाया। पदक विजेताओं को आरडी इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में शुक्रवार को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एसोसिएट डीआईओएस अवनीश कुमार पांडेय व विशिष्ट अतिथि संयुक्त निदेशक के प्रतिनिधि मनोज उपाध्याय ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहना कर व कोच हरिओम शर्मा व विकास कुमार को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में पदक विजेता मुस्कान, स्वाति, नीलाक्षी, दिव्यांश पांडेय,आर्यन कौशल शामिल रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत व लगन से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रधानाचार्य रमेश चंद्र ने कहा कि कॉलेज खेल व शिक्षा क्षेत्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर प्रवक्ता राजेश प्रताप सिंह, दुर्गा प्रसाद तिवारी, पवन यादव, ज्ञान प्रकाश पांडेय, राजेश मिश्रा सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

ताल से ताल मिला और ढोल बाजे... पर झूमे दर्शक

अयोध्या कार्यालय। दीक्षांत समारोह को लेकर अवध विश्वविद्यालय में दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों पर छाप छोड़ी। छात्राओं के नृत्य ने जहां सबको मोहा और छात्रों ने एकल नाटक आदि से छाप छोड़ी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला की शुरुआत नृत्य "परदेशी गर्ल" से हुई, जिसने सभागार में जोश भर दिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं "रमैया वस्तावैया", "आजा नचले", "ढोल बाजे", "ताल से ताल मिला", और "नज़र जो तेरी लगी" जैसे गीतों पर आकर्षक नृत्यों ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। संयोजक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियाँ किसी भी विवि की आत्मा होती हैं। सह संयोजक प्रो. नीलम पाठक ने कहा छात्रों की प्रस्तुतियों में परिश्रम, अनुशासन और समर्पण झलकता है। डॉ. महेंद्र पाल, डॉ. आशुतोष, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. अनुराग सिंह, इं. शांभवी, डॉ. मनीष समेत बड़ी संख्या छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मेरठ व मुरादाबाद मंडल का विजय अभियान शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: प्रदेशीय समन्वय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता डाभासेमर के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में शुक्रवार को शुरू हुई। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। पहले दिन प्रतियोगिता में मेरठ व मुरादाबाद मंडल टीमों ने मैच जीत कर अपने विजय अभियान की शुरुआत की।

आठ दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन तीन मैच खेले गए। पहले मैच में मेरठ मण्डल ने देवीपाटन मण्डल को पराजित किया। दूसरा मैच में आगरा व अलीगढ मंडल के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ। इसमें दोनों टीमें आगरा व अलीगढ़ मण्डल बराबरी पर रहीं। तीसरा मैच सहारनपुर व मुरादाबाद मंडल के बीच खेला गया। इसमें मुरादाबाद ने सहारपुर कों पराजित किया। इसके पूर्व आरएसओ अनिमेष सक्सेना ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता ऑब्जर्वर मो. आरिफ नजमी, क्रीड़ाधिकारी सुल्तानपुर राजेश कुमार सोनकर, उप क्रीड़ाधिकारी विवेक कुमार, मुकेश कुमार सिंह सहित खिलाड़ी, प्रशिक्षक व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का उद्घाटन करते सीडीओ गजेंद्र सिंह।

- **प्रदेशीय सीनियर पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता**

बदले परिवेश में बच्चों के लिए घर में बनाए सकारात्मक माहौल

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर राम सुचित सिंह महाविद्यालय तारुन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया गया। इससे पड़ने वाले प्रभाव और उसके उपायों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ लीलावती महाविद्यालय की प्राचार्या मंटू सिंह, पवन पांडे, सिकंदर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। युवा मानसिक स्वास्थ्य में सामुदायिक लाभार्थियों की भूमिका पर ग्रुप डिस्कशन कराया। इसमें डॉ. सिकन्दर सिंह, पवन कुमार पांडेय, आलोक सिंह, जय प्रकाश भारती प्रधान, हरीराम निषाद प्रधान, तरुण देव सीएचओ परसंवा महोला, उपनिरीक्षक ज्योति यादव आदि ने विचार रखे। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता पर बल दिया। इसके प्रति सामाजिक भ्रांति से निकलने की अपील की। किशोरियों ने स्लोगन लिखी पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। कार्यक्रम में ब्लॉक क्षेत्र की किशोरियां,अभिभावक और प्रधान शामिल रहे।

अक्टूबर में की लापरवाही तो नवंबर में फंसेंगे प्रधानाध्यापक- इंचार्ज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में दो अक्टूबर से शुरू हुई टैबलेट आधारित बच्चों की ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था अब शिक्षकों के लिए मुसीबत बन गई है। बेसिक शिक्षा विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अक्टूबर माह की हाजिरी में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाई गई तो नवंबर में प्रधानाध्यापक और इंचार्ज शिक्षक मुश्किलों में फंस जाएंगे।

विभाग ने जूनियर और कंपोजिट विद्यालयों के प्राचार्यों को रजिस्ट्रेशन पूरा करने और मिड-डे मील (एमडीएम) की व्यवस्था को भी पूरी तरह ऑनलाइन करने का सख्त आदेश दिया है। अभी तक जिले में कुल 1792 परिषदीय विद्यालयों में से केवल 832 स्कूल ही निर्धारित पोर्टल पर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया अक्टूबर की जांच रिपोर्ट नवंबर में जारी होगी। यदि हाजिरी में 90 प्रतिशत से कम उपस्थिति दर्ज हुई या रजिस्ट्रेशन अधूरा रहा, तो संबंधित प्रधानाध्यापक पर विभागीय कार्रवाई होगी, जिसमें निलंबन तक की स्थिति बन सकती है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा शिक्षक पहले से ही विभिन्न एप और पोर्टलों में उलझे हैं। पढ़ाई पर असर पड़ रहा है, जबकि समस्या तकनीकि है, न कि इरादे की। बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद्र सरोज ने बताया कि सभी बीईओ और बीआरसी को निर्देश दिए हैं कि वे सप्ताह में दो बार स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट अपलोड करें। कहा कि नवम्बर में समीक्षा होगी।

- **दो अक्टूबर से शुरू हुई टैबलेट आधारित ऑनलाइन हाजिरी बनी संकट**

सपा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित पूर्व मंत्री पवन पांडेय, जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव व अन्य।

2027 में प्रदेश में सपा सरकार बनाना ही नेता जी को सच्ची श्रद्धांजलि : पवन

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : जिला सपा कार्यालय पर शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर जिला और महानगर कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पूर्व मंत्री तेज नरायन पांडेय पवन ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव एक महान नेता थे जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम किया। कहा कि 2027 के चुनाव में जिले की सभी विधानसभा सीटों को जिता कर समाजवादी पार्टी सरकार बनाना ही नेता जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव व महानगर अध्यक्ष श्यामकृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव एक सच्चे देशभक्त थे। संचालन महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया। जिला महासचिव बख्तियार खान,पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव, पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा, पूर्व प्रमुख राम अचल यादव आदि ने सम्बोधित किया।

पुस्तक मेले में होगी विविधताओं की अद्भुत छटा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रख्यात अधिवक्ता एवं स्वतंत्रता सेनानी नारायण दास खत्री की स्मृति में नारायण दास खत्री मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाला पुस्तक मेला इस बार विविधताओं से अपनी अद्भुत छटा बिखरने जा रहा है। 12 से 17 अक्टूबर तक होने वाले छह दिवसीय पुस्तक मेले में विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। ट्रस्ट ने 12 अक्टूबर को मेले के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया है। मेले का समापन 17 अक्टूबर को प्रस्तावित है। आम जनमानस के लिए प्रत्येक छह दिवस मेला सुबह10 से रात्रि 8 बजे तक संचालित रहेगा।

पुस्तक मेला प्रभारी रीता खत्री,ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष राजकुमार खत्री, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी नमिता मेहरोत्रा ने शुक्रवार को कार्यालय में पत्रकारवार्ता कर आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि रीडगंज स्थित कोठी बलदेव निवास में पुस्तक मेला में प्रतिदिन पहली बार सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। कहा कि उद्घाटन दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता के समय में आंशिक परिवर्तन करते हुए दोपहर तीन के स्थान पर शाम 4 बजे किया गया है। उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जिला जज रणंजय वर्मा व विशिष्ट अतिथि महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी होंगे। इस मौके पर मानसी खत्री, रजत खत्री, सुप्रीत कपूर, उग्रसेन, पुनीत, राकेश आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों से बातचीत करते राजकुमार खत्री, पुस्तक मेला प्रभारी रीता खत्री, कार्यक्रम प्रभारी नमिता मेहरोत्रा व अन्य।

पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री की एक भावुक अपील

पुस्तक मेला को लेकर नारायण दास खत्री परिवार के वरिष्ठ पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने एक भावुक अपील भी कई है। अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर उन्होंने पोस्ट करते लिखा वर्तमान में पुस्तकें पढ़ना हमें जीवन के प्रति गंभीर करेगा और मोबाइल की लत पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा है कि पुस्तक मेला केवल अयोध्या-फैजाबाद के लिए ही नहीं बल्कि उन सभी के लिए है जो पुस्तकों से प्रेम करते हैं।

ब्रजरानी शुक्ला ने जनसेवा की मिसाल कायम की: पुनिया

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य दयानन्द शुक्ला की मां और देवब्रज जन सेवा संस्थान की संस्थापिका ब्रजरानी शुक्ला की श्रद्धांजलि सभा उनके पैतृक गांव नौगवाडीह में आयोजित की गई। सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पहुंचे थे। अनुसूचित जाति जन जाति आयोग के पूर्व चेयरमैन व पूर्व सांसद पीएल पुनिया सहित अन्य नेताओं स्व. शुक्ला के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी। पुनिया ने कहा कि स्व. ब्रजरानी ने अपनी सामाजिक संस्था देवब्रज जन सेवा संस्थान के माध्यम से समाज के गरीब बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा, सिलाई व कढ़ाई व गरीबों के बीच कंबल व कपड़े आदि वितरण कराकर जनसेवा की एक मिसाल कायम की। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि ब्रजरानी शुक्ला हमेशा जनसेवा को ही तरहजीह देती थीं। उन्होंने क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की मदद करके एक मिसाल कायम की थी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम, ब्लॉक प्रमुख सर्वजीत सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने स्व. ब्रजरानी शुक्ला को श्रद्धांजलि दी। महंत अमौनी सत्य भारती जी महराज,कर्नाटक के विधायक बी मुनि स्वामी,दिल्ली सीपीडब्लूडी के मुख्य अभियंता अनिल कुमार सिंह,असिस्टेंट कमिश्नर केके सिंह, जिला सचिव भीम शुक्ला समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

दांदूपुर में रामलीला 28 से

रामपुर भगन, अयोध्या। अमृत विचार : क्षेत्र की ग्राम धरमपुर ग्रामसभा दांदूपुर में पांच दिवसीय रामलीला 28 अक्टूबर से 01 नवम्बर तक होगी। समिति के सदस्य विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि इस ग्राम में वर्ष 2003 से स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामलीला समिति द्वारा सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

उप परिवहन आयुक्त ने संभाला पदभार

अयोध्या। उप परिवहन आयुक्त राज कुमार सिंह ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी व सहायक संभागीय अधिकारी से कार्यों की जानकारी ली। वह इससे पूर्व मेरठ में आरटीओ प्रवर्तन के पद पर तैनात थे। आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह , आरटीओ प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह, एआरटीओ डॉ. आरपी सिंह मोटर यान निरीक्षक राजीव कुमार के अलावा कर्मचारियों ने भी पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। शासन स्तर से तीन नए जोन गठित किए गए थे। इसी क्रम में अयोध्या जोन के उप परिवहन आयुक्त के रूप में राजकुमार सिंह ने पदभार संभाला है।

अर्धमूर्छित अवस्था में मिली लापता किशोरी

गोसाईगंज। आठ अक्टूबर की सुबह स्कूल के लिए निकली गोसाईगंज थाना क्षेत्र के एक गांव किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पिता ने थाना गोसाईगंज में तहरीर दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। करीब 24 घंटे बाद नौ अक्टूबर को लगभग 11 बजे किशोरी अयोध्या-सुल्तानपुर रोड के पास एक खेत किनारे सड़क पर अर्धमूर्छित अवस्था में मिली। उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज में भर्ती कराया। वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। थाना प्रभारी शरदेंदु दुबे ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

पुलिस ने दो शोहदों को किया गिरफ्तार

जलालपुर। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने शास्त्री औद्योगिक इंटर कॉलेज कर्बला कासिमपुर के पास तथा सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज फतेहपुर मोहितपुर इंटर कॉलेज के पास से एक-एक शोहदे को पकड़कर कानूनी कार्रवाई किया है। पकड़े गए अभियुक्तों ने अपना नाम द्रविड़ राजभर पुत्र हरिओम राजभर ग्राम फतेहपुर मोहिबपुर थाना कोतवाली जलालपुर तथा अंकेश पुत्र राजाराम निवासी सोहगपुर के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई। जलालपुर कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सर्पदंश के उपचार संबंधी दी जानकारी

अंबेडकरनगर। राहत आयुक्त कार्यालय एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में सर्पदंश से बचाव और प्रबंधन विषय पर कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन शुक्रवार को भी 25 चिकित्साधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सर्पदंश के बढ़ते मामलों को रोकना एवं जनहानि को न्यूनतम करना रहा। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने सर्पदंश के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए चिकित्सकों को गहन प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर बल दिया था।

धूमधाम से हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

बसखारी : बसखारी बाजार में ऐतिहासिक भरत मिलाप के कुशलतापूर्वक पर समाप्ति के बाद शुक्रवार को बाजार में कुल 17 पंडालों में स्थापित दुर्गा माता व अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन शोभायात्रा निकालकर हंसवर के मैदी घाट पर कर दिया गया। डीजे और ढोल नगाड़ों की धुनों पर नाचते गाते हुए जय माता दी के गगनभेदी जयकारे के साथ भारी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान नगर पंचायत की ओर से माता के भक्तों को चना, हलुआ का प्रसाद वितरण किया गया। नगर पंचायत की ओर से साफ-सफाई की व्यवस्था भी मुकम्मल रही। शोभायात्रा में भारी संख्या महिला व पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे।

शिक्षकों को दिए टिप्स

जलालपुर : उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर मोहिबपुर में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान आलापुर के प्राचार्य उप शिक्षा निदेशक ब्रजेश उपाध्याय ने गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ विद्यालय में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में गुणात्मक शिक्षा संवर्धन के लिए जनपद को एक्सीलेंस बनाने के लिए शिक्षकों को टिप्स भी दिए। प्राचार्य ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में डीबीटी, मिड-डे-मील योजना के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सरकारी स्कूलों में नामांकन कराए जाने की अपील अभिभावकों से की।

आठ वर्षों में कृषि विवि ने बनाई नई पहचान : शाही

धूमधाम के साथ मनाया गया कृषि विवि का 50वाँ स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह

बोले, कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री, पांच शिक्षकों और 30 कर्मचारियों को किया सम्मानित ■ विदेशी छात्र-छात्राओं ने नृत्य पेश कर बांधा समां

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : आठ वर्षों में आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने निरंतर प्रगति कर नई पहचान बनाई है। यह देश का पहला कृषि विवि है जिसने नैक में उच्च ग्रेड हासिल किया है। यहां आज छात्रों की संख्या 3500 है जो प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार हजार तक पहुंच जाएगी। कहा कि 50 वर्षों में इस विवि ने किसानों के हितों, समर्पण, शिक्षा, शोध एवं नवाचारों में मुख्य भूमिका निभाते हुए एक लंबी यात्रा तय की है। ये बातें कृषि एवं जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहीं। वह शुक्रवार को विवि के 50वाँ स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व धूमधाम के साथ मनाए गए समारोह का शुभारंभ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक चंद्रभानु पासवान, विधायक रामचंद्र यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, विश्व विख्यात वैज्ञानिक डॉ आरके सिंह, उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, वित्त नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरके पाठक ने जल भरो कार्यक्रम के साथ किया। मुख्य अतिथि ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच शिक्षकों और 30 कर्मचारियों को सम्मानित किया।

कृषि विवि में घड़े में जल भरकर कार्यक्रम की शुरुआत करते कृषि व प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक चंद्रभानु पासवान व कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह।

उत्कृष्ट कार्य के लिए इनका हुआ सम्मान

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उत्कृष्ट कार्य के लिए निदेशक प्रशासन डॉ. सुशांत श्रीवास्तव, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. डी .नियोगी, अवर अभियंता ओमप्रकाश, डॉ. एचके सिंह व डॉ. प्रदीप कुमार को सम्मानित किया। इसके साथ ही 30 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इस विवि को एक नई ऊंचाईयों को पहुंचाने में कुलपति के नेतृत्व में छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कृषि में एक नई पहचान बनाने के लिए कार्य करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 2029 तक वन ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को पूरा करने में कृषि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान सत्र 2025-26 में 17 नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। यहां नौ देशों के विदेशी छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस वर्ष विवि को प्राकृतिक खेती का नोडल सेंटर बनाया गया है। 22वीं राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन इस बार कृषि विवि अयोध्या में आयोजित हुआ। जिसमें 24 राज्यों के कुल 56 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उत्तर प्रदेश को भी बिहार की तर्ज पर मखाना उत्पादक राज्य बनाने की तैयारी के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि तेजी के साथ कार्य कर रहा है।

विख्यात वैज्ञानिक प्रो. रामकठिन सिंह ने कहा कि चावल के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने जो प्रगति की है, उसकी पहचान पूरे देशभर में है। पूर्वांचल के किसानों की समृद्धि एवं उन्हें सशक्त बनाने में यह कृषि विवि अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि विवि शोध, शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्र में विवि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उपकार के द्वारा समस्त कृषि विश्वविद्यालयों को करोड़ों रुपये की परियोजनाएं दी गईं हैं। जिससे किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि इस विवि में शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र देशभर में विवि का नाम रौशन कर रहे हैं। विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि यह विवि किसानों की उन्नति, शोध, शिक्षा एवं नवाचार में सेतु की तरह कार्य कर रहा है। कृषि अधिष्ठाता डॉ. डी.के सिंह के संयोजन में आयोजित समारोह का संचालन डॉ. सीताराम मिश्रा ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

रंगारंग प्रस्तुति देते कलाकार। अमृत विचार

सांस्कृतिक मंच पर कथक नृत्य और अवधी लोकगीतों ने भरे रंग

देवा, बाराबंकी। देवा मेला 2025 के सांस्कृतिक मंच पर शुक्रवार की शाम कला और संगीत का जादू बिखरा। धीरेन्द्र पाण्डेय एवं उनकी टीम ने कथक और लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। गणेश वंदना से शुरू हुआ कार्यक्रम "छाप तिलक सब छीनी", "श्रीराम स्तुति"और"शिव वंदना" जैसे नृत्यों से सजा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रसिद्ध अवधी गायक सत्यांशु पटेल ने यूपी में बाटे अयोध्या जिला नमवा के नजानेला जैसे गीतों से एकता और प्रेम का संदेश दिया।

देवा मेला : दादा मियां के कुल शरीफ में उमड़ा अकीदत का सैलाब

संवाददाता, देवा, बाराबंकी

अमृत विचार। विश्व प्रसिद्ध देवा मेला शुक्रवार को पूरी तरह सूफियाना रंग में रंग गया जब सूफी संत हज़रत हाजी वारिस अली शाह के पिता हज़रत सैय्यद कुर्बान अली शाह उर्फ दादा मियां का ऐतिहासिक कुल शरीफ परंपरागत और रूहानी अंदाज़ में अदा किया गया।

रूहानियत से भरे इस मौके की शुरुआत नमाज़-ए-असर से पहले दरगाह परिसर में हाजी सैय्यद उस्मान गनी शाह की अगुवाई में हुई। कुरान की तिलावत और सलाम की गूंज से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कुल शरीफ से पहले देवा की फिजा उस वक्त अल्लाह वारिस, हक वारिस के नारों से गूंज उठी जब वारिस पाक की पालकी यात्रा का शुभारंभ खानकाह हज़रत कल्लन मियाँ से किया गया। रास्ते भर अकीदतमंदों ने फूल बरसाए और पालकी को कंधा देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई वारिस पाक की पालकी का दीदार कर खुद को सौभाग्यशाली मान रहा था।

दरगाह पहुंचने के बाद चादरपोशी की रस्म अदा की गई, जिसके पश्चात महफ़िल-ए-समा का आयोजन हुआ। इसमें सूफियाना कलाम और कव्वाली की प्रस्तुति ने समा बांध दिया। श्रद्धालु संगीत की रूहानी लहरों में डूबते चले गए। अंत में मुल्क की अमन, एकता और भाईचारे के लिए दुआ की गई। कुल शरीफ की रस्म के समापन पर तबर्रुक (प्रसाद) वितरित किया गया और अकीदतमंदों ने दादा मियाँ की दरगाह पर सिर झुकाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे। एडिशनल एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, मेला सीओ सौरभ श्रीवास्तव, मेला प्रभारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, और देवा कोतवाली प्रभारी अजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पूरी मुस्तैदी से तैनात रहे। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद पुलिस ने अनुशासन बनाए रखा, जिससे हर रस्म और आयोजन श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

पालकी में सवार हाजी सैय्यद उस्मान गनी शाह। अमृत विचार

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

देवा, बाराबंकी। देवा मेला के सांस्कृतिक मंच पर शुक्रवार की संध्या स्कूली बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी बनीकोडर संजय राय और जीजीआईसी देवा की प्रिंसिपल डॉ. सुविद्या वत्स ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्कार ग्लोबल स्कूल के बच्चों ने वेलकम सॉन्ग से शुरुआत की, जबकि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बनीकोडर की छात्राओं ने राजस्थानी धूमर नृत्य प्रस्तुत किया। प्रतिभा शिक्षा निकेतन नरैनी के बच्चों के गणेशा के नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

शिव के विवाह जैसा व्यवहार कभी भविष्य में न होगा

कार्यालय संवाददाता, अंबेडकर नगर। अमृत विचार : आलापुर अंबेडकर नगर क्षेत्र के वाभनपुर ग्राम में चल रही श्री राम कथा के दौरान कथावाचक वासुदेवाचार्य ने शिवचरित्र एवं शिव विवाह प्रसंग को श्रोताओं को सुना कर मंत्र मुग्ध किया। बताया कि भूत भावन भगवान शिव के विवाह जैसा व्यवहार ना तो भूतकाल में कभी हुआ था और ना ही कभी भविष्य काल में होगा। मुख्य अतिथि अपर महाधिवक्ता कुलदीप पति त्रिपाठी व जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि अपने जीवन को संतुलित और सुखी बनाने के लिए भक्ति मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित राम अवध स्मारक इंटर कॉलेज रामनगर के प्रधानाचार्य एनवी यादव व बार अध्यक्ष सुनीति द्विवेदी ने किया। इस कथा को सुनने के बाद श्रोता भाव-विभोर हो गए और उन्होंने कथा का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी ,जिला मंत्री विनय पांडे जिला मंत्री पंकज वर्मा उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष आर एस गौतम कोषाध्यक्ष माया अग्रहरि ने अतिथि जनों का स्वागत किया।

पंचायत चुनाव : समय सारिणी के अनुसार किया जाए पुनरीक्षण कार्य

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। राज्य निर्वाचन आयोग की संशोधित अधिसूचना के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का समय सारिणी के अनुसार बृहद पुनरीक्षण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 18 जुलाई से 18 अगस्त तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन और मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही, बीएलओ और पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना, प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही समानान्तर चलाई गई। 19 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण और हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि 01 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए गए। 19 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन अवधि पूर्ण हुई है। इसी प्रकार 23 से 29 सितंबर तक ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि निर्धारित थी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 30 सितंबर से 13 अक्टूबर तक निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि निर्धारित की गई है। इसी तरह ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना 14 अक्टूबर से 24 नवंबर तक की जाएगी। 5 दिसंबर 2025 को अंतिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन किया जाएगा।

बिजली विभाग की शिकायतों का त्वरित हो निस्तारण : डीएम

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधीक्षण अभियंता विद्युत, समस्त अधिशासी अभियंता, एई मीटर, सभी उपखंड अधिकारी, आरडीएसएस योजना की कार्यदाई संस्था और स्मार्ट मीटर योजना से संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक किया।

बैठक में डीएम ने आरडीएसएस योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्यों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी प्रशासनिक सहयोग की आवश्यकता हो, वहां संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाए, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजनाएं पूर्ण हों। जिलाधिकारी ने विद्युत बिल सुधार संबंधी शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। साथ ही उन्होंने जनपद में रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में आमजन को बिजली आपूर्ति में व्यवधान न होने पाए।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व सीएम

जहांगीरगंज, अमृत विचार। विधान सभा क्षेत्र आलापुर के सपा कार्यालय रामनगर में समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि सपा राष्ट्रीय सचिव विधायक त्रिभुवन दत्त रहें।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक त्रिभुवन दत्त ने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया की विरासत को कोई संभालने का कार्य किया तो उस नेता का नाम मुलायम सिंह यादव था। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर के सिद्धांतों पर चल करके समाज में सामाजिक परिवर्तन एवं समता मूलक समाज की लड़ाई लडने का कार्य किया है। जिस समाज से सब कुछ छीन गया था ऐसे समाज के लोगों को इस देश का हुक्मरान बनाना चाहता थे। इस लड़ाई को सौ कदम किसी ने आगे बढ़ाया तो उस नेता का नाम मुलायम सिंह यादव था। आज समाज में दलितों, पिछड़ों, मजलूमों और अकलियत समाज के लोगों के लिए अगर संघर्ष की पहचान के नाम से किसी संघर्षशील नेता का नाम आता है तो उस नेता का नाम मुलायम सिंह यादव था। आने वाले समय में प्रदेश से भाजपा की सरकार हटाकर अखिलेश यादव को इस प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का कार्य करना होगा। तभी यह नेता जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद विधायक त्रिभुवन दत्त। अमृत विचार

वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड कराने की अपील

अंबेडकरनगर। सामाजिक संस्था अल इमाम चैरिटेबल नऊआंडेशन ताजपुर के चेयरमैन ख्वाजा शफाअत हुसैन ने वक्फ शुदा संपत्तियों के मुतवल्लियों से अपील करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संबंधित विवरण अतिशीघ्र अपलोड करा लें। उन्होंने शिया व सुन्नी वक्फ मुतवल्लियों, प्रशासकों, प्रबंध कमेटी के नाम जारी पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों की निगरानी व पारदर्शिता के लिए शुरू किए गए उम्मीद पोर्टल पर अपनी-अपनी वक्फ संपत्तियों का विवरण तुरंत अपलोड करें। यह अमल हमारी दीनी अमानतों की सुरक्षा और वक्फ सिस्टम की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। उम्मीद पोर्टल पर अपलोड की अंतिम तिथि 05 दिसम्बर 2025 निर्धारित है, उसके बाद कोई अन्य विकल्प शेष नहीं रहेगा।

नरेंद्र देव इंटर कॉलेज में लगेगी पटाखा बाजार

जलालपुर, अमृत विचार। दीपावली को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से इस वर्ष नगर के रामलीला मैदान में पटाखा की दुकानें नहीं लगेंगी। प्रशासन ने इन दुकानों को नगर स्थित नरेंद्र देव इंटर कॉलेज के खेल मैदान में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

शुक्रवार को कोतवाली जलालपुर में उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता की अध्यक्षता में पटाखा विक्रेताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सुरक्षा कारणों से इस वर्ष सभी अस्थायी पटाखा दुकानें रामलीला मैदान की जगह नरेन्द्र देव इंटर कॉलेज परिसर में लगाई जाएंगी। उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने कहा कि जो भी अस्थायी विक्रेता पटाखा की दुकान लगाना चाहते हैं, उन्हें एसडीएम कार्यालय, कोतवाली और फायर विभाग से आवश्यक अनुमति और लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक दुकान पर बालू से भरी बाल्टी, पानी से भरी बाल्टी तथा फायर सिलेंडर जैसी सुरक्षा सामग्री अवश्य रखी जाए। जो दुकानदार सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करेंगे उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी अनूप कुमार सिंह, कोतवाल संतोष कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी अरविंद कुमार, वरिष्ठ लिपिक राम प्रकाश पांडे, देवेश मिश्रा, आशीष सोनी, अमित सहित कई अधिकारी और पटाखा व्यवसायी मौजूद रहे।

पटाखा विक्रेताओं के साथ बैठक करते उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता। अमृत विचार

सक्रियता ■ **जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण**

परीक्षा के दौरान अधिकारी बरतें सतर्कता

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा तथा सहायक वन संरक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने रमाबाई महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अकबरपुर, बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर सहित अन्य केंद्रों का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरे, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, परीक्षा कक्षों में प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, सीटिंग प्लान और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के दौरान पूर्ण सतर्कता और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षार्थी की आईडी की जांच प्रवेश द्वार पर ही गहनता से की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की फर्जीवाड़े की संभावना न रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा 12 अक्टूबर को दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली प्रातः 09:30 से 11:30 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 02:30 से 04:30 बजे तक। जनपद में 24 केंद्रों पर होगी परीक्षा : जनपद के 24 परीक्षा केंद्रों पर कुल 11 हजार 304 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, स्टैटिक, सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी गई है। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला।

मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले को लेकर आप का विरोध प्रदर्शन

आजमगढ़। आम आदमी पार्टी के जिला प्रभारी कमलेश सिंह के नेतृत्व एवं प्रांत अध्यक्ष राजेश यादव की उपस्थिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश पर न्यायालय के अंदर हुए हमले के विरोध में आप कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राजेश यादव ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के ऊपर न्यायालय के भीतर हमला लोकतंत्र और न्यायपालिका के प्रति सीधा अपमान है। आम आदमी पार्टी इस अमर्यादित घटना की कड़ी निंदा करती है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सम्मान सर्वोच्च है, और इसे कोई भी ताकत चोट नहीं पहुंचा सकती। कृपाशंकर पाठक ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश पर हमला देश के संविधान पर हमला है हमारे लोकतंत्र पर हमला है। विरोध प्रदर्शन के उपरांत आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए सौंपा गया।

अराजक तत्वों ने पोल्ट्री फार्म को किया क्षतिग्रस्त

संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जनपद के अहिरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत अराजक तत्वों द्वारा क्षेत्र के एक पोल्ट्री फार्म पर लगे सीसी कैमरे और टीन सेड को तोडक़र छतिग्रस्त कर देने के मामले मे अहिरौली पुलिस को पीड़त ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मामला थाना क्षेत्र के खेंवार गांव का है।

बता दें कि पीडित ने अहिरौली थाने पर शिकायती पत्रदेकर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता विक्रम सिंह बिक्की ने बताया कि गांव में बीते 6 अक्टूबर को रामलीला कार्यक्रम में व्यस्तता के चलते पोल्ट्री फार्म पर नहीं जा सकें, लेकिन रात में रामलीला समाप्ति होने के बाद जब पोल्ट्री फार्म के पास पहुंचे तो वहां देखा कि बाहर लगे सीसी कैमरे और पोल्ट्री फार्म पर लगे टीन सेड को अराजक तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया है। जब पीड़ित ने दरवाजे को खोलकर सीसीटीवी कैमरा चेक किया तो देखा कि दो अज्ञात नकाबपोश लाठी-डंडों से लैस होकर आए और सीसी कैमरे पर वार करते हुए तोडक़र उठा ले गए। अब देखना है की सीसी कैमरे में कैद अराजक तत्वों के बीडियो के अनुसार अहिरौली पुलिस कब तक खोज पाने में सफल हो पाती है।

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जहरीले जंतु के काटने से महिला की मौत

सुलतानपुर, अमृत विचार : गोसाईगंज थानाक्षेत्र के उघड़पुर अन्नपूर्णानगर निवासी शांती देवी (70) पत्नी शेष नरायन दूबे गुरुवार देर शाम को भोजन के बाद कमरे के अंदर लेटी हुई थी। रात करीब 10 बजे सो रही शान्ती देवी को जहरीले जंतु ने काट लिया। परिजन आनन फानन में महिला को मेडिकल कालेज सुलतानपुर ले गए। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

चोरी के दोषी को एक साल की जेल

सुलतानपुर, अमृत विचार : ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चोरी के आरोपी दीपक राठौर उर्फ अजय पुत्र साहब लाल राठौर निवासी खाड़ेपुर नौबस्ता, कानपुर नगर (हालपता पलिया हसनपुर, धम्मौर) को एक वर्ष के साधारण कारावास एवं दस हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई। यह सजा सीजेएम नवनीत सिंह की अदालत ने सुनाई। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी शैलेश चतुर्वेदी ने बताया अभियुक्त पर आरोप था कि उसने वादी के नवनिर्मित घर से जेवरात व 2 लाख नकद चोरी किए थे। विवेचना उपनिरीक्षक यशवंत द्विवेदी द्वारा की गई थी।

आदित्य को भूगोल में मिली पीएचडी उपाधि

सुलतानपुर, अमृत विचार : सोनबरसा निवासी आदित्य सिंह को राजस्थान के भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर ने भूगोल विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने डॉ. चंद्रमोहन राजौरिया के निर्देशन में "भूमि की उत्पादकता एवं कृषि विकास का तुलनात्मक भौगोलिक अध्ययन : सुलतानपुर जिले के संदर्भ में" विषय पर शोध किया। आदित्य वर्तमान में राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यरत हैं। उनकी उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी।

प्रत्येक नागरिक स्वदेशी अपनाए: एमएलसी

सुलतानपुर, अमृत विचार : पयागीपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एमएलसी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक स्वदेशी अपनाए। उन्होंने लोगों से गर्व के साथ स्वदेशी उत्पादों के उपयोग और प्रचार का आवाहन किया। जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को देश की नई पहचान बताया। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने किया।

अपहरण व दुराचार के दोषी को 10 वर्ष की कैद

कोर्ट ने 18 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया, अर्थदंड की संपूर्ण रकम पीड़िता को देने का आदेश

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जयसिंहपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में दो साल पूर्व 15 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर अपहरण करने व दुष्कर्म करने के आरोपी वीरू चौहान को पॉक्सो कोर्ट जज नीरज श्रीवास्तव ने शुक्रवार को 10 साल की कैद व 18 हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। अर्थदण्ड की सम्पूर्ण रकम बतौर क्षतिपूर्ति कोर्ट ने पीड़िता को देने का आदेश भी दिया है।

विशेष लोक अभियोजक रमेश चन्द्र सिंह के मुताबिक दो अगस्त 2023 की घटना में दर्ज हुए केस मे पीड़िता की मां ने आरोप लगाया था उनकी 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को आरोपी ने बहला-फुसलाकर कर अपहरण कर दुराचार जैसी वारदात को अंजाम दिया। तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। मुकदमे के दौरान अभियोजन की तरफ से पेश किए गये सात गवाहों के साक्ष्यों के आधार पर को कोर्ट ने दोषी वीरू चौहान को अपहरण व दुष्कर्म का दोषी पाते हुए 10 साल की सजा सुनाकर करनी की सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी के केस में गवाह जरिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तलब

कादीपुर के पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी और अन्य आरोपियों पर विचाराधीन मुकदमे में शुक्रवार को विशेष कोर्ट में विशेष न्यायाधीश राकेश की अदालत ने अभियोजन गवाह को जरिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग तलब कर किया है। बचाव पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया मामले में सुनवाई के लिए 27 अकटूबर की तारीख नियत की गई है। मामला 17 दिसम्बर 2002 का है, जब कादीपुर क्षेत्र स्थित संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के सामने सड़क दुर्घटना में छात्रा पूनम श्रीवास्तव की मौत हो गई थी। आरोप है कि घटना से आक्रोशित होकर पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी, अभिषेक सिंह राणा, रामार्य पाठक समेत 14 लोगों ने उपद्रव किया। इस संबंध में तत्कालीन कोतवाल शिवराज सिंह की तहरीर पर बलवा समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना उपरांत तत्कालीन सीओ कादीपुर विजय नारायण ने सभी 14 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

आरोपी दीपक सिंह के घर कुर्की की नोटिस चस्पा करते एसओ। ● अमृत विचार

दीपक सिंह के घर पहुंची पुलिस, चस्पा किया कुर्की का नोटिस, कराई मुनादी

- चिकित्सक हत्याकांड में फरार चल रहे ड्राइवर पर कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने की कारवाई

संवाददाता, सुलतानपुर : जिले की बहुचर्चित संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में फरार चल रहे दीपक सिंह पर कोर्ट ने कुर्की की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जिस पर शुक्रवार को धनपतगंज थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव हमराहियों के साथ दीपक के गांव मायंग पहुंचे। दीपक के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई। वही ग्रामीणों से अपील किया कि अगर आपको दीपक सिंह कही पर दिखता है तो इसकी सूचना पुलिस को दे। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। बताते चलें कि चिकित्सक हत्याकांड में चालक दीपक सिंह फरार चल रहा है, नोटिस के बाद भी वह कोर्ट में पेश नहीं हो रहा है। कोर्ट में पेश नहीं होने के चलते न्यायाधीश ने गुरुवार को कुर्की की कार्रवाई की निर्देश दिया था। जिस पर शुक्रवार को धनपतगंज थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने कुर्की नोटिस चस्पा करने व मुनादी की कार्रवाई की है।

गिरफ्तारी वारंट के बावजूद पुलिस की पकड़ से दूर है एटीएस का आरोपी

- कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर एसपी व एटीएस यूनिट को गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

संवाददाता, सुलतानपुर : फर्जी दस्तावेजों के सहारे पहचान छिपाकर रह रहे आरोपी मान सिंह उर्फ विक्की के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत से गिरफ्तारी वारंट के बावजूद पुलिस की पकड़ से दूर है। कोर्ट ने आरोपी मान सिंह उर्फ विक्की के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। आरोपी के लगातार अनुपस्थित रहने पर कोर्ट ने एसपी सुलतानपुर और यूपी एटीएस यूनिट को उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि पंजाब के फाजिल्का निवासी मान सिंह उर्फ विक्की को यूपी एटीएस ने 24 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और निर्वाचन पत्र बनवाकर खुद को सुलतानपुर निवासी दर्शाया था। इसी पहचान के आधार पर उसने बैंक खाते खोले और पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया शुरू की थी। वह कादीपुर थाना क्षेत्र के सुरापुर तव्वकलपुर नगरा में किराए पर रह रहा था। एटीएस की जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई और अदालत ने 23 अप्रैल 2025 को आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए थे। बाद में कोर्ट ने उसे मुचलके पर रिहा करते हुए 15 दिन में जमानतदार पेश करने का आदेश दिया था, लेकिन आरोपी तब से फरार है। अदालत ने नाराजगी जताते हुए आदेश की प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भी भेजी है, ताकि यह जांच हो सके कि बचाव पक्ष द्वारा दाखिल आवेदन उचित था या नहीं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 अक्टूबर की तारीख तय की है।

संतोष हत्याकांड के तीन आरोपी कोर्ट से बरी

प्रधानी चुनाव की रंजिश में दुर्घटना कर सन्तोष सिंह की हत्या करने के चर्चित मामले में न्यायाधीश राकेश पांडेय ने तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। बचाव पक्ष के एक अधिवक्ता रवि शुक्ल ने बताया कि कोर्ट में विजय प्रताप सिंह उर्फ गल्लन, उदय प्रताप सिंह और चालक श्याम बिहारी शुक्ला के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। तीनों पर आरोप था कि आयुष्मान अस्पताल एचएएल के निकले मुंशीगंज थाना क्षेत्र के पश्चिम दुआरा निवासी संतोष सिंह का दीनापुर पुल के पास 17 अक्टूबर 2021 को रोड एक्सीडेंट किया। इलाज के लिए लखनऊ ले जाते समय रस्ते में उसकी मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी मधुलिका सिंह ने चुनावी रंजिश में हत्या का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया था। अभियोजन पक्ष से 11 और बचाव पक्ष से दो गवाह पेश किए गए थे।

सीबीसीआईडी अभियोजन अधिकारी की हत्या के मामले में पूर्व डीआईजी तलब

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

- मामले में सुनवाई को 20 अक्टूबर की तारीख नियत की गई

अमृत विचारः कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही में 38 साल पहले सीबीसीआईडी के अभियोजन अधिकारी सुरेश चन्द्र अग्निहोत्री की हत्या के मामले में अभियोजन के गवाह सेवानिवृत्त डीआईजी सुशील कुमार सिंह को तलब करने के लिए कोर्ट न्यायाधीश संतोष कुमार ने लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को पत्र जारी किया है। मामले में सुनवाई के लिए 20 अक्टूबर की तारीख नियत की गई है।

एडीजीसी पवन दूबे के मुताबिक शाहजहांपुर के कस्बा जलालाबाद निवासी रहे लखनऊ में सुरेश चंद्र अग्निहोत्री लखनऊ में रहते थे। वह गोसाईगंज थाना क्षेत्र में दर्ज 134 किलोग्राम अफीम के मुकदमे में 28 फरवरी 1987 को सीजेएम सुलतानपुर की कोर्ट में मुकदमे की पैरवी के लिए आए थे। पैरवी में देरी होने पर वे गोसाईगंज थाने में रुक गए थे। उनकी हत्या कर लाश कोतवाली देहात थाने के नकराही गांव में स्थित एक कुएं में फेंक दी गई थी। तत्कालीन ग्राम प्रधान इसरार अहमद ने मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में बाराबंकी जिले के भीतरी पीट बतावन निवासी हाफीज, मुम्मदपुर निवासी गुलाम मुस्तफा उर्फ मिज्जन, संतलाल जायसवाल तथा उप निरीक्षक इम्तियाज अहमद के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। जिसमें आरोपी संतराम की मुकदमे के दौरान मौत हो गई। 38 साल से लंबित मुकदमे में गवाही नहीं हो पाने के कारण न्यायाधीश संतोष कुमार ने रिटायर्ड डीआईजी सुशील कुमार सिंह को तलब किया है और उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट ने लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को पत्र जारी किया है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE

I have change my name Sarfaraz Ahmad to Sarkar Ahamad s/o Mohammad Nihal, In future I would like to be khown by this name. **Sarkar Ahamad S/o Mohammad Nihal 500/138, Kutubpur, Daliganj, P.S.- Hasanganj, Lucknow.**

सूचना

सूचित हो कि मेरी इंटरमीडिएट परीक्षा–2023 (मा.शि.प. प्रयागराज उ.प्र. रोल नं. 2239557272, राजकीय महिला कॉलेज) की मूल अंकतालिका वास्तव में कहीं खो गई है जो बहुत ढूँढने पर भी नहीं मिली। **अर्श व्हीलर पुत्र अमिताभ व्हीलर, 309/5, नजरबाग, लखनऊ।**

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि B–2/12, विजयन्त खण्ड, गोमती नगर लखनऊ, स्थित प्रॉपर्टी की मालकिन निष्ठा कोचर है। इस प्रॉपर्टी का अलॉटमेन्ट लेटर खो गया है। जिसकी एफआईआर कर दी है। जिसकी एफ.आई.आर.नं0 20250000740797 है।

सूचना

मैने अपना नाम KM SALIHA KHATOON से बदलकर SALIYA KHATOON रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-RAIS AHMAD ADD-GANDCHAPPA, BAHADURGANJ DIST-SITAPUR-261204 (U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम RAISH AHAMAD से बदलकर RAIS AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O- MOHD RAZA ADD-GAND CHAPPA, BAHADURGANJ DIST - SITAPUR - 261204(U.P)**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र साहिल व उसकी पत्नी सलमा बानो के गलत व बेजा चाल–चलन व अनैतिक आचरण के कारण उससे सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है एवं अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। साहिल व उसकी पत्नी द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे, मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना–देना नहीं होगा। **नौशाद सुत इरशाद अहमद निवासी ग्राम पूरे जोगा, मजरे गयासपुर, थाना बाजारशुक्ल, तहसील मुसाफिरखाना, जिला– अमेठी, उ0प्र0।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री Hazra Fatima के विद्यालय अभिलेखों में Hazra Fatima के स्थान पर उसका गलत नाम Hajra Fatima दर्ज हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही नाम Hazra Fatima है जो आधार कार्ड में अंकित है। अतः मेरी पुत्री के विद्यालय अभिलेखों में उसका सही नाम Hazra Fatima दर्ज किया जाये। **वसीउल्लाह खां पुत्र समीउल्लाह खां निवासी मो0 सुदामापुरी वार्ड–9 थाना कोतवाली तहसील व जिला सीतापुर।**

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पति शिव बहादुर पांडेय की एलआईसी पालिसी संख्या 219505928 है, इसमें मेरा नाम नामिनी के तौर पर शिवकुमारी लिख गया है जो गलत है, मेरा वास्तविक नाम विद्यावती है। शिवकुमारी व विद्यावती दोनों नाम एक ही है। **शिव कुमारी उर्फ विद्यावती पत्नी शिव बहादुर पांडेय निवासिनी ग्राम मौहारी, पोस्ट खरगूपुर (नवाबगंज) गोंडा**

सूचना

मेरे आर्मी के दस्तावेजों में पिता का नाम कैलाश चन्द्र व जन्म तिथि 01–05–1952 अंकित हो गई है। जबकि पिता का नाम कैलाश व जन्म तिथि 10–11–1952 है। यही सही है। इसी को माना जाये। **नायक अनुराग पुत्र श्री कैलाश निवासी– बन्सरामऊ, पोस्ट– नेरा तहसील व जनपद– कन्नौज।**

NOTICE

My postal records show my nickname as Pratiksha Patel and my date of birth as 5/1/2004, which is incorrect. Anshika Patel & Pratiksha Patel, both names are mine. It is necessary to change it to the correct date of birth 7/7/2005 and correct name Anshika Patel daughter of Keshavanand Singh R/o village and post Rujhei, present address 61 Ramnagar Society Rampuram Shyam Nagar Kanpur Nagar.

सूचना

सूचित हो कि मेरा मूल बैनामा दिनांकित–15/10/2014 जो कि कार्यालय उपनिबन्धक जोन–3 में क्रमांक– 18678 पर दिनांक– 15/10/2014 को दर्ज है, कचहरी परिसर में कहीं खो गया। जो भी बहुत ढूढ़ने पर भी नहीं मिला है। **अशोक कुमार पुत्र स्व0 राम कुमार निवासी– 128/760, वाई–ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर नगर। मो0: 7458091184**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र गौरव वाल्मीक व उसकी पत्नी प्रिया पुत्री अशोक कुमार वाल्मीक निवासी– मोहल्ला भैनपुरा छिबरामऊ को उसके खराब आचरण से दुखी होकर अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति उनसे कोई भी व्यवहार या संविदा करे तो स्वयं जिम्मेदार समझा जाये। **भैयालाल पुत्र नेकसे वाल्मीक निवासी– अकबरपुर, परगना व तहसील– छिबरामऊ, जनपद– कन्नौज।**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र हार्दिक द्विवेदी पुत्र अनूप कुमार एवं पुत्री वैष्णवी द्विवेदी पुत्री अनूप कुमार के सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज राजाजीपुरम स्कूल अभिलेखों में मेरा गलत नाम अंजू द्विवेदी (ANJU DWIVEDI) अंकित है। जबकि मेरा सही नाम बीना द्विवेदी (BEENA DWIVEDI) पत्नी अनूप कुमार है। अतः मेरे बच्चों के स्कूल के अभिलेखों पर मेरा सही नाम बीना द्विवेदी (BEENA DWIVEDI) दर्ज किया जाये। **बीना द्विवेदी पत्नी अनूप कुमार निवासिनी चेतना अस्पताल के पास माल जनपद लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा मूल बैनामा दिनांकित–15/10/2014 जो कि कार्यालय उपनिबन्धक जोन–3 में क्रमांक– 18678 पर दिनांक– 15/10/2014 को दर्ज है, कचहरी परिसर में कहीं खो गया। जो भी बहुत ढूढ़ने पर भी नहीं मिला है। **अशोक कुमार पुत्र स्व0 राम कुमार निवासी– 128/760, वाई–ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर नगर। मो0: 7458091184**

NOTICE

I say that in my 10th class marksheet cum certificate my name is mentioned as Yogesh Mourya and in Aadhar card and PAN card my name is mentioned as Yogesh Rajbahadur Mourya and in 12th class marksheet cum certificate my name is mentioned as Mourya Yogesh Rajbahadur. My name Yogesh Mourya and Yogesh rajbahadur Mourya and Mourya Yogesh Rajbahadur are the name of one and the same. Residing at Trivedipur Lalganj Raebareli - 229206

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

न्यायाधीश पर हमले के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने कलेक्ट्रेट पहुंच राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को सौंपा। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुरेश चंद्र ने कहा कि हाल ही में एक अधिवक्ता ने न्यायालय परिसर में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर हमला किया जो अत्यंत निंदनीय है। ऐसी घटना से आम आदमी पार्टी के साथ पूरा देश विचलित है। न्यायाधीश पर हमला न्यायपालिका पर हमला है। वही महासचिव राम विलास तिवारी ने बताया कि भाजपा द्वारा पोषित कुछ लोग समाज में भय का वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। आम आदमी पार्टी की मांग है कि ऐसे लोग को चिन्हित कर कार्यवाही की जाए जिससे भविष्य ऐसी कोई घटना न होने पाए।

स्वामीनाथ महामंत्री व विक्रांत उपाध्यक्ष

बल्दीराय, सुलतानपुर

अमृत विचारः उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बल्दीराय इकाई की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को बीआरसी बल्दीराय परिसर में आयोजित की गई। बैठक में कार्यकारिणी के रिक्त पदों पर सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया।

संघ के अध्यक्ष राजबख्श मौर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि हाल के महीनों में विभागीय समायोजन व तबादलों के चलते कई पदाधिकारी ब्लॉक से बाहर चले गए थे, जिससे मंत्री, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री, संगठन मंत्री और प्रचार मंत्री के पद रिक्त हो गए थे। बैठक में सर्वसम्मति से स्वामीनाथ को मंत्री, विक्रांत सिंह को उपाध्यक्ष, रामसेवक तिवारी को कोषाध्यक्ष, सीमा यादव को संयुक्त मंत्री, सुदीप सिंह, संदीप वर्मा, शिवराम व महेश कुमार को संगठन मंत्री तथा नागेंद्र प्रताप सिंह को प्रचार मंत्री पद पर मनोनीत किया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष के रूप में चंद्रपाल पाठक व बजरंग कुमार मौर्य का भी चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगठन के प्रवक्ता संजय यादव ने किया।

नव मनोनीत पदाधिकारियों का माला पहनाकर किया गया स्वागत। ● अमृत विचार

- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बल्दीराय की बैठक में रिक्त पदों पर हुआ मनोनयन

मुलायम सिंह की पुण्यतिथि पर अधिवक्ता सभा ने दी श्रद्धांजलि

सुलतानपुर, अमृत विचारः समाजवादी अधिवक्ता सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन ने पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर अपने आवास गोलाघाट पर नेता जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। अशोक सिंह ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मुलायम सिंह यादव गरीब, मजदूर, किसान और सैनिकों के स्वाभिमान की लड़ाई के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि नेता जी आज भी हर कार्यकर्ता और समाजवादी पार्टी के दिलों में संघर्ष की आवाज़ और विश्वास बनकर जीवित हैं। श्रद्धांजलि देने में युवा नेता सतीश पांडेय, सुरेश गौतम, सुल्तान खान, सरफराज, प्रदीप कुमार यादव, महफूज़ खान, अमरीशकांत गौतम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य शिवम पांडेय, बालकृष्ण, राजेश कुमार सिंह, विनय पांडेय, गौरीशंकर, अरविंद पांडेय आदि मौजूद रहे।

चित्र पर पुष्प अर्पित करते अशोक सिंह।

17 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः धर्मार्थ योजना के तहत बनने वाली बरौसा बेलहरी मार्ग का भूमि पूजन शुक्रवार को सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने बरौसा में किया। बताते चलें कि पहले यह सड़क पौने चार मीटर चौड़ी थी अब यह सात मीटर चौड़ी होगी।

सदर विधायक ने बताया कि धर्मार्थ योजना के तहत इस सड़क का एस्टीमेट बनाकर शासन को भेजा गया था। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद इस सड़क का भूमि पूजन किया गया है। सड़क आठ किमी से अधिक लंबी व सात मीटर चौड़ी होगी इसके लिए 17 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि स्वीकृत हुई है। इस सड़क के चौड़ीकरण से पापर घाट, चौरासी बाबा आश्रम सहित अन्य ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं लोग आसानी से लखनऊ बलिया राजमार्ग से लखनऊ बनारस राजमार्ग पर जा व आ सकते हैं। कार्यदाई संस्था व लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता अरुण कुमार ने बताया कि मार्च तक सड़क पूरी बनकर तैयार हो जाएगी। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य अजय चतुर्वेदी नंदन, मोतिगरपुर ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रताप सिंह, महामंत्री रत्नेश तिवारी, सीटू पांडेय, अवधेश पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय।

- सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने भूमि पूजन कर किया शुभारंभ

तप का तात्पर्य धर्म से होता है: जगतगुरु

सूरापुर सुलतानपुर, अमृत विचार : सूरापुर में आयोजित बिजेथुआ महोत्सव में वाल्मीक रामायण की कथा में पहले दिन जगदगुरु राम भद्राचार्य ने कहा कि तप का तात्पर्य धर्म से होता है। अगर हम धर्म के रास्ते पर चलते हैं तो तप होता रहेगा अगर हमने अधर्म का रास्ता चुना तो विनाश निश्चित है। उन्होंने कि भारत भूमि ईश्वर प्राप्ति के लिए तपस्यारत मुनियों की स्थली है। इस धरा पर जो है वह अन्य किसी देश में नहीं है। जगदगुरु ने नारद बाल्मीकि जिज्ञासा की भी कथा सुनाई साथ ही हनुमान जी को सबका पालनहार बताते हुए कहा कि त्रेतायुग में कालिनेमि को मारने वाले सबसे प्राचीन धाम विजेथुआ है। कथा की शुरुआत में आयोजक विवेक तिवारी व कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने व्यास पीठ की आरती उतार पूजा-अर्चना की।

निरीक्षण | प्रगति की जानी हकीकत, मातहतों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

डीआरएम ने लिया सुलतानपुर जंक्शन का जायजा

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार वर्मा शुक्रवार को विशेष ट्रेन से सुलतानपुर जंक्शन पहुंचे। स्टेशन पहुंचने के बाद डीआरएम ने निरीक्षण के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान, डीआरएम आगामी त्यौहार दीपावली को लेकर पार्सल भवन पहुंच पार्सल बाबू से प्रतिबंधित सामनों कि जानकारी ली। निर्देश दिया कि जो सामन पार्सल में प्रतिबंधित हैं उसकी सूची पार्सल काउंटर पर होनी चाहिए। आगामी दिवाली पर्व के मद्देनजर विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री की कड़ी जांच सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए। निरीक्षण के दौरान, डीआरएम ने यात्रियों की सुविधाओं, राजस्व वसूली और स्टेशन की अन्य व्यवस्थाओं पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने ठेकेदारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों को पूरा करने की हिदायत दी। इसके अतिरिक्त, रेलवे यूनियन भवन के विस्तार और स्थानांतरण पर यूनियन पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। डीआरएम ने बताया कि सुलतानपुर से प्रतिदिन दिल्ली के लिए ट्रेन चलाने के प्रस्ताव व लखनऊ से वाराणसी के बीच मेमू ट्रेन चलाने पर विचार किया जाएगा। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि सुलतानपुर रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्य चल रहा है जल्द ही सुलतानपुर विकसित रेलवे स्टेशन की श्रेणी में आ जाएगा।

रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते डीआरएम सुनील कुमार वर्मा। ● अमृत विचार

शिक्षामित्र देवी प्रसाद को दी गई भावभीनी विदाई

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचारः कंपोजिट विद्यालय रामपुर कुर्मियान में शिक्षामित्र देवी प्रसाद तिवारी के अंतिम कार्य दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह, ग्राम प्रधान पप्पू मौर्या और विशिष्ट अतिथि प्राशिसं के अध्यक्ष रणवीर सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन किया। बालिकाओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

खंड शिक्षा अधिकारी अजय सिंह ने कहा कि देवी प्रसाद तिवारी ने आर्थिक रूप से कम मानदेय के बावजूद शत-प्रतिशत निष्ठा के साथ शिक्षण कार्य किया और विद्यालय में समय से उपस्थित रहते हुए पठन-पाठन में योगदान दिया। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रणवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, उसकी सेवाएं समाज को जीवनपर्यंत मिलती रहती हैं। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष, प्रधानाध्यापक द्वारिका प्रसाद, एआरपी जे.के. तिवारी, कंचन मौर्या, मासूम रज़ा, प्रियंका श्रीवास्तव, विजय सिंह, सुमन यादव सहित अन्य शिक्षक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

गोंडा : थाना नवाबगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम किशुनदासपुर निवासी नरेंद्र बहादुर सिंह ने सूचना दी कि पारिवारिक विवाद के चलते गांव के रामकुमार व उसके पुत्र शिवमंगल ने मिलकर उसकी पुत्री की हत्या कर शव को पटपरगंज नदी किनारे दबा दिया। मामले मे नवाबगंज थाने मे मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना उपरांत आरोपी शिवमंगल पुत्र रामकुमार निवासी चाईपुरवा, किशुनदासपुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत अभियोजन अधिकारी अमित पाठक एवं पुलिस टीम की प्रभावी पैरवी से अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार तृतीय की अदालत ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए सश्रम आजीवन कारावास व 1 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

ग्राम चौपाल में नारी सशक्तीकरण पर जोर

रुपईडीह : मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत ब्लॉक की ग्राम पंचायत विशुनापुर बेलभरिया के कंपोजिट विद्यालय में ग्राम प्रधान मोहम्मद कलीम की अध्यक्षता में चौपाल आयोजित की गई। इस चौपाल में खंड विकास अधिकारी अभय कुमार सिंह ने नारी सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए महिलाओं के आत्मनिर्भर व महिला अपराधों पर रोकथाम लगाए जाने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार के हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी। यहां पर कटैया गांव में पर्याप्त संख्या में बिजली खंभे न लगे होने की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी द्वारा आवश्यक कार्रवाई कराए जाने का आश्वासन दिया गया।

चोरी का सामान खरीद रहे दुकानदार, शिकायत

रुपईडीह । भाजपा मंडल रुपईडीह के महामंत्री रवि चतुर्वेदी ने कस्बा आर्य नगर के कुछ व्यापारियों पर चोरी का सामान खरीदे जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से मामले की आवश्यक कार्रवाई कराए जाने की मांग की है। कस्बे में कुछ ऐसे व्यापारी हैं जो आए दिन चोरी का सामान खरीद रहे हैं। जिससे चोरों के हौसले बुलंद है। इस चोरी के सामानों की खरीद पर अंकुश लगाए जाने की आवश्यकता है।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे, 11 घायल

खरगूपुर : बृहस्पतिवार को ग्राम बराहेमा गांव में बिजली के तार को ऊपर करने के लिए हरिशंकर तिवारी सड़क किनारे बांस गड़वा रहे थे, जिसका दुर्गेश शुक्ला विरोध करने लगे। आपसी कहासुनी के बाद दोनों पक्ष लाठी डंडे से एक दूसरे पर हमला कर दिए। जिसमें एक पक्ष से हरि शंकर, पवन कुमार, सौरभ, सिद्धार्थ, जनक नंदनी पत्नी रामयक्ष, शिवकुमारी पुत्री ओमप्रकाश घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के दुर्गेश, उनकी माता मालती देवी, पिता प्रेम नारायन, भाई सर्वेश, नरसिंह नरायन हो गए। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवा कल्याण अधिकारी के खिलाफ मारपीट का केस

गोंडा : धानेपुर के पंडितपुरवा गांव के रहने वाले निरंकार पांडेय युवा कल्याण विभाग में मुजेहना के कार्यवाहक ब्लाक कमांडर हैं। निरंकार के मुताबिक 31 अगस्त को जिला युवा कल्याण अधिकारी के निर्देश पर शहर के नेहरू स्टेडियम नें खिलाडियों को खेल किट का वितरण करने के लिये बुलाया गया था। वहां किट वितरण की जिम्मेदारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पकंज तिवारी को सौंपी गयी थी। निरंकार का आरोप है कि पंकज तिवारी किट वितरण में मनमानी कर रहे थे। जब उन्होंने विरोध किया तो उन्हें शाम को विकास भवन आने के लिये कहा। जब वह विकास भवन पहुंचे तो युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी ने कुछ बाहरी युवकों को बुला लिया और निरंकार के साथ मारपीट की। एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर युवा कल्याण अधिकारी पंकज तिवारी व पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ नगर कोतवाली में मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोचिंग न पढ़ने पर छात्र का नाम काटने का आरोप

करनैलगंज : ग्राम नगवा कला निवासी लक्ष्मी शंकर तिवारी ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कन्हैयालाल इंटर कॉलेज के एक शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता का बेटा दिव्यांश तिवारी जो कक्षा 11वीं में विज्ञान वर्ग का छात्र है। आरोप है कि कॉलेज के क्लास टीचर त्रियुगीनारायण दूबे उस पर अपने निजी कोचिंग सेंटर में पढ़ने और उनकी बताई दुकान से किताबें खरीदने का दबाव बना रहे थे। जब उनके बेटे ने मना किया तो शिक्षक ने उसका नाम स्कूल से काट दिया। पीड़ित पिता ने एसडीएम से निष्पक्ष जांच की मांग की है। कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर राजाराम ने कहा कि मामला अभी मेरे संज्ञान में नहीं आया है, जानकारी कराई जा रही है।

सुहागिनों ने निर्जला व्रत रखकर मांगा अखंड सुहाग

विधि-विधान से गौरी-गणेश की पूजा-अर्चना कर महिलाओं ने पति के दीर्घायु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन के मंगल भविष्य की प्रार्थना की

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में सुहागिनों ने पारंपरिक रीति से निर्जला व्रत रखकर अखंड सुहाग की मंगल कामना की। सुबह से ही महिलाओं ने पानी की एक बूंद तक ग्रहण नहीं की और दिनभर माता गौरी व भगवान श्री गणेश की आराधना में लीन रहीं।

शाम होते ही सुहागिनों ने श्रृंगार कर पूजा स्थल को दीप, फूल और रोली-अक्षत से सजाया। विधि-विधान से गौरी-गणेश की पूजा-अर्चना कर महिलाओं ने अपने पति के दीर्घायु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन के मंगल भविष्य की प्रार्थना की। पूजा के दौरान मंगलगीत, आरतियां और पारंपरिक कथाओं का पाठ वातावरण को भक्तिमय बनाता रहा। कई स्थानों पर

करवा चौथ पर चांद का दीदार करतीं सुहागिनें।

अमृत विचार

सामूहिक पूजन के साथ महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी, कुमकुम और मेहंदी आदि का आदान-प्रदान कर अखंड सौभाग्य का आशीष दिया। बुजुर्ग सुहागिनों ने नवविवाहितों को व्रत की महत्ता और इससे जुड़े रीति-रिवाजों की सीख भी दी।

करवाचौथ व्रत कथा का महात्मय सबसे पहले भगवान शिव ने माता पार्वती से कहा था और द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने द्रोपदी को सुनाया था। महाभारत का युद्ध आरंभ होने से पहले जब अर्जुन नीलगिरी पर्वत पर तपस्या करने के लिए गए थे तो अर्जुन काफी समय तक वापस ही नहीं लौटे तब द्रौपदी को बड़ी चिंता हुई। तब वह भगवान कृष्ण के पास पहुंची और भगवान कृष्ण ने उन्हें करवाचौथ का व्रत करने की सलाह दी। इस बाद भगवान कृष्ण ने ही द्रौपदी को इसका महात्मय सुनाया था। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ कहते हैं। इसमें गणेश जी, भगवान शिव, माता पार्वती और कार्तिकेय का पूजन करके उन्हें पूजन दान से प्रसन्न किया जाता है। इसका विधान चैत्र की चतुर्थी में लिख दिया है। परन्तु विशेषता यह है कि इसमें गेहूं का करवा भर के पूजन किया जाता है और विवाहित लड़कियों के यहां चीनी के करवे पीहर से भेजे जाते हैं तथा इसमें निम्नलिखित कहानी सुनकर चन्द्रोद्रय में अर्घ्य देकर व्रत खोला जाता है।

दूसरी कथा इस तरह से भी है- एक नगर में साहूकार के सात लड़के और एक लड़की थी। सेठानी सहित उसकी बहुओं और बेटी ने करवा चौथ का व्रत रखा था। रात्रि को साहूकार के लड़के भोजन करने लगे तो उन्होंने अपनी बहन से भोजन के लिए कहा। इस पर बहन ने उत्तर दिया भाई! अभी चांद नहीं निकला है, उसके निकलने पर अर्घ्य देकर भोजन करूंगी। बहन की बात सुनकर भाइयों ने नगर से बाहर जाकर अग्नि जला दी और छलनी ले जाकर उसमें से प्रकाश दिखाते हुए उन्होंने बहन से कहा- बहन ! चांद निकल आया है अर्घ्य देकर भोजन जीम लो। यह सुन उसने अपनी भाभियों से कहा कि आओ तुम भी चन्द्रमा को अर्घ्य दे लो, परन्तु वे इस काण्ड को जानती थीं। उन्होंने कहा बहन जी! अभी चांद नहीं निकला, तेरे भाई तेरे से धोखा करते हुए अग्नि का प्रकाश छलनी से दिखा रहे हैं। भाभियों की बात सुनकर भी उसने कुछ ध्यान न दिया और भाइयों द्वारा दिखाए प्रकाश को ही अर्घ्य देकर भोजन कर लिया। इस प्रकार व्रत भंग करने से गणेश जी उस पर अप्रसन्न हो गए। इसके बाद उसका पति सख्त बीमार हो गया और जो कुछ घर में था उसकी बीमारी में लग गया। जब उसको अपने किए हुए दोषों को पता लगा तो उसने पश्चाताप किया। गणेश जी की प्रार्थना करते हुए विधि विधान से पुनः चतुर्थी का व्रत करना आरम्भ कर दिया श्रद्धानुसार सबका आदर करते हुए सबसे आशीर्वाद ग्रहण करने में ही मन को लगा दिया।

निषाद पार्टी के संगोष्ठी में एकजुटता का सिखाया पाठ

गोष्ठी में पहुंचे डॉ. संजय निषाद का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

गौरा चौकी, अमृत विचार: गोंडा-डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निषाद पार्टी द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार संगोष्ठी में पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए एकजुट होकर अपनी ताकत का एहसास दिलाने का आह्वान किया। शुक्रवार को गोंडा और डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत गौरा चौकी एक निजी मैरिज हॉल में वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का पहले पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि निषाद समाज में जन जागरण अभियान चलाकर समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने निषाद समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश के आजादी में निषाद समाज का बड़ा योगदान रहा है।

वित्त लेखा कार्यालय पर एसटीएफ की छापेमारी

अनामिका शुक्ला प्रकरण

गोंडा, अमृत विचार : जिले के एडेड स्कूलों में होने शिक्षक भर्ती फर्जीवाड़े की जांच तेज हो गयी है। मामले की जांच कर रही एसटीएफ की टीम ने शुक्रवार को जिले के बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त लेखा कार्यालय पर छापेमारी की और बंद कमरे में कनिष्ठ लिपिक से पूछताछ की। हालांकि जांच टीम के सदस्यों ने पूछताछ का ब्योरा देने से इंकार कर दिया लेकिन माना जा रहा है कि अनामिका शुक्ला को शिक्षक के पद पर नियुक्ति देने और बिना अनुमोदन के वेतन भुगतान करने के सिलसिले में लिपिक से पूछताछ हुई है।

जिले में 28 एडेड स्कूल संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में करीब 600 से अधिक शिक्षकों की तैनाती बताई जा रही है। इन्हें हर महीने वेतन के रूप में करोड़ों रुपये का भुगतान हो रहा है लेकिन इनमें से अधिकांश शिक्षकों की नियुक्त की पत्रावली बीएसए कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। इन्ही शिक्षकों में एक नाम अनामिका शुक्ला का है जो तरबगंज के भैया

छापेमारी के दौरान वित्त लेखाधिकारी कार्यालय में मौजूद कमांडो।

एसटीएफ के पूछताछ के दौरान आरोपी लिपिक अनुपम पांडेय।

- **एडेड स्कूलों में हुए शिक्षक भर्ती फर्जीवाड़े की जांच तेज**

चंद्रभानदत्त स्मारक लघु माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक पद पर नियुक्त बताई जा रही हैं। हालांकि उनकी नियुक्ति से संबंधित पत्रावली भी लापता है। अनामिका की नियुक्ति को लेकर आवास विकास कॉलोनी के रहने वाले प्रदीप पांडेय ने कोर्ट के आदेश पर अनामिका समेत बीएसए, वित्त लेखाधिकारी, लेखा कार्यालय के दो लिपिकों व स्कूल के प्रबंधक तथा प्रधानाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हाईकोर्ट के आदेश पर इस मामले की जांच एसटीएफ को मिली है। प्रकरण की जांच के लिए एसटीएफ अयोध्या की एक यूनिट ने सब इंस्पेक्टर सौरभ मिश्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को वित्त लेखाधिकारी कार्यालय पर छापेमारी की और भर्ती से जुड़ी पत्रावलियों को खंगाला। एसटीएफ की छापेमारी से लेखा कार्यालय से लेकर बीएसए कार्यालय तक हड़कंप मचा रहा। एसटीएफ की टीम ने आरोपी लिपिक अनुपम पांडेय से बंद कमरे में घंटों तक पूछताछ की। टीम के सदस्यों ने अनामिका शुक्ला की नियुक्ति अनुमोदन व वेतन भुगतान को लेकर लिपिक से सवाल जवाब किया। कनिष्ठ लिपिक अनुपम पांडेय को ही इस पूरे मामले का मास्टर माइंड बताया जा रहा है। हालांकि जांच टीम के सदस्यों ने पूछताछ का ब्योरा देने से इंकार कर दिया। जांच टीम के सब इंस्पेक्टर सौरभ मिश्रा ने कहा कि तीन सदस्यीय टीम मामले की जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य निकलकर सामने आयेंगे उसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को दी जायेगी।

गायब रहे वित्त लेखाधिकारी

एसटीएफ की जांच के दौरान वित्त लेखाधिकारी गिरीश चंद्र अपने कार्यालय से अनुपस्थित रहे। लेखाधिकारी की अनुपस्थिति से जांच के दौरान बाधा पहुंची। कई अभिलेख जो टीम के सदस्यों ने मांगा वह नहीं मिल सका। आपको बता दें कि तरबगंज के भैया चंद्रभानदत्त स्मारक लघु माध्यमिक विद्यालय में वर्ष 2017 से अनामिका शुक्ला की शिक्षक पद पर नियुक्त बताई जा रही हैं। इसी तारीख से उन्हें वेतन का भुगतान भी हो रहा है लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग के पास अनामिका की नियुक्ति से संबंधित कोई पत्रावली उपलब्ध नहीं है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल तिवारी यह जानकारी लिखित में दे चुके हैं। ऐसे में अनामिका की नियुक्ति किसके आदेश पर हुई। वेतन का भुगतान किसके अनुमोदन पर होता रहा इन सब सवालों की सच्चाई जानने के लिए हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी है।

बैठक का बहिष्कार कर सभासदों ने सौंपा ज्ञापन

करनैलगंज : नगर पालिका परिषद करनैलगंज में उपजे असंतोष ने शुक्रवार को बड़ा रूप ले लिया। नगरपालिका की बोर्ड बैठक का बहिष्कार करते हुए सभासदों ने देवीपाटन मंडलायुक्त व जिलाधिकारी को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में हुए विकास कार्यों में कितना धन कहां खर्च हुआ, इसकी जानकारी अब तक सभासदों को नहीं दी गई। आय-व्यय का ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की गई। सभासदों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका द्वारा निर्मित दुकानों की प्रतिभूति धनराशि वापस न करने और न समायोजित करने का निर्णय विधि-विरुद्ध है। सभासदों ने मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से उच्चस्तरीय जांच टीम गठित कर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन पर सभासद सचिन कुमार, सरोज देवी, सुमन, लक्ष्मी, अंसारिया खातून, गीता देवी, महताब बानो, अजय कुमार, मोहम्मद जमील रायनी, मुख्तार अंसारी, रुकैया, हिना बेगम, रुकसाना आदि के हस्ताक्षर हैं।

मार्ग दुर्घटना में दो लोगों की मौत, एक घायल

तरबगंज/उमरी, अमृत विचार: तरबगंज के दो थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

तरबगंज डुमरियाडीह मार्ग पर गुरुवार की रात करीब 11 बजे एक कार अनियंत्रित हो गई जो सीधे पेड़ से जा टकराई। कार में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गोंडा मेडिकल कालेज इलाज के लिए भेजा गया जिसमें एक की मौत हो गई। बताया जाता है कि 11बजे के करीब एक कार में सवार कोतवाली नगर गोण्डा के सोनी हरलाल गांव निवासी अनुराग तिवारी पुत्र ओम प्रकाश व तरबगंज थाना क्षेत्र के बरसड़ा गांव निवासी रमेश ओझा पुत्र रामविलास जो तरबगंज से गोण्डा जा रहे थे। रास्ते में तरबगंज डुमरियाडीह मार्ग के बौरिहा टपरा के पास कार अनियंत्रित होकर सीधे पेड़ से टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल भेजवाया। जहां अनुराग तिवारी पुत्र ओमप्रकाश की मौत हो गई। कोतवाल कमलाकांत

सड़क दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार।

त्रिपाठी ने बताया कि घायलों को गोण्डा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। दूसरी घटना उमरी बेगमगंज के अमौठी पूरे पांडे पुरवा निवासी सागर पाल (60) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर में सागर पाल धनाईगंज बाजार से अपने घर जा रहे थे। तभी रास्ते में मोटरसाइकिल चालक पिंटू पासी निवासी परास पट्टी मझवार ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए पीछे से ठोकर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के बेटे राघवेंद्र पाल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

ट्रक ने तोड़ा ट्रांसफार्मर और पोल, बाल-बाल बचे पुलिसकर्मी

करनैलगंज : बृहस्पतिवार की देर रात लखनऊ रोड पर बड़ा हादसा टल गया। घटना रात करीब पौने एक बजे बाबा हरिदास मंदिर के पास की है। बताया गया कि कानपुर से गोंडा जा रही मिनी ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर ट्रांसफार्मर में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रांसफार्मर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार लाइन का खंभा टूटकर जमीन पर गिर पड़ा। बिजली सप्लाई चालू होने से तारों में तेज धमाका हुआ और चिंगारियां उड़ने लगीं। उसी दौरान कोतवाल तेज प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी राजीव कनौजिया, अख्तर अली, प्रवीण कुमार, मोहम्मद करीम आदि पुलिस कर्मी रात्रि भ्रमण पर थे और उसी स्थान के पास फोटो ले रहे थे। अचानक ट्रक की तेज रफ्तार और धमाका देखकर सभी ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। सूचना पर कोतवाल ने तत्काल बिजली विभाग के जेई रामा जी को घटना की जानकारी दी। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में लेकर कोतवाली पहुंचाया। नया खंभा लगवाने और ट्रांसफार्मर का फाउंडेशन बनवाने का कार्य चल रहा है।

सिटी डायरी

15 वर्षीय बालक की हत्या के बाद परिजनों से मिले गौरा विधायक

बालक की हत्या मामले में सीएम के आदेश पर पीड़ित परिवार से मिलते गौरा विधायक प्रभात वर्मा।

इटियाथोक : चौकी भवनियापुर खुर्द क्षेत्र की मजरे बंधुक पूरवा निवासी 15 वर्षीय मंगल देव हत्याकांड के बाद कई जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद देने के साथ-साथ पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाया। शुक्रवार को गौरा विधानसभा से भाजपा विधायक प्रभात वर्मा पीड़ित परिवार से मिलने उनके निवास पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और परिजनों को ढांढस बंधाया। भरोसा दिलाया कि इस मुश्किल घड़ी में सभी परिवार के साथ हैं। विधायक ने मृतक की आर्थिक स्थिति को देखते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली इस हत्याकांड के आरोपी अभियुक्त को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार गरीबों कमजोरों की मदद के लिए हमेशा कटिबद्ध है।

देवीपाटन मंडल प्रदेश में नंबर वन शिकायत निस्तारण में बनाया रिकॉर्ड

गोंडा : जनता की शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण करने में देवीपाटन मंडल ने एक बार फिर पूरे प्रदेश में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। सितम्बर 2025 की मासिक रैंकिंग में देवीपाटन मंडल ने 18 मंडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए 120 में से 104 अंक अर्जित किए। यह रैंकिंग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शीर्ष प्राथमिकता वाले आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम) पोर्टल पर शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आधार पर तैयार की जाती है। मंडल ने 86 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का उत्कृष्ट निस्तारण कर प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अपर आयुक्त देवीपाटन कमलेश चंद्र ने बताया कि इस सफलता के पीछे पूरी टीम की ईमानदारी, पारदर्शिता और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप हम जनता की हर शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनते हैं। मंडलायुक्त ने बताया कि शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए मंडल स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। सितम्बर माह की रिपोर्ट के अनुसार, आईजीआरएस पोर्टल पर कुल 75 संदर्भों को मार्क किया गया। मार्किंग में कुल 5 दिन लगे, यानी औसतन 2 घंटे से भी कम समय में हर शिकायत को उचित अधिकारी को भेजा गया। मार्किंग प्रक्रिया में मंडल को पूर्ण 10 अंक प्राप्त हुए। यह दर्शाता है कि शिकायतों के निस्तारण में न केवल गुणवत्ता बल्कि तीव्रता पर भी प्रशासन ने खास ध्यान दिया है।

महिलाओं व बेटियों को जागरूक करते पुलिस कर्मी।

महिलाओं व बालिकाओं को दिए सशक्त बनने के टिप्स

कटरा बाजार : शुक्रवार को कटरा बाजार के शाहजोत के मजरा अहिरन पुरवा गांव में मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम कटरा बाजार द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं को मिशन शक्ति की टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति बढ़ रहे अपराध छेड़छाड़, शोषण, दहेज उत्पीड़न, बाल अपराध, एसिड अटैक की रोकथाम के बारे में जानकारी दी। महिला आरक्षी अनीता बाजपेयी ने महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बर आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 के बारे में विस्तार से बताया।

वीर हनुमान की गर्जना से थर्राया रावण दरबार

रावण के दरबार में पहुंचे हनुमान। अमृत विचार

नवाबगंज । कटरा शिवदयाल गंज में चल रही रामलीला के छठवें दिन गुरुवार को लंका दहन का दृश्य मंचित हुआ। हनुमान जी की गर्जना और पराक्रम से गूंजते मंचन स्थल में दर्शक जय बजरंगबली के उद्घोष से रोमांचित हो उठे। लीला का शुभारंभ हनुमान जी की भव्य झांकी सजाकर आरती व पूजन से हुआ। श्रीराम द्वारा बाली वध के बाद सुग्रीव ने वानर सेना को माता सीता की खोज का आदेश दिया। दक्षिण दिशा के दल का नेतृत्व अंगद ने किया। हनुमान की भूमिका अमित कुमार राय, रावण बने गौरी शंकर गुप्ता, निर्देशन विनोद कुमार गुप्ता और संचालन मन्नीलाल गुप्ता ने किया।

आयोजन | स्वदेशी मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

कैसरगंज सांसद ने मेले का किया उद्घाटन

गोंडा, अमृत विचार : स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान को सशक्त करने की दिशा में शुक्रवार को गांधी पार्क में स्वदेशी मेले का शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन कैसरगंज सांसद करन भूषण सिंह ने किया।

मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी लगाई गई। अरगा ब्रांड की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों जैसे अचार, पूजा सामग्री, श्री अन्न, हस्तशिल्प वस्तुएं तथा अन्य घरेलू उपयोग की सामग्रियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। सांसद ने कहा कि

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कैसरगंज सांसद करन भूषण सिंह व डीएम प्रियंका निरंजन।

ऐसे मेलों के माध्यम से न केवल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय कारीगरों और महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर मिलता है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि जनपद की महिलाएं अपने कौशल से आत्मनिर्भर बन रही हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष, सीडीओ समेत जिले के अधिकारी व व्यापारी उपस्थित रहे। इस दौरान व्यवसाइयों को चेक वितरित किया गया। मुख्यमंत्री युवा स्व रोजगार योजना अंतर्गत लकी श्रीवास्तव निवासी विष्णुपुरी कॉलोनी को 25 लाख रुपये का चेक पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से दिया गया। एक जनपद एक उत्पाद योजना अंतर्गत कविता कलानी निवासी पटेल नगर गोंडा 25 लाख का चेक, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना अंतर्गत ऊषा तिवारी गुलरिया बहलोलपुर को 3 लाख का चेक, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत वीनू पांडेय निवासी चांदपुरदुर्ग धुसवा मनकापुर 1 लाख रुपये का चेक, अरविंद कुमार जोगापुर झिलाही 5 लाख रुपये का चेकदिया गया।

अमृत विचार
अयोध्या, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बागवानी मिशन का लाभ उठाएं कृषक

बहराइच, अमृत विचार : जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि कृषकों को औद्यानिक विकास की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी मिशन का संचालन किया जा रहा है। योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए इच्छुक कृषक आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट साइज फोटो एवं मोबाइल नम्बर की सहायता से उद्यान विभाग के पोर्टल डीबीटी डाट यूपीहर्टीकल्चर डाट काम पर स्वयं, जनसेवा केन्द्र अथवा कार्यालय के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों के आवेदन आमंत्रित

बहराइच, अमृत विचार : जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रद्धा पांडेय ने बताया कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) योजनान्तर्गत शैक्षिक सत्र 2024-25 में समस्त वर्गों के वंचित छात्र-छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन करने हेतु नवीन समयसारिणी जारी की गई है। शिक्षण संस्थान द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने का कार्य 10 से 14 अक्टूबर तक, विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी द्वारा फीस आदि का सत्यापन 18 अक्टूबर 2025 तक, छात्र-छात्राओं द्वारा रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण की जानी है।

पौधशाला पर उपलब्ध हैं बेहन के पौधे

बहराइच, अमृत विचार : जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि राजकीय स्वर्ण जयन्ती पौधशाला, बभनी, बहराइच पर मिनी सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स का निर्माण कराया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य कृषकों को रोगमुक्त व स्वस्थ्य शाकभाजी बेहन पौध उपलब्ध कराना है। इच्छुक कृषक यहां पर उत्पादित बेहन पौध दो रुपये प्रति पौधा की दर से प्राप्त कर सकते है तथा बेमौसम शाकभाजी उत्पादित कर कृषि को अपनी मुख्य आय बना सकता है।

घर से बच्ची को ले गया भेड़िया लोगों के दौड़ाने पर खेत में छोड़ा

प्रधानपुरवा गांव में दोपहर को हुई घटना, हालत गंभीर

दहशत

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : जिले के कैसरगंज तहसील में आदमखोर भेड़िए के हमले थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला प्रधान पुरवा का है । यहां पर शुक्रवार की दोपहर घर के अंदर खेल रही एक बच्ची को आदमखोर भेड़िया जबड़े में दबाकर ले भागा। बच्ची की मां, परिजन व ग्रामीण उसके पीछे दौड़े जिसके बाद भेड़िया उसे घर से करीब चार सौ मीटर दूर खेत में छोड़कर भाग गया। बच्ची को को गंभीर हालत में इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है ।

प्रधान पुरवा ग्राम के रहने वाले गंगाराम नाम के ग्रामीण की 6 साल की बेटी नेहा शुक्रवार की दोपहर करीब तीन बजे अपने कच्चे मकान के अंदर खेल रही थी। तभी आदमखोर भेड़िया ने उस पर हमला कर खींच ले गया। ये देख परिजन व ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर उसके पीछे दौड़े। भेड़िया घर से चार सौ मीटर दूर गन्ने के खेत में बच्ची को छोड़कर भाग गया।

भेड़िया के हमले में बच्ची के पेट, पीठ व हाथ पर गहरा घाव हो गया है। घटना की जानकारी पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह व वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

भेड़िये के हमले में घायल बच्ची को इलाज के लिए कैसरगंज स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा गया है । प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि जंगली जानवर की ओर से बच्ची पर हमला करने की जानकारी मिली है। टीम को मौके पर भेजा गया है।

जंगली जानवर के हमले में दो लोग घायल

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : कैसरगंज थानान्तर्गत ग्राम पंचायत मंझारा तौकली के मजरे बलिराजपुरवा में राजू निषाद की पत्नी विमला देवी के गर्दन पर भेडिये ने हमला कर दिया वह बाल-बाल बच गईं। दूसरी घटना भृगुपुरवा में हुई जहां राजेश निषाद की मां पर जंगली जानवर ने हमला किया जिससे उनका हाथ जख्मी हो गया। इलाज के लिए उससे जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गयी है।

दुर्घटना में भाई और बहन घायल

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : लखनऊ-गोंडा राजमार्ग जरवल रोड बस स्टॉप पर लखनऊ की ओर से गोंडा की तरफ जा रहे सीमेंट लदे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में भाई-बहन समेत तीन लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद पहुंचाया।

जरवल रोड थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खेसुवा से आदर्श वर्मा (20) अपनी बहनों कोमल वर्मा (13) महक वर्मा (9) को बाइक से भरत पब्लिक स्कूल छोड़ने जा जा रहा था। जरवल रोड बस स्टॉप पर पीछे से लखनऊ से गोंडा की ओर जा रहा सीमेंट लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में आदर्श गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि दोनों छात्राओं को मामूली चोट आई है। स्थानीय लोगों के सहयोग से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद में इलाज के लिए भेजा गया।

नवाबगंज में स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

पथ संचलन करते राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक। ● अमृत विचार

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : जवाहर लाल राष्ट्रीय इंटर कालेज परिसर में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पथ संचलन किया गया।

पथ संचलन जवाहर लाल राष्ट्रीय इंटर कालेज से शुरू होकर बस अड्डा होते हुए हज्जिन मस्जिद चौराहा, जोलाहन पुरवा, मिर्जा फांटा रोड होते हुए चौक घंटाघर से अपने गंतव्य स्थान जवाहर लाल राष्ट्रीय इंटर कालेज पहुंचकर समाप्त हुआ। पथ संचलन की अध्यक्षता अनूप मिश्रा एवं आशीष त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम की देखरेख मनीष पांडे ने किया। पथ संचलन में लगभग 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पिंटू गुप्ता, जितेंद्र कुमार, आनंद जयसवाल आदि मौजूद रहे। पथ संचलन की सुरक्षा व्यवस्था में पीएसी व थाना नवाबगंज की पुलिस साथ में चलती रही। पूरे पथ संचलन में स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा की।

लालच देकर धर्मांतरण के प्रयास का आरोप

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : पयागपुर थान्तर्गत भूपगंज बाज़ार की नई बस्ती बगिया में एक गंभीर मामला सामने आया है। जहां एक मुस्लिम युवक पर एक महिला को 12 लाख रुपये के एवज में धर्मांतरण के लिए बहलाने-फुसलाने का आरोप लगा है।

एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें कई बार 12 लाख रुपये का ऑफर दिया गया ताकि वह अपना हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपना लें। महिला का कहना है कि कई बार सद्दाम के द्वारा उससे कहा गया है कि 12 लाख रुपये ले लो और मुस्लिम धर्म अपना कर गरीबी से मुक्ति ले लो महिला ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत थाना पयागपुर में की है।

शिकायत में सद्दाम अली पुत्र इनायत अली निवासी नई बस्ती बगिया का नाम शामिल है इस मामले में जब थानाध्यक्ष के सीयूजी नम्बर पर सम्पर्क किया गया तो फोन नहीं उठा।

पटाखा बनाने की सामग्री व 5 लाख की नकदी बरामद

बहराइच, अमृत विचार : मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गायघाट में स्व. अमीर हसन के घर में रह रही उनकी दो बेटियां अपने घर में मजदूरी पर पटाखा बनाने का कार्य करती हैं। इसकी शिकायत पर मोतीपुर पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम ने छापेमारी की । छापेमारी के दौरान मौके से एक बोरी में बारूद के साथ पटाखा बनाने की सामग्री बरामद हुई है। इसके साथ ही 554500 नकद एक बोरी में रखा हुआ मिला है। इसके संबंध में पूछे जाने पर दोनों ने बताया कि यह पैसा मेरे पिताजी के द्वारा बेचे गए खेत का एवं हम लोगों की मजदूरी का पैसा है। मोतीपुर पुलिस द्वारा दोनों बालिकाओं को बरामद हुए सामान को थाना मोतीपुर लाया गया है। जहां पूछताछ की जा रही है।

छापेमारी के दौरान एसडीएम मिहीपुरवा रामदयाल क्षेत्रीय लेखपाल एवं मोतीपुर पुलिस टीम के साथ महिला सिपाही भी मौजूद रही। बरामद नकदी में कुछ पुराने नोट जो चलन से बाहर हो चुके हैं मिले हैं।

विद्यालयों में लगवाएं सीसीटीवी

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक बृजेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रधानाचार्यों की बैठक हुई।बैठक में प्रधानाचार्यों को महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090, राष्ट्रीय महिला हेल्पलाइन 181, डायल लॉ 1091, तथा बाल सुरक्षा हेल्पलाइन 1098 की विस्तृत जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित शौचालय, प्रवेश द्वार (गेट) आदि की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ की जाए।

रामनारायण सिंह इंटर कॉलेज ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

शील्ड के साथ विजेता टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : इंदिरा स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय 74वीं जनपदीय रैली प्रतियोगिता में राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज, खजुरी, पयागपुर ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीता।

कॉलेज के विद्यार्थियों ने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ जैसी प्रमुख प्रतियोगिताओं में राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज के छात्रों ने बाजी मारकर कॉलेज को निर्णायक बढ़त दिलाई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि पयागपुर के विधायक सुभाष त्रिपाठी ने विजेता राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज के प्राचार्य गिरजा शंकर पांडेय को शील्ड प्रदान कर टीम को आधिकारिक रूप से चैंपियन घोषित किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सदर विधायक अनुपमा जायसवाल ने किया था। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद भी पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस जीत से कॉलेज के साथ पूरे पयागपुर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

कड़ी सुरक्षा में कल होगी यूपी पीसीएस परीक्षा

बहराइच, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे हमेशा सक्रिय रहने चाहिए।

जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा ने सीओ सिटी पहुप सिंह के साथ परीक्षा ड्यूटी में तैनात समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ब्रीफिंग दी। जिले में 11 केन्द्रों पर परीक्षा होगी।

प्रभु श्रीराम धर्म, संस्कृति व मर्यादा के प्रतीक

कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार : रामलीला मैदान देवलखा में आयोजित श्रीराम लीला महोत्सव ने भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का संगम दिखा।

मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, विशिष्ट अतिथि एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह तथा विधानसभा संयोजक गौरव वर्मा रहे। अतिथियों का स्वागत भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुबेद वर्मा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लंका दहन प्रसंग रहा। संचालन मंदीप सिंह वालिया ने किया। पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम केवल एक देवता नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, धर्म और मर्यादा के प्रतीक हैं। गौरव वर्मा ने कहा लंका दहन अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर विजय कुमार सिंह रैकवार, ब्लॉक प्रमुख संदीप कुमार सिंह बिसेन, ब्लॉक प्रमुख जरवल विपेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. एन.के. सिंह, शिव सहाय सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवानंद सिंह, सत्यम सोनी, परमानन्द गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव, रामपराग, विनोद वर्मा, अनिल सोनी आदि मौजूद रहे।

श्रीराम लीला महोत्सव को सम्बोधित करते पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा।

ग्रामीणों ने निर्माण में लगाया अनियमितता का आरोप

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : जतौरा ग्राम पंचायत के मजरा लोनियन पुरवा में सड़क निर्माण कार्य में ग्रामीणों ने अनियमितता का आरोप लगाया है ग्राम पंचायत जतौरा ब्लॉक जरवल तहसील कैसरगंज के इस संपर्क मार्ग की कुल लंबाई 3100 मीटर है, जिसमें से केवल 2600 मीटर सड़क बनाई जा रही है। शेष 500 मीटर सड़क, जिसमें भोपाल के घर से जतौरा मार्ग तक 200 मीटर तथा टीकटपुरवा से जतौरा मार्ग तक 300 मीटर का हिस्सा शामिल है, अधूरा छोड़ा जा रहा है। जब ग्रामीणों ने जेई और ठेकेदार से शिकायत की तो दोनों ने आश्वासन देकर मामला टाल दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क अधूरी रहने से बरसात में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जांच कराने की मांग की है।

चंद्रदेव के दर्शन के साथ खिले सुहागिनों के चेहरे

करवा चौथ

संवाददाता, बलरामपुर

चांद का दीदार कर करवा चौथ व्रत का पारण करतीं सुहागिन महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शुक्रवार को करवा चौथ के अवसर पर पूरे जिले में सुहागिनों में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखा और शाम को विधि-विधान से पूजा अर्चना की। चांद निकलते ही महिलाओं ने छलनी से चंद्र दर्शन कर अर्घ्य अर्पित किया और पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत का परायण किया।

सुबह से ही घरों में सजावट और पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। शाम होते ही शहर के मंदिरों और मोहल्लों में सामूहिक रूप से पूजा आयोजित की गई। आनंद भवन मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में सुहागिनें एकत्रित हुईं, जहां व्रत कथा का श्रवण हुआ। पहली बार व्रत रखने वाली सुहागिनों ने बताया कि यह सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि पति-पत्नी के अटूट विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। ग्रामीण अंचलों में भी पारंपरिक ढंग से सजी थालियों में दीपक, करवा और छलनी रखकर पूजा की गई।

रात में जैसे ही चांद निकला, सुहागिनों के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। पूरे दिन का उपवास और इंतजार मानो चांद की पहली झलक से सार्थक हो गया।

स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा मां पाटेश्वरी विवि का इतिहास

बलरामपुर अमृत विचार : नव स्थापित मां पाटेश्वरी विवि अपने स्थापना काल और विकास यात्रा को इतिहास के पन्नों पर दर्ज करने जा रहा है। कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने विवि के इतिहास लेखन हेतु सात सदस्यीय समिति का गठन किया है।

समिति के अध्यक्ष के रूप में एलबीएस डिग्री कॉलेज, गोंडा के हिंदी विभाग के कृतकार्य प्रभारी प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र को नामित किया गया है, जबकि विवि के कुलसचिव परमानंद सिंह को संयोजक बनाया गया है। समिति में प्रो. वी.सी. एच.एन.के. श्रीनिवास राव (अंग्रेजी विभाग, एलबीएस गोंडा), प्रो. जयशंकर तिवारी (हिंदी विभाग, एलबीएस गोंडा), प्रो. मंशा लाल वर्मा (संस्कृत विभाग), डॉ. अवनींद्र कुमार दीक्षित (एमएलके पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर) व विवि वित्त समिति के सदस्य सर्वेश सिंह को सदस्य नामित किया गया है। विश्वविद्यालय शीघ्र ही अपनी स्थापना से लेकर अब तक की प्रगति यात्रा को लेखबद्ध कर स्थायी दस्तावेज के रूप में प्रकाशित करेगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण विरासत से परिचित हो सकेंगी।

हादसे में चाचा की मौत, भतीजा घायल

श्रीदत्तगंज, बलरामपुर, अमृत विचार : शुक्रवार सुबह कोतवाली उतरौला क्षेत्र अंतर्गत उतरौला-गोंडा मार्ग पर शेरपुर गांव के पास सड़क पर वनरोज के आ जाने से बाइक सवार चाचा-भतीजा घायल हो गए।

चमरूपुर बाजार निवासी अहमद अली (58) पुत्र कोदई अपने भतीजे हैदर अली (28) पुत्र गूंगे के साथ महदेइया बाजार गए थे। लौटते समय शेरपुर गांव के पास वनरोज सामने आ गया, जिससे बाइक टकरा गई।

दोनों को गंभीर अवस्था में उतरौला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अहमद अली की हालत नाजुक होने पर उन्हें गोंडा रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई।

किसानों को उपयोगी जानकारी देते अधिकारी। ● अमृत विचार

कृषोत्सव का भव्य आयोजन, किसानों को नई तकनीक व डिजिटल लेनदेन की दी जानकारी

बलरामपुर अमृत विचार : भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के तत्वावधान में गुरुवार को महुआ पिपरा बाजार स्थित जय पेट्रोलियम पर कृषोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेल्स ऑफिसर मांगीलाल ने किया। अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख राणा प्रताप सिंह व संचालन अभिषेक सिंह ने किया। कृषोत्सव के दौरान किसानों को आधुनिक खेती तकनीक, ईंधन की गुणवत्ता, डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सशक्तिकरण की जानकारी दी गई। पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक (ग्रामीण बैंक) अजीत कुमार सिंह ने किसानों को बैंकिंग सुविधाओं और वित्तीय समावेशन से जुड़ी जानकारी दी। राजेश गुप्ता ने किसानों को कैशलेस ट्रांजेक्शन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर मांगीलाल ने पेट्रोल-डीजल की शुद्धता और पारदर्शिता की जानकारी देते हुए कहा कि बीपीसीएल उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने के लिए लगातार तकनीकी सुधार कर रहा है। कार्यक्रम में आशुतोष सिंह, ज्ञानदीप मिश्रा, श्रीनारायण पांडे, मनोज पांडे, कुंदन सिंह आदि थे।

छात्रा गार्गी बनीं एक दिन की डीएम

बलरामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक दिवसीय विशेष कार्यक्रम में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की छात्रा गार्गी मिश्र ने एक दिन की डीएम बनकर प्रशासनिक कार्यों की बागडोर संभाली। जिलाधिकारी की भूमिका में गार्गी मिश्र ने जनता दर्शन में आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को फोन पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान आयोजित संवाद कार्यक्रम में छात्राओं ने डीएम से टाइम मैनेजमेंट, कैरियर चयन, महिला सुरक्षा, पढ़ाई में एकाग्रता और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे।

फीता काटकर स्वदेशी मेले का उद्घाटन करते सांसद जगदंबिका पाल।

सांसद जगदंबिका पाल ने किया स्वदेशी मेला का उद्घाटन

बलरामपुर, अमृत विचार : बड़ा परेड ग्राउंड में आयोजित यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो स्वदेशी मेला-2025 का शुभारंभ सांसद एवं जेपीसी वक्फ बोर्ड अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक पल्टूराम, कैलाश नाथ शुक्ला, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, डीपी सिंह बैस, डीएम पवन अग्रवाल और सीडीओ हिमांशु गुप्ता मौजूद रहे। सांसद पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सुशासन और निवेश का माहौल बना है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को चेक वितरण हुआ। सांसद ने स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर स्थानीय उद्योग को बढ़ावा देने की अपील की।

नेताजी ने सदैव बुलंद की वंचितों की आवाज

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : सपा के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर विभिन्न स्थलों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नेताजी ने सदैव गरीबों, किसानों और मजदूरों की आवाज को बुलंद की। कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य परशुराम वर्मा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रूपा यादव, राष्ट्रीय महासचिव युवा ब्रिगेड राहुल कुमार गिरधर, रमेश, तस्लीम, सोनू, शैलेन्द्र यादव (मिंटू), नित्यानंद, अनसारी, शिवानंद, विमला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान करतीं जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद।

एजी हाशमी इंटर कॉलेज ने लगातार चौथी बार जीता ओवरऑल चैंपियन का खिताब

बलरामपुर अमृत विचार : एम. वाई. उस्मानी इंटर कॉलेज उतरौला के संयोजन में जिला खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय जनपदीय एथलेटिक्स रैली का समापन शुक्रवार को हुआ। एजी हाशमी इंटर कॉलेज सादुल्लानगर ने लगातार चौथी बार ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज उतरौला द्वितीय तथा एम. वाई. उस्मानी इंटर कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ने विजेताओं को ट्रॉफी व पदक प्रदान किए। निर्णायक मंडल में मो. सुहेल, पंकज पांडे, शाहिद अली खान, अर्पण पांडेय, स्मिता पाठक शामिल रहे। आयोजक प्रधानाचार्य अबुल हाशिम खान ने बताया कि प्रतियोगिता छह वर्गों में आयोजित की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

मुलायम सिंह की मनाई गई पुण्यतिथि

गोरखपुर : पिपराइच विधानसभा अंतर्गत रमवापुर में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्व .मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। बता दें कि रमवापुर में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बाबूराम यादव फौजी द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान र सद्दाम अंसारी, नूर मोहम्मद, मेराज शाह, जावेद, बबलू, जुमिल, मोनू, मोलाई, मो . रजा, सुहेल, आकाश, नईम, अख्तर अली, मिंटू अंसारी सलीम, अमजद, गोबिंद कुमार, आफताब आलम, सलाम अंसारी सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में वितरित किए गए फल

कुशीनगर : पूर्व मुख्यमंत्री स्व मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को पूर्व सांसद बालेश्वर यादव व लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गुड्डू यादव के नेतृत्व में जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों में फल वितरण कर सपाइयों ने पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान अनुराग यादव, किशु यादव, धनेश यादव, राजन सैनी, अमित यादव, संदीप पाल, प्रदीप गुप्ता, विनय सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परीक्षा को लेकर दिए गए निर्देश

सिद्धार्थनगर : अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उप्र लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित होने वाली राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा 2025 को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत ड्यूटी मे लगे पुलिस बल को पुलिस लाइन परिसर मे ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद, द्वारा पुलिस लाइन परिसर में उप्र लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित होने वाली राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा(प्रा0) परीक्षा 2025 तथा सहायक वन संरक्षक, क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 के दृष्टिगत ड्यूटी मे लगे पुलिस बल के साथ ब्रीफिंग गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करानें शान्ति बनाएं रखें।

देशवासियों के लिए महत्वपूर्ण है कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस पर भाजपा नताओं ने संगोष्ठी आयोजित कर शहीदों को अर्पित की पुष्पांजलि

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के सभागार में शौर्य और पराक्रम के प्रतीक कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी हरि चरण कुशवाहा रहे। इस दौरान जिला प्रभारी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

सर्वप्रथम सभी लोगों ने अमर शहीद बुधई राम के स्मारक स्थल पर पहुंचकर साफ-सफाई करके उनको पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी का स्वागत अभिनंदन किया एंव कारगिल विजय दिवस की बधाई देते हुए अमर शहीद बुधई राम को नमन किया एंव नगर पंचायत सभागार में उनके परिवार के लोगों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरि चरण कुशवाहा ने कहा कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु भाजपा यह दिवस मनाती है।कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल ने कहा यह दिन उन वीर सपूतों की याद में समर्पित है। जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ कारगिल युद्ध में अदम्य साहस दिखाया और भारत की सरहदों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी एवं कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त करने वाले सभी योद्धाओं के योगदान किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार कुंवर, राजेंद्र पांडेय, जिला महामंत्री विपिन सिंह, जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, कार्यक्रम संयोजक/जिला मंत्री अजय उपाध्याय, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, चेयरमैन बढ़नी सुनील जयसवाल, भाजपा नेता सिद्धार्थ चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, राजू शाही, सिद्धार्थ पाठक एवं पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्मारक स्थल पर पहुंचकर साफ-सफाई करते भाजपा नेता व अन्य। अमृत विचार

जवानों ने दिया वीरता का परिचय: डॉ. सतीश

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व मंत्री डॉ . सतीश द्विवेदी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सेना के वीर जवानों के साहस के अटूट संकल्प का प्रतीक है, कारगिल के युद्ध में वीर जवानों ने हिमालय की दुर्लभ पहाड़ियों में वीरता की पराकाष्ठा की परिचय देते हुए दुश्मन की सीमा को घुटना देखने पर मजबूर किया। जवानों ने कारगिल में पुन : तिरंगा लहरा कर देश को गौरांवित किया। आज कारगिल दिवस पर इस युद्ध में अपने साहस से मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं। कार्यक्रम के उपरांत कार्यक्रम संयोजक अजय उपाध्याय ने आभार ज्ञापन कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

अपने दायित्वों को समझने का पर्व है विजयादशमी: रमेश

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत नौगढ़ नगर के गायत्री बस्ती के विजयदशमी उत्सव का आयोजन रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर सभागार में हुआ। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गोरक्ष प्रांत के प्रचारक रमेश ने कहा कि विजयादशमी केवल हर्षोल्लास का पर्व नहीं, बल्कि अपने दायित्वों को समझने और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का संकल्प पर्व है। स्वयंसेवक विजय का उत्सव मनाते हुए, सेवा का संकल्प लेता है।

उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष समाज से निकटता का वर्ष है, संघ ने अपनी सौ वर्ष की यात्रा सेवा, साधना, अनुशासन के बल पर पूर्ण की है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला गया, जो सरस्वती विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर मौर्य लॉज, स्टेशन रोड, सिद्धार्थ चौक, भारत माता चौक होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर संघचालक रणजीत, विभाग प्रचारक राजीव नयन, सह विभाग प्रचारक अजीत, जिला प्रचारक विशाल, जिला कार्यवाह शिवेंद्र सिंह, सह जिला कार्यवाह अविनाश, योगेश, नगर प्रचारक अरुणेश, नगर प्रचार प्रमुख रूपेश, राजेश कुमार श्रीवास्तव, सांसद जगदंबिका पाल, भाजपा जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान आदि रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रमेश।

बच्चों का सम्पूर्ण विकास है आवश्यक: आनंद

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

आयोजन

- **तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ**

अमृत विचार। विकास खण्ड ख़ेसरहा के सभागार में बाल विकास परियोजना द्वारा आयोजित पोषण भी, पढ़ाई भी विषयक तीन दिवसीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दूसरे बैच का प्रशिक्षण गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल शुभारम्भ हुआ। दीप प्रज्ज्वलन कर के प्रशिक्षण का शुभारम्भ करते हुए बाल विकास परियोजना अधिकारी आनंद प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए पोषण के साथ पढ़ाई भी आवश्यक है।

कार्यक्रम में उन्होंने कार्यकर्ताओं को न केवल सैद्धान्तिक जानकारी दी, बल्कि डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से पोषणयुक्त भोजन तैयार करने के आसान और व्यवहारिक तरीके भी समझाए। उन्होंने दिखाया कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से बच्चों को सन्तुलित आहार कैसे दिया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में गीत, बालगीत और नाटक के माध्यम से लोगों को प्रशिक्षित किया गया, जिससे सभी लोगों ने मनोरंज तरीके नया सिख लिया। रॉकेट लर्निंग से प्रशिक्षक अमृता त्रिपाठी ने आंगनबाड़ी केन्द्र केवल भोजन वितरण का स्थल नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला है। यहा यदि पोषण और शिक्षा का समन्वय हो जायें, तो आने वाली पीढ़ी और मजबूत होगी। वहीं प्ले स्कूल और पढ़ाई के तरीके के विषय में जानकारी दिये।

प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई। उन्होंने सामूहिक गतिविधियों, खेलों और गीतों के माध्यम से यह जाना कि किस तरह बच्चों को पढ़ाई में रुचि के साथ-साथ पोषण सम्बन्धी आदतें भी सहजता से सिखाई जा सकती हैं। नीति आयोग, शोधार्थी दुर्गेश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि कुपोषण और अशिक्षा समाज की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। यदि आंगनबाड़ी केन्द्र सशक्त होंगे तो न केवल बच्चे, बल्कि पूरा समाज सशक्त होगा।" तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और आत्मविश्वास भर दिया। उपस्थित सभी सुपरवाइजर एवं अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस तरह की पहल से आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यशैली और भी प्रभावी होगा। प्रशिक्षण में ब्लाक समन्वयक विजेन्द्र, सुपरवाइजर उर्मिला सिंह एवं अनिता शर्मा, रॉकेट लर्निंग की जिला समन्वयक अमृता त्रिपाठी, पिरामल फाउण्डेशन से सत्येन्द्र सिंह, योगेन्द्र मोहन, शोधार्थी दुर्गेश कुमार गुप्ता सहित द्वितीय बैच की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ

सिद्धार्थनगर। सांसद खेल महोत्सव का प्रथम भव्य शुभारंभ आज एस.एन. पब्लिक स्कूल, बकइनिया उसका ब्लॉक से हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुबह 9:00 बजे सांसद जगदंबिका पाल ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना कर किया। मैराथन दौड़ में भारी उत्साह देखने को मिला। बालक एवं बालिका वर्ग में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 बालक और टॉप 10 बालिकाओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल जी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी स्तर पर प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। इस महोत्सव में हर आयु वर्ग के लोग प्रतिभाग कर सकते हैं। यदि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ रहेगा, तो हमारा देश भी स्वस्थ और मजबूत बनेगा।

नशे की रोकथाम के लिए विभिन्न संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। गोरखपुर पुलिस लाइन सभागार में नारकोटिक्स एवं ड्रग नियंत्रण विषय पर राज्य स्तरीय संयुक्त समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा गोरखपुर पुलिस के सहयोग से किया गया। बैठक में एडीजी गोरखपुर जोन मुथा अशोक जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने नशे की रोकथाम के लिए विभिन्न संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की अपील की।

बैठक में डीआईजी गोरखपुर रेंज एस चन्नप्पा एसएसपी राज करन नय्यर, एनसीबी पटना के उप महानिरीक्षक, लखनऊ, बिहार, एनईआर सहित विभिन्न राज्यों व एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान जिलों और सीमाई क्षेत्रों में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मादक पदार्थों की रोकथाम, तस्करी नियंत्रण, सड़क मार्ग और भारत-नेपाल सीमा पर समन्वित कार्रवाई पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य बिंदुओं में एनडीपीएस मामलों की तेजी से विवेचना, जब्ती, केस डायरी का समयबद्ध निस्तारण, एनडीपीएस कोर्ट में पार्सल लेटर की निगरानी, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल रहा। जन-जागरूकता के तहत हेल्पलाइन 1933 के प्रचार-प्रसार और सूचना देने वालों की गोपनीयता बनाए रखने पर भी बल दिया गया। निर्देश दिया गया कि जिले स्तर पर नियमित रूप से बैठक आयोजित की जाएं।

अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीजी गोरखपुर। अमृत विचार

वंचितों के मसीहा थे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने सत्ता संभालते ही प्रदेश व देश में आरक्षण व्यवस्था को लागू कराया था। इसके साथ ही त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में भी 1995 में आरक्षण लागू करके दलितों एवं पिछड़ा वर्ग को ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाने का काम किया था। इसी कारण उन्हें सभी लोग वंचितों के मसीहा कहते हैं। यह बातें समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने कहीं। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। गोष्ठी को पूर्व विधायक विजय पासवान, बेचई यादव, राम मिलन भारती, घिसियावन यादव, कमरुज्मा खान, मुरली मिश्र, राम सेवक लोधी, जमील सिद्दीकी, बहरैची प्रेमी, सोनू यादव व अनीता द्विवेदी ने संबोधित किया। डा . प्रमोद यादव, रिंधू पासवान, सुनील यादव, अखिलेश मौर्या, फिरोज चौधरी, प्रदीप पासवान, अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

पुण्यतिथि पर आयोजित गोष्ठी में शामिल सपा नेता।

बेटियों ने लिया बाल विवाह न करने का संकल्प

संवाददाता कुशीनगर, अमृत विचार। जिला प्रवेशन अधिकारी ध्रुव चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के अन्तर्गत 09 अक्टूबर, 2025 को चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर में "बाल विवाह को न-चैम्पियन्स का सम्मान" कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को बाल विवाह न करने के संकल्प के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुल चार बालिकाओं को पाठ्यक्रम सामग्री एवं फूलमाला प्रदान कर सम्मानित किया गया।जिला प्रोबेशन अधिकारी ध्रुवचन्द्र त्रिपाठी ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए समाज से बाल विवाह की कुप्रथा समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि बालिका की विवाह योग्य आयु 18 वर्ष तथा बालक की 21 वर्ष निर्धारित की गई है। निर्धारित आयु से कम विवाह करना अपराध है, जिससे बालक-बालिका दोनों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

रेलवे मुख्यालय के स्टेशनों पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के दसवें दिन 10 अक्टूबर 'स्वच्छ आहार' (क्लीन फूड) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अभियान चलाकर फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया तथा खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। इस दौरान वेंडरों का चिकित्सीय जाँच की गई। स्टेशन पर फूड स्टॉलों के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा वेंडरों, यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरे डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरीक्षकों द्वारा फूड स्टॉलों, रनिंग रूम के किचेन, भोजनालय एवं बेस किचेन का निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई की गई एवं खाद्य पदार्थों को स्वच्छ तरीके से तैयार करने हेतु वेंडरों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर फूड स्टॉल के निकट सूखे एवं गीले कचरे के लिए अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान कर कर्मचारियों एवं यात्रियों को कचरे डस्टबिन मेंडालने हेतु प्रेरित किया गया।

इंटरलॉकिंग कार्य के लिए कई ट्रेनें की गई निरस्त, गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु इज्जतनगर मण्डल के कासगंज-मथुरा जं0 रेल खण्ड के मध्य स्थित रति का नगला स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग कार्य के लिये के लिये प्री-नानइण्टरलॉक एवं नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा। निरस्तीकरण 55331/55332 कासगंज-अछनेरा-कासगंज सवारी गाड़ी 15 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। नियंत्रण-लालकुंआ से 15 अक्टूबर को चलने वाली 04182 लालकुंआ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी विशेष गाड़ी लालकुंआ-सिकन्दरराव के मध्य 55 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

कार्यालय नगर पंचायत रूपईडीहा जनपद बहराइच

पत्रांक सं0- 166/न0पं0रूपई0/आ0न0यो0 निविदा/2025-26 दिनांक :- 09-10-2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रूपईडीहा में आकांक्षी नगर योजना की संस्तुतियो के अन्तर्गत दिनांक 25.10.2025 को निविदा समय 02:00 बजे तक कार्यालय प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय बहराइच में आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिनांक को समय 04:00 बजे अधोहस्ताक्षरी एवं प्रभारी अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। इच्छुक फर्मो/ठेकेदारो से अनुरोध है कि दिनांक-17.10.2025 को कार्यालय नगर पंचायत रूपईडीहा के निर्माण विभाग से सम्पर्क कर निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त कर लें। निविदा के समय 10% धरोहर धनराशि F.D.R./C.D.R के रूप में अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत रूपईडीहा के पक्ष में बन्धक कर जमा किया जाना अनिवार्य है। निविदा के साथ हैसियत व चरित्र प्रमाण-पत्र तथा जी0एस0टी0 एवं आयकर पंजीकरण आदि प्रपत्रो के साथ-साथ रू0-100.00 के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र के साथ संलग्न करना होगा। कम से कम 03 निविदाओं का होना अनिवार्य है अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। निविदा का विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र शुल्क G.S.T	कार्य अवधि
1	वार्ड नं0-01 मो0 निधिनगर गोकुलपुर में मेन रोड से एम0आर0एफ0 सेन्टर तक जाने के लिये इन्टरलाकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	10,00,000.00	1,00,000.00	1,200.00	03 माह
2	वार्ड नं0-05 मो0 रूपईडीहा गांव में अन्त्येष्टि स्थल को जाने वाले मार्ग पर इन्टरलाकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	9,99,000.00	1,00,000.00	1,200.00	03 माह
3	वार्ड नं0-15 मो0 सरस्वती नगर में सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर को जाने हेतु मार्ग पर इन्टरलाकिंग सड़क का निर्माण कार्य।	5,21,000.00	52,000.00	600.00	03 माह
4	नगर पंचायत रूपईडीहा में खाली पड़ी भूमि में मॉडल वेन्डिंग के पास आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	9,95,000.00	99,500.00	1,200.00	03 माह
5	नगर पंचायत रूपईडीहा में खाली पड़ी भूमि में मॉडल वेन्डिंग जोन माडर्न फूड कार्ट, फ्रूट्स एण्ड वेजीटेबल कार्ट एवं गुड्स एण्ड आर्टिकल्स कार्ट, पान शॉप निर्माण कार्य।	9,79,000.00	98,000.00	1,100.00	03 माह

नियम व शर्ते-

1- निविदादाता को 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर0 / टी0डी0आर0/सी0डी0आर0/एन0एस0सी0 जो अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत रुपईडीहा के पदनाम से बन्धक हो निविदा फार्म के साथ पृथक-पृथक संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

2- जिन ठेकेदारों / फर्मो के हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र की निर्धारित समयवृद्धि समाप्त हो गयी है, उनकी निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

3- निविदादाता को जिलाधिकारी द्वारा निर्गत हैसियत प्रमाण पत्र एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र जो निर्धारित समयावधि के अन्दर का हो तथा रू0 100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित शपथ पत्र के साथ-साथ पंजीयन प्रमाण पत्र, आयकर, जी0एस0टी0, श्रम विभाग में पंजीकरण प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र स्वत: प्रमाणित छायाप्रतियां टेण्डर फार्म के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

4- निविदाएं प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय बहराइच के कार्यालय में रखे निविदा बाक्स में दिनांक-25.10.2025 को अपरान्ह 2.00 बजे तक डाली जायेगी और उसी दिन सायं 4.00 बजे खोली जायेगी। निर्धारित तिथि समय के पश्चात् कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

5- अपरिहार्य कारणों से यदि निविदा फार्म प्राप्त किये जाने अथवा निविदा डालने एवं खोलने की तिथि तक किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो निविदा खोलने की तिथि की कार्यवाही अगले कार्य दिवसों में होगी। स्थान व समय तथा निविदा की वैद्यता अवधि पूर्ववत् रहेगी। कार्यस्थल पर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, कार्य के दौरान व कार्य के पूर्ण होने पर अलग-अलग फोटोग्राफ देना होगा एवं कार्य प्रारम्भ से पूर्व डिस्प्ले बोर्ड ठेकेदार को लगाना होगा।

6- निविदा स्वीकृति के उपरान्त कार्यादेश निर्गत होने के पश्चात् कार्य प्रारम्भ की सूचना अवर अभियन्ता, नगर पंचायत रूपईडीहा को लिखित रूप में ठेकेदार को देना होगा। तदोपरान्त अवर अभियन्ता के निर्देशानुसार कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा तथा कार्य पूर्ण होने पर ठेकेदार को लिखित रूप में कार्य पूर्ण होने के सम्बन्ध में सूचना अवर अभियन्ता को देना होगा।

7. कार्यस्थल पर निरीक्षण के दौरान यदि कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पायी जाती है तो उक्त ठेकेदार को तत्काल अवर अभियन्ता के निर्देशानुसार कार्य को मानक के अनुरूप पूर्ण कराना होगा, अन्यथा कराये गये कार्य का भुगतान नहीं किया जायेगा तथा ठेकेदार के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

8. स्थल पर कार्य पूर्ण होने से पूर्व प्रयुक्त निर्माण सामग्री की जांच ठेकेदार को स्वयं अपने खर्च पर करानी होगी।

9. सभी कार्यो हेतु न्यूनतम 03 निविदाएं प्राप्त होने पर ही निविदा की स्वीकृति पर कार्यवाही की जायेगी। निर्माण कार्यो के आगणन में 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सम्मिलित है, जिसका भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

10. निर्माण कार्यो को निर्धारित समयावधि के अन्दर न्यूनतम निविदादाता को पूर्ण कराना होगा। उपरोक्त समस्त शर्तो का पालन ठेकेदार / फर्म को करना होगा, अन्यथा की स्थिति में निविदा की स्वीकृति पर विचार नहीं किया जायेगा।

11 . समस्त निविदादाताओ का पंजीकरण नगर पंचायत रूपईडीहा में होना अनिवार्य है यदि किसी का पंजीकरण नही है तो निविदा स्वीकृत उपरान्त नियमानुसार पंजीकरण कराना होगा। अन्यथा निविदा निरस्त कर दी जायेगी।

(राम बदन)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत रूपईडीहा
जनपद बहराइच

(उमा शंकर वैश्य)
अध्यक्ष
नगर पंचायत रूपईडीहा
जनपद बहराइच

पूरी मात्रा में उपलब्ध कराया जाए खाद्यान्न : डीएम

संवाददाता कुशीनगर

- **जिलाधिकारी ने की राशन वितरण व्यवस्था की समीक्षा**

अमृत विचार। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों पर जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने जनपद में संचालित सस्ते गल्ले की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा है कि शासन स्तर से निर्धारित मानकों के अनुसार प्रत्येक पात्र लाभार्थी को समय से पूरी मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वितरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता कदापि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी पूर्ति निरीक्षकों, क्षेत्रीय अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वितरण से पूर्व सभी वस्तुओं की गुणवत्ता की जांच की जाए तथा वितरण के समय लाभार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही दुकानों पर अनिवार्य रूप से मूल्य सूची, स्टॉक विवरण व वितरण रजिस्टर प्रदर्शित किया जाए, ताकि व्यवस्था पूर्णतः पारदर्शी रहे।जिलाधिकारी ने यह भी कहा है कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नियमित भ्रमण कर दुकानों की स्थिति का निरीक्षण करें। यदि किसी दुकान पर गड़बड़ी पाई जाती है, तो तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत कर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।उन्होंने शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला पूर्ति अधिकारी और उप जिलाधिकारी नियमित रूप से निगरानी रखने व शासन के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के बात कही।

14 व 15 को आयोजित होगा रोजगार महाकुंभ

संवाददाता कुशीनगर, अमृत विचार। जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के "उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन" के अंतर्गत प्रदेश के युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, गोरखपुर के तत्वावधान में रोजगार महाकुंभ-2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय आयोजन 14 व 15 अक्टूबर, 2025 को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देवरिया रोड, गोरखपुर में संपन्न होगा।इस रोजगार महाकुंभ में संयुक्त अरब अमीरात और ओमान की प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन के अवसर उपलब्ध होंगे। कुल 10,655 रिक्त पदों पर विभिन्न श्रेणियों में भर्ती की जाएगी, जिनमें कंस्ट्रक्शन वर्कर, सुपरवाइजर सिविल, मोबाइल पंप ऑपरेटर, ट्रांजिट मिक्सर ड्राइवर, फोरमैन सिविल, हेवी ट्रक ड्राइवर, बस चालक, शटरिंग कारपेंटर, कंस्ट्रक्शन हेल्पर आदि पद शामिल हैं।बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 24,000 से 1,20,769 तक मासिक वेतन दिया जाएगा, साथ ही नि:शुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था भी नियोजक कंपनियों द्वारा की जाएगी।इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

अमृत विचार

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

नसीहत वह सच्ची बात है, जिसे हम कभी गौर से नहीं सुनते। खुशामद एक घटिया धोखा है, जिसे हम पूरी तवज्जो से सुनते हैं।
–खलील जिब्रान, दार्शनिक

रक्षा से शिक्षा तक

भारत–ब्रिटेन के बीच रक्षा से शिक्षा तक के समझौते, जहां विकसित भारत के दृष्टिकोण को और मजबूती देने तथा अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभावों से कुछ राहत दिलाएंगे, रक्षा, शिक्षा और व्यापार के कई आयामों में सहायक सिद्ध होंगे। चुनौतियों से जूझती हालिया ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को भी ये समझौते बड़ी राहत पहुंचाने वाले हैं। इस तर्क को रक्षा क्षेत्र में हुए 4,200 करोड़ रुपये के मिसाइल सौदे से समझा जा सकता है। यह सौदा न केवल हमारी जमीनी और हवाई ताकत को बढ़ाने वाला है, बल्कि ब्रिटिश रक्षा विनिर्माण के लिए आर्थिक अवसरों से युक्त एक नया निर्यात बाजार भी खोलता है। इसके परिणामस्वरूप उत्तरी आयरलैंड में लगभग 700 नई नौकरियां तत्काल सृजित होंगी।

ब्रिटेन के लिए भारत एक विशाल बाजार है। को-प्रोडक्शन और पार्ट सप्लाई के माध्यम से उसे उच्च स्तरीय सेवाओं, रक्षा उपकरणों और शिक्षा-उत्पादों के व्यापार में अरबों पाउंड के अवसर प्राप्त होंगे। व्यापारिक ढांचे अर्थात हालिया सीईटीए और एफटीए संबंधी समझौतों के सरकारी आकलन बताते हैं कि दीर्घकाल में ये समझौते ब्रिटेन की जीडीपी में सालाना लगभग 5 बिलियन पाउंड का इजाफा कर सकते हैं और द्विपक्षीय कारोबार में इन से 26 बिलियन पाउंड तक का वार्षिक विस्तार संभव है। ऐसे महत्त्वाकांक्षी आंकड़े यह साबित करते हैं कि ब्रिटेन को विशाल भारतीय बाजार के माध्यम से निर्यात और सेवाओं में अपार संभावनाएं मिलने वाली हैं। इन समझौतों से सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के साथ-साथ आईटी, वित्त, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा और हेल्थ-टेक में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। निर्माण तथा रक्षा-निर्माण में को-प्रोडक्शन और स्पेयर-पार्ट सप्लाई-चेन के नए अवसर खुलेंगे। इससे भारत को अमेरिकी टैरिफ से कुछ हद तक राहत के साथ 'मेक इन इंडिया' को बल मिलेगा।

रक्षा समझौते के अंतर्गत मिसाइल आपूर्ति हमारी वायुसेना और थलसेना की क्षमता में त्वरित गुणात्मक सुधार लाएगी, पर यह आवश्यक है कि इसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और प्रतिस्पर्धी आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि एक देश पर निर्भरता न बढ़े। शिक्षा क्षेत्र में कुछ ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खोलने की पहल भी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय छात्रों को विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम देश के भीतर ही उपलब्ध होंगे और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण-प्रशिक्षण के अवसर सुलभ होंगे। भारत चाहता है कि पेशेवरों के वर्क वीजा को 82 हजार से बढ़ाकर 1.25 लाख किया जाए तथा स्टूडेंट वीजा को 92 हजार से और आगे बढाया जाए। विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने के बाद इन वीजाओं की मांग में बदलाव आ सकता है। यद्यपि यह केवल संभावना है, गारंटी नहीं कि ब्रिटेन अपनी नीति-संवेदनशीलता के अनुरूप वीजा नीति में कुछ नरमी बरतेगा और स्टूडेंट व वर्क वीजा की संख्या बढ़ाएगा। फिलहाल इन समझौतों से कई उम्मीदें जुड़ी हैं, ये तभी पूरी होंगी जब समझौते सार्थक तथा टिकाऊ होंगे। इसके लिए रक्षा सहयोग में वास्तविक टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, व्यापार में घरेलू प्रतिस्पर्धा का संरक्षण और शिक्षा में गुणवत्ता-नियमन के समेकित उपाय सुनिश्चित करना होगा।

प्रसंगवश

भेदभाव और कुरीतियों की शिकार बालिकाएं

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। यह दिन दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस बार 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है।

हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद वह अनेकों

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र पत्रकार

कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिए जाते हैं, इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषों की संख्या पांच करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जाएगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था, जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं, लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिंता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पाई है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या को रोकने का माहौल बनाना होगा। यदि यह कहा जाए कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नहीं हम सबकी एक जिम्मेदारी है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हम सबका यही फर्ज बनता है कि हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाएं। उन्हें इतना सशक्त बनाएं कि खुद गर्व से कह सकें कि देखो वह हमारी बेटी है, जो इतना बड़ा काम कर रही है।

गहरे हैं मायावती की रैली के सियासी निहितार्थ

अजय दयाल
लखनऊ

बसपा की लखनऊ रैली में जुटी भीड़ ने राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है। लंबे समय से निष्क्रिय मायावती की वापसी से उत्तर प्रदेश के सारे सियासी समीकरण बदल जाने की आहट भी साफ सुनाई दे रही है।

सियासत में न तो दल और न ही राजनीतिज्ञ कभी अप्रसांगिक होता है। उसके चाहने वाले, समर्थक जब चाहते हैं प्रासंगिक बना देते हैं। बहुजन समाज पार्टी और उसकी नेता मायावती के संदर्भ में भी इस बात को सही माना जाना चाहिए। राजधानी में हुई बसपा महारैली की भीड़ के आधार पर ही यह बात नहीं कही जा रही, बल्कि मायावती ने अपने मूल व्यवहार से आगे बढ़कर यहां जो नजीर पेश की वह मुख्य है। उम्र की 70वीं दहलीज पर पहुंच रहीं बसपा नेत्री ने इस रैली के बहाने वर्तमान साधा और भविष्य भी। बता दिया कि दलितों के बीच उसका जलवा कायम है और यह भी संदेश दे दिया कि मुझ तक ही पार्टी समीति नहीं, आगे 'आकाश' है। राजनीति में उनकी दोबारा सक्रियता काफी कुछ कहती है। लखनऊ में हुई रैली के गहरे सियासी निहितार्थ भी साफ नजर आ रहे हैं।

गुजरे सालों की हकीकत यह है कि दलित वोट बैंक का एक बड़ा भाग दशकों बसपा के खाते में ही रहा। खाता टूटा तो वोट बैंक इस कदर बिखरा कि पार्टी लोकसभा में और न ही उत्तर प्रदेश विधानसभा में ठिकाना तलाश सकी। बसपा की पहचान समझे जाने वाले दिग्गज नेता भी एक-एक कर अलग होते गए। इस कड़ी में बसपा छोड़कर जाने वाले नेताओं ने दूसरे दलों को मजबूत किया। इनमें लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, स्वामी प्रसाद मौर्य, बाबू सिंह कुशवाहा, आरके चौधरी, नकुल दुबे, लालजी निर्मल, केके गौतम, इंद्रजीत सरोज जैसे नेता रहे, जिन्होंने बाहर निकल कर दूसरे दलों का दामन थाम लिया।

इसके बाद यह समझा जाने लगा कि मायावती अपनी पार्टी के साथ एकाकी और अलग-थलग हो गईं हैं। इस नेतृत्वकर्ता और पार्टी दोनों के ही इस हश्र का फायदा उठाने को दूसरे दल टूट पड़े। भाजपा, सपा, कांग्रेस डॉ. आंबेडकर को अपना-अपना बताने की रेस में उतर पड़े। बाबा साहब के नाम पर अन्य दलों के आयोजन बड़े होने लगे, दलितों के हित में बड़ी-बड़ी घोषणाएं होने लगीं। इसके मुकाबले उस वक्त इन दलों के आंबेडकर प्रेम को ढकोसला करार देने वाली मायावती अकेली थीं, जिनकी उस दौरान बात नक्कारखाने में तूती की आवाज बन कर रह गई।

हालांकि, राजनीति की समझ रखने वाले यह जानते हैं कि सच्चा राजनीतिज्ञ कभी हार नहीं मानता, थकता नहीं। मायावती के भीतर बैठा 'साइलेंट एक्टविस्ट' नये सिरे से जमीन तैयार करने को जुटा रहा। लगभग नौ बरस के बाद यकायक मायावती ने जो हुंकार भरी उसकी धमक इस बार सियासत में मजबूत पकड़ रखने वालों के दिल की धड़कने बढ़ाने जैसी रही। दो राय नहीं कि मायावती की लखनऊ रैली ने पार्टी को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया है। भले ही बसपा से दलितों ने बीते चुनावों में दूर बनाते हुए विकल्प तलाश हो, लेकिन बसपा प्रमुख मायावती ने उसे फिर से अपनी तरफ मोड़ने का मजबूत प्रयास किया है।

मायावती का वही पुराना आत्मविश्वास लौटा दिखा, जब उन्होंने एक्स पोस्ट कर कहा कि भीड़ के मामले में आज आपने खुद के भी अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ये जो लाखों-लाखों की संख्या में लोग आए हुए हैं, तो इनको यहां दूसरी पार्टियों की तरह मजदूरी देकर दिहाड़ी पर नहीं लाया गया है, बल्कि ये लोग अपने खून-पसीने की कमाई के पैसों से ही खुद चलकर आज मुझे सुनने के लिए आए हैं।

कुल मिलाकर यह रैली बसपा के लिए सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक संदेश देना रहा कि दलित समाज का भरोसा अभी भी मायावती पर कायम है। वोट बैंक तो बिखरा, पार्टी की राजनीतिक जमीन भी खिसकी, पर रैली की भीड़ देखकर सहज ही अंदाजा होता है कि मायावती की लोकप्रियता में गिरावट नहीं आई है। इसी मौके पर भतीजे आकाश ने मायावती को पांचवी दफा मुख्यमंत्री बनाने का राजनीतिक पासा भी फेंक दिया। कहा कि आप लोगों को बहन जी को फिर से सत्ता में लाना है। मायावती का सारा निशाना तो सपा पर ही रहा। यह बात अलग है कि समीक्षक मायावती के बयानों को भाजपा के लिए हितकारी मान रहे हैं, लेकिन बसपा नेत्री ने भाजपा को लेकर 'सॉफ्ट रियेक्शन' देकर भी राजनीति साधी।

दरअसल, मायावती का सूबे में राजनीतिक संघर्ष भाजपा से ज्यादा पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) का फार्मूला लेकर चल रहे अखिलेश यादव से है, जो सीधे बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी कर सकते हैं, जिसका खामियाजा मायावती और बसपा को और उठाना पड़ेगा। इस बार मायावती ने अपने बाद दलितों को भविष्य के नेतृत्व का भी एलान कर दिया। मायावती ने अपने भाषण में कहा कि जैसे आप लोगों ने कांशीराम के बाद मेरा साथ दिया है, वैसे ही मेरे बाद आकाश आनंद का साथ देना है।

सच पूछिए तो अब तक हमेशा यही संदेश निकलता रहा कि मायावती ने हमेशा पार्टी को अपने तरीके और निर्णय पर चलाया। जब जो चाहा किया। उनकी छवि सरकार हो या संगठन एक सख्त प्रशासक की नजर आती रही, लेकिन रैली में उनका व्यवहार उनके अब तक के मिजाज के विपरीत नजर आया। वह काफी सरल, संयमित लेकिन आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। उन्होंने वर्तमान सियासी परिदृश्य के मद्देनजर अपनी बात रखी साथ ही भविष्य का खाका भी खींचा। यहां तक कि उन्होंने भविष्य में संगठन की जिम्मेदारी भतीजे आकाश को देने का एलान भी कर दिया। आने वाला दौर तय करेगा कि मायावती की रैली में जुटी भीड़ कितनी कारगर साबित होती है।

आमने

20 साल इस खटारा सरकार को कभी ध्यान ही नहीं था कि बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हमारी सरकार बनते ही 20 दिन में अधिनियम बनाएंगे और 20 महीने के अंदर बिहार का ऐसा कोई घर नहीं बचेगा, जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं होगी।
–तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष, बिहार

सामने

ये तो 'चुनावी बुलबुला' है। राजद के लोगों के प्रति प्रदेश में लोगों के मन में क्या भाव है और लोग क्या चाहते हैं ये मायने रखता है। ये चुनावी स्टंट है। प्रदेश के लोगों को पता है कि नीतीश कुमार स्थिर सरकार चलाते हैं और वे व्यवस्थित सरकार चलाते हैं। –अशोक चौधरी, मंत्री, बिहार

जयप्रकाश और महात्मा गांधी की पीड़ा

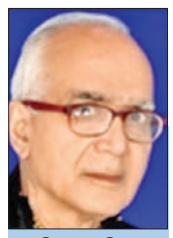

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

भारत के स्वाधीनता का निर्णायक संघर्ष महात्मा गांधी के नेतृत्व में लड़ा गया था। उस संघर्ष में जयप्रकाश नारायण (जेपी) गांधी जी के सिपाही थे, जिन्होंने 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। जब सभी बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए तो जयप्रकाश जेल की दीवार फांद कर बाहर आ गए और उन्होंने भूमिगत रहकर उस आंदोलन का संचालन किया। हालांकि कुछ महीनों के बाद वह फिर गिरफ्तार कर लिए गए और जेल में भारी यातनाएं भी दी गईं, इसलिए जब हम जेपी के जीवन पर नजर डालते हैं तो गांधी जी याद आते हैं। भले ही गांधी की उपलब्धियां ज्यादा हों। उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजी हुकूमत पर दबाव बनाने के अहिंसक आंदोलन में बड़े पैमाने पर आम लोगों को जोड़ा था।

विदेशी हुकूमत से आजादी का विचार बहुत बेलाग था और लोगों की भावनाएं जगाने वाली इसमें अपील थी, लेकिन संवैधानिक मान्यता का दावा करने वाली शासन व्यवस्था की तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का समर्थन पाना काफी मुश्किल था। इन सबसे भी बढ़कर यह समानता थी कि दोनों ही राजनीति को नैतिक आधार पर चलाना चाहते थे और दोनों की नैतिकता का आध्यात्मिक स्रोत धर्म ही था। ऊपरी आडंबरों और सांप्रदायिक असहिष्णुता से मुक्त धर्म। दोनों ने ही अपने विरोधियों को अलग-थलग करने या घेरने की जगह सहयोग और मतभेद समाप्त करने की नीति पर अमल किया। वे मूलतः राजनेता न होकर अच्छे शिक्षक थे, मूल्यों के प्रचारक थे। वे भले ही पूरी राजनीतिक सत्ता को अपने नजरिए के अनुसार नया रूप देने में सफल न हुए हों, पर उन्होंने जिन मूल्यों पर जोर दिया उनका महत्व सदैव बना रहेगा।

गांधी और जेपी अलग-अलग रास्तों से लगभग एक राजनीतिक दर्शन तक पहुंचे थे। गांधी का रास्ता मुख्यतः अनुभवों और प्रयोगों पर आधारित था। जेपी की यात्रा वैचारिक थी।

गांधी और जेपी अलग-अलग रास्तों से लगभग एक राजनीतिक दर्शन तक पहुंचे थे। गांधी का रास्ता मुख्यतः अनुभवों और प्रयोगों पर आधारित था। जेपी की विचार यात्रा वैचारिक थी और इसकी झलक हमें उनके रोचक लेखन में मिलती है। आज देश के विकास को जीडीपी के पैमाने से मापा जाता है। विकास का पश्चिमी माडल सिर्फ जरूरतें बढ़ाकर मानव विकास के जिस रास्ते की कल्पना कर रहा है या जिस रास्ते पर जा रहा है, उसे देख वे भी गांधी की तरह हैरान होते। वे चाहते थे कि स्वराज में जनता की भागीदारी दिखायी दे। जनता अपनी जिंदगी अपने हाथ रखे और पुनर्निर्माण के रास्ते पर अपने बलबूते बढ़े। उनका आग्रह था कि सत्ता देश के लाखों गांवों में बिखेर दी जाए, मुट्ठी भर राजधानियों के हाथ में केंद्रित न रहने दी जाए, लेकिन गांधी जी अपनी इस कल्पना को साकार करने के लिए जीवित नहीं रह सके, फिर भी इतनी बात दुनिया के सामने आ गई कि नेहरू और गांधी के रास्ते अलग थे।

नेहरू का रास्ता राष्ट्र-राज्य (नेशन स्टेट) था और गांधी का ग्राम गणराज्य का। आजादी के तीस साल बाद सत्ता में आई जनता सरकार ने भी जेपी द्वारा प्रस्तावित विकेन्द्रित शासन व्यवस्था लाने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। जेपी द्वारा 1974-75 में भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ उभरे बिहार आंदोलन का नेतृत्व करना, जवाब में इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू करना, उन्हें और हजारों अन्य नेताओं को जेलों में बंद करना, 1977 के चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट करना और चुनाव में भारी जीत दिलवाते हुए केंद्र में पहली गैर-कांग्रेस सरकार का गठन कराने में उनकी भूमिका इतिहास की चीजें हैं। गांधी की तरह जेपी को भी समझ में आ गया कि मैदाने-जंग में जीत का मतलब यह नहीं होता कि जीत के सेनापति उन क्रांतिकारी उद्देश्यों के लिए भी उतने ही मन से काम करें। यह बात तब और भी ज्यादा स्पष्ट ढंग से सामने आती है, जब प्रस्तावित बदलावों से सत्ता में आए लोगों के अपने अधिकारों से भी कटौती का मसला जुड़ा हो।

जैसे ही अंग्रेजों ने आजादी देने की बात स्वीकार कर ली और विभाजन समेत सत्ता के हस्तांतरण की बातें शुरू हुई। गांधी की उपेक्षा शुरू हो गई। उन्होंने अपने सचिव और जीवनीकार प्यारेलाल से शिकायत की, 'आज मेरी कौन सुनता है-आजादी की लड़ाई लड़ते हुए तो हम एक थे लेकिन आजादी के अवसर पर हम विभाजित हैं। सत्ता की संभावना ने हमारा नैतिक बल हर लिया है।' संभव है कि यही शब्द जेपी के मुंह से भी तब निकलते जब 1977 में इंदिरा गांधी के शासन को खत्म करने के लिए एकजुट हुई जनता पार्टी के घटक दल बिखरने लगे थे।

आजाद भारत में कुछ ही महीने जिंदा रहने के दौरान ही महात्मा गांधी को पार्टी पॉलिटिक्स की बुनियाद ही गड़बड़ होने का एहसास हो गया था। 1947 की पहली तारीख को उन्होंने कांग्रेस के रचनात्मक कार्यकर्ताओं से कहा था, ''आज राजनीति भ्रष्ट हो गई है। राजनीति में जाने वाला हर आदमी इसमें नहा जाता है। हम सभी को इससे बाहर ही रहना चाहिए। फिर 27 जनवरी को उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने अपनी आजादी की लड़ाई का शुरुआती और जरूरी हिस्सा हासिल कर लिया है। पर इसका मुश्किल भाग अब आना है। लोकतंत्र के मुश्किल रास्ते पर इसने ऐसे घटिया ठिकाने बनाए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार पैदा हुआ है और गड़बड़ी वाले ऐसे संस्थान बने हैं जो नाममात्र के लोकतांत्रिक और जनप्रिय हैं (तेन्दुलकर, महात्मा खण्ड 8)।"

सोशल फोरम

लो फिर आ गए हैं सिंघाड़ों वाले दिन

सिंघाड़ा ट्रैपा नटन्स (Trapa natans) नामक जलीय पौधे का फल है। सिंघाड़े को संस्कृत में शृङ्गाटक, जलफल कहते हैं, जबकि अंग्रेजी में इसे वॉटर चेस्टनट या वॉटर कैल्ट्रोप्स के नाम से जाना जाता है।

अजय कुमार प्रजापति
ब्लॉगर

ये तालाबों, दलदलों और धीमी गति से बहने वाली नदियों में उगता है। यह सर्दी के मौसम में मिलने वाला एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, जो फाइबर, प्रोटीन, आयरन और विटामिन से भरपूर होता है। यह पाचन को दुरुस्त करने, वजन घटाने और हृदय स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है। इसका उपयोग कच्चा, उबला हुआ या आटे के रूप में किया जाता है, खासकर उपवास के दौरान।

सिंघाड़े में विभिन्न पोषक तत्व पाए जाते हैं। जैसे- विटामिन A, विटामिन B6, विटामिन C और थायमिन। खनिज में कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, पोटेशियम, कॉपर, मैगनीज, जिंक, सोडियम और आयोडीन पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कार्बोहाइड्रेट, डाइटरी फाइबर और प्रोटीन भी होता है।

इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज से निजात दिलाता है। सिंघाड़े में फाइबर और पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को भरा रखती है और वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है। कम सोडियम और अधिक पोटेशियम होने के कारण यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय पर दबाव कम पड़ता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

सिंघाड़ा डायबिटीज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित माना जाता है। जानकार कहते हैं कि यह शुगर के अवशोषण को धीमा करके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके पोषक तत्व शरीर में कमजोरी और थकान को दूर करने में भी सहायक होते हैं। हालांकि डायबिटीज के मरीजों को इस खाने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सिंघाड़े दो रंग के बाजार में मिलते हैं। एक हरे रंग का और दूसरा काले रंग का। सिंघाड़े शुरू में जब तोड़े जाते हैं तो मुलायम होते हैं। इन्हें कच्चा खाया जाता है। सख्त होने पर इसे उबालकर खाया जाता है। सिंघाड़े के पके फलों को सुखाकर उसका आटा बनाया जाता है, जिसका उपयोग उपवास के व्यंजनों में किया जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसकी कचरी भी बनाकर खाई जाती है।

सामयिकी

पूर्व नरेश का शुभकामना संदेश व नेपाल का भविष्य

नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने काम करना प्रारंभ कर दिया है, लेकिन जनता में यह भ्रम बना हुआ है कि नेपाल का आगे का भविष्य क्या होगा? जिस गति से पुराने राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रही हैं और उनके खिलाफ जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है, उससे ऐसा लगता है कि नेपाल की राजनीति में उन्हें दरकिनार करने की लंबी तैयारी है। फिलहाल अभी जो दृश्य है, वह नेपाल के लिए बहुत शुभ नहीं है। हैरत है कि पिछले दिनों जेन जी आंदोलन में तहस-नहस हुए नेपाल को संवारने के लिए कोई दूसरा या तीसरा देश दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जैसा कि भूकंप से तबाह हुए नेपाल के लिए दुनिया के तमाम देश इमदाद को आगे आए थे।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इससे ऐसा लगता है कि नेपाल के मित्र देशों को भी छह महीने बाद होने वाले आम चुनाव के बाद नए नेपाल की राजनीतिक दिशा का इंतजार है। इसी के साथ दशहरा पर्व के अवसर पर पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र का देश के नाम संदेश भी चर्चा में है। पूर्व नरेश का यह जनता के नाम शुभकामना संदेश था, लेकिन इस बार के संदेश के मायने अलग हैं। दशहरे के मौके पर पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र का जनता के नाम भावनात्मक संदेश को नेपाल में बदल रही राजनीतिक परिदृश्य की दृष्टि से देखा जा रहा है। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने नेपाली जनता को याद दिलाया है कि उनके पूर्वजों ने जिस त्याग, बलिदान और अदम्य साहस से नेपाल की एकता, अखंडता, सार्वभौमिकता और संप्रभुता की रक्षा की, वही हमारे अस्तित्व, स्वाभिमान और गौरवशाली संस्कृति की रीढ़ है। इन्हीं आदर्शों के सहारे नेपाल सदा से स्वतंत्र और स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में खड़ा रहा है। हमें किसी भी प्रकार की पराधीनता या भू-राजनीतिक जाल में उलझे बिना, अपनी राह स्वयं तय करते हुए 'अखण्ड नेपाल' के नवनिर्माण की ओर अग्रसर होना है। अपने संदेश में पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने युवाओं पर भी फोकस किया है। कहा कि युवा पीढ़ी हमारे भविष्य की आधारशिला है। उनमें निहित देशभक्ति, ऊर्जा और नवीन चिंतन ही वह शक्ति है जो राष्ट्र को मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाएगी।

कार्की सरकार फिलहाल अभी ओली सहित उनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई और जांच पड़ताल में जुटी है, जैसा कि जेन जी समूह की मंशा है। ऐसा लगता है कि कार्की सरकार का छह महीने का कार्यकाल पूर्व की सरकार को भ्रष्ट और बेइमान साबित करने में ही बीत जाएगा। ओली और उनकी सरकार के लगभग सभी मंत्री भ्रष्ट और बेइमान थे, इसमें संदेह की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में आगामी छह महीने बाद नेपाल में तय समय-सीमा में चुनाव हो पाएगा, इसे लेकर भी असमंजस है, क्योंकि चुनाव में हिस्सा लेने के लिए राजनीतिक दलों के लिए यह समय बहुत अधिक नहीं है। जिस तरह भंग प्रतिनिधि सभा के सदस्यों और राजनीतिक दलों ने खामोशी अख्तियार कर ली है, उससे तय समय-सीमा में चुनाव हो पाने के संदेह को और गहरा करता है। आंदोलन, आगजनी और हिंसा के बाद नेपाल की राजनीति डरी हुई जान पड़ रही है।

डर के इस माहौल में नेपाल में दो तरह की राजनीति जन्म लेती दिखाई पड़ रही है, जो जनता को आकर्षित कर सकती है। प्रथम तो राजशाही और दूसरा ग्रेटर नेपाल! नेपाल चार सौ साल तक राजशाही के शिकंजे में रहा है। इस दौरान दो मर्तबा लोकतंत्र के लिए आवाज उठी। 1960 में प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय वीपी कोइराला के नेतृत्व में राजा के खिलाफ आवाज उठाई गई थी, जिसे तत्कालीन नरेश ने छल-कपट के जरिए दबा दिया था, दूसरा 1996 में। 1996 का यह आंदोलन जनयुद्ध में तब्दील हो गया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

अमृत विचार
शब्द रंग

लगभग 200 वर्षों से गुलाब की पंखुड़ियों की उसी खुशबू के बीच खंडहर बनी वह इमारत मौजद है, जो बता रही है कि इमारत कभी बुलंद थी। उस राजधानी में जहां सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी नहीं, वहां चुनिंदा हकीम आज भी तमाम मरीजों की सांसें थाम उन्हें जिंदगी दे रहे हैं। हां ! वही हकीम जो इस्लामी स्वर्ण युग के दौरान विद्वानों की श्रेणी में आते थे। ऐसे विद्वान जो धर्म, चिकित्सा, विज्ञान और इस्लामी दर्शन के जानकार थे। उसी यूनानी चिकित्सा पद्धति को विरासत में पाने वाले कुछ हकीम अब भी हैं, जिसकी नींव 460 ईसा पूर्व ग्रीस में यूनानी दार्शनिक हिप्पोक्रेट्स ने रखी थी। इन हकीमों से मिलना है तो लखनऊ में चौक के शोर-शराबे और संकरी गलियों से होते हुए दारुलशफा तक पहुंचना होगा। यहां दशकों पुराना एक जर्जर भवन पर लगा बोर्ड दिखेगा, जिस पर लिखा है किंग्स यूनानी हॉस्पिटल, गोल दरवाजा चौक। यही है शाही यूनानी शिफाखाना। -*रिपोर्ट: शुभंकर*

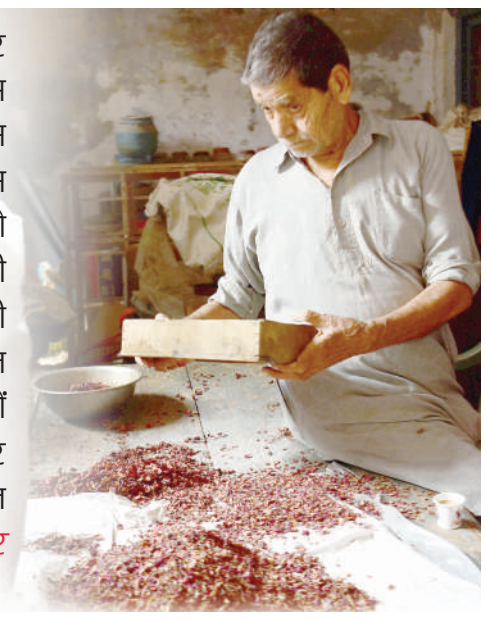

खंडहर बता रहे हैं इमारत कभी बुलंद थी

गरीबों के इलाज के लिए इस चिकित्सा इकाई की स्थापना 1832 में राजा नसरुद्दीन हैदर बहादुर ने की थी। यानी सात वर्षों के बाद इस यूनानी पद्धति के अस्पताल को स्थापित हुए पूरे 200 साल हो जाएंगे। इसी जर्जर इमारत तले आज भी न केवल मरीजों को हकीम उचित चिकित्सीय परामर्श देते हैं, बल्कि यहीं निर्मित दवाएं भी। इन्हीं यूनानी औषधियों में गुलाब की पंखुड़ियों का प्रयोग होता है, जो यहां बिखरी पड़ी दिखेंगी, जिनकी रूहानी खुशबू तनमन को तरोताजा कर देती है। दरअसल यूनानी चिकित्सा पद्धति खासकर इस्लामी देशों में फली-फूली, फिर भी अवध के नवाबों के शासनकाल में यह लखनऊ पहुंची और शहर की पहचान का अभिन्न अंग बन गई। जब अन्य लोग इससे विमुख हो गए, तब भी नवाबों ने इस प्राचीन परंपरा को संरक्षण देना जारी रखा। अभिलेखों से पता चलता है कि अंतिम नवाब, वाजिद अली शाह, शाही चिकित्सकों की एक टीम रखते थे, जो यूनानी चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करते थे। यह वह समय था जब यूरोपीय चिकित्सा पद्धति दुनियाभर में अपनी जगह बना रही थी। यह विरासत 20 वीं सदी तक जारी रही और यूनानी चिकित्सा पद्धति जन स्वास्थ्य के लिए केंद्रीय बनी रही। लखनऊ में शाही शिफाखाना यहां के चौक इलाके के बीचों-बीच स्थापित अवध की शाही विरासत का एक प्रतीक है। एकबारगी यह कोई आम सरकारी क्लीनिक या किसी पुराने हकीम का दवाखाना लग सकता है, लेकिन जो लोग इसके इतिहास को जानते हैं, उनके लिए यह नवाबों के प्रगतिशील नजरिए का प्रतीक है। राजा नसीरुद्दीन हैदर द्वारा 1833 में स्थापित, शिफाखाना उस वक्त का आधिकारिक शाही अस्पताल था। राजा ने इसे यूनानी चिकित्सा के केंद्र के रूप में स्थापित किया था, जो यूनानी-अरबी चिकित्सा पद्धति थी, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप में गहरी जड़ें जमा रखीं थीं। तीन प्रशिक्षित हकीमों की एक टीम जनता की सेवा करती थी। इलाज न केवल मुफ्त था, बल्कि सम्मान के साथ भी किया जाता था। सभी वर्गों के मरीजों को समान स्तर की देखभाल प्रदान की जाती थी। इस सुविधा में गहन या दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए भर्ती वार्ड भी शामिल थे।

अस्पताल के आसपास के बगीचे में औषधीय जड़ी-बूटियां उगाई जाती थीं और इसके अपने दवाखाना (फार्मेसी) में दुर्लभ औषधियां तैयार की जाती थीं। बाद के दिनों में लखनऊ उत्तर भारत के कलात्मक और बौद्धिक जीवन का केंद्र बनकर उभरा। अवध के नवाबों ने इस बदलाव को अपनाया और कवियों, कलाकारों, संगीतकारों और हकीमों को आमंत्रित किया। शिफाखाना शीघ्र ही चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बन गया। यूनानी चिकित्सा के इच्छुक चिकित्सक यहां वरिष्ठ हकीमों के अधीन प्रशिक्षण लेते थे और निदान, औषध विज्ञान और समग्र चिकित्सा में अनुभव प्राप्त करते थे। निदान में नाड़ी-परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सावधानीपूर्वक पूछताछ शामिल थी। उपचार में जोशांदा (जड़ी-बूटियों का काढ़ा), कुर्स (गोलियां) और अर्क (आसुत) शामिल थे, जो अक्सर रोगी की शारीरिक संरचना या मिजाज के अनुसार विशेष रूप से तैयार किए जाते थे। समय के साथ अस्पताल का स्टाफ कम होता गया और इसके समृद्ध अभिलेखागार और फार्मेसी की उपेक्षा की गई। फिर भी यह कभी बंद नहीं हुआ। वर्षों के राजनीतिक उथल-पुथल, सत्ता परिवर्तन और स्वास्थ्य सेवा के बदलते रुझानों के बावजूद, शाही शिफाखाना चुपचाप लोगों की सेवा करता रहा।

इमारत पर बदलते दौर के निशान हावी

आज इमारत पर बदले दौर के निशान हावी हैं। यहां की टूटी दीवारें और जंग खा चुका साइनबोर्ड संस्थान की ऐतिहासिक महत्ता की कहानी बयां करता है। अंदर चुनिंदा हकीम आज भी मात्र तीस रुपये के पर्चे पर परामर्श के साथ औषधियां भी देते हैं। मौके पर पहुंचिए तो हकीम सय्यद जैनुअल हसन और हकीम सय्यद अहमद मेंहदी यहां बैठे मिलेंगे। एक हकीम-ए-अव्वल हैं तो दूसरे हकीम-ए-दोयम यानी सीनियर और जूनियर हकीम साहब। इनके एक सहायक इस्लाम भी यहां दवाओं के वितरण का काम करते हैं। हालांकि यहां आने वाले मरीज कम हैं, फिर भी कई मरीज पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं। मर्ज के लिहाज से इन हकीमों द्वारा बताई गई सभी दवाइयां एक विशेषज्ञ टीम द्वारा तैयार की जाती हैं, जो दशकों से इस यूनिट से जुड़े हुए हैं। सभी औषधियां गुलाब, ताजी जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक औषधियों से तैयार होतीं है, बाजार में मिलने वाली कोई भी रेडीमेड दवा नहीं प्रयोग नहीं होती।

संस्मरण

प्राचार्य जी के शब्द

बात उन दिनों की है जब मैं कक्षा-10 का विद्यार्थी था। डॉ. बीएन शर्मा जो कि सेना से सेवानिवृत्त थे और हमारे प्राचार्य थे। उनकी छवि एक अनुशासनप्रिय और कड़क प्राचार्य की थी। जब वह अपने हाथ में रूल लेकर पूरे कॉलेज के राउंड पर होते, तो कैंपस में पिन ड्रॉप साइलेंस छा जाता। बच्चे तो बच्चे, आसपास के पेड़ों पर बैठी चिड़ियां भी चहचहाना बंदकर खामोश हो जातीं। मेधावी छात्रों से प्राचार्य जी को सहज लगाव था, जो भी बच्चा उन्हें मन लगाकर पढ़ने वाला और कुशाग्र बुद्धि दिख जाता, वह उनका लाडला हो जाता। फिर वह हर तरह से उसके बौद्धिक और मानसिक विकास का न केवल प्रयास करते, वरन उसे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित भी करते। उनका ऐसा ही एक लाड़ला विद्यार्थी मैं भी था।

गौरव वाजपेयी 'स्वप्निल'
साहित्यकार

लेखन में मुझ पर शुरुआत से ही मां सरस्वती की बड़ी कृपा रही थी, किंतु मेरा स्वभाव उस समय तक बड़ा अंतर्मुखी था। सार्वजनिक मंच से बोलने में मेरी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती थी। कितनी भी अच्छी तैयारी क्यों न की हो, लोगों की अपनी ओर केन्द्रित निगाहें मुझे असहज कर देती थीं। मुझे लगता है शुरुआत में ऐसा सभी के साथ होता है। उस समय खाड़ी युद्ध चल रहा था। प्राचार्य जी ने इसी विषय पर एक जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराने का निर्णय लिया। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम्हें इस प्रतियोगिता में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना है। मैंने कहा-"सर! मैं भाषण और वाद-विवाद आदि में उतना अच्छा नहीं हूं।" उन्होंने एक न सुनी और तैयारी करने को कहा। मैंने भी हिम्मत करके विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं का अनुशीलन कर मैटर कलेक्ट किया, उसे अपने शब्दों में बिंदुवार लिखा और प्राचार्य जी को दिखाया। पढ़कर वह बेहद खुश हुए और आशा जताई कि प्रथम पुरस्कार विजेता मैं ही होऊंगा। मैंने भी प्रतियोगिता से पहले रोज उस मैटर को कई बार दिमाग में बैठाते हुए दोहराया। प्रतियोगिता का दिन आया। जनपद के लगभग सभी विद्यालयों के प्रतिभागी आए हुए थे। बढ़िया स्टेज सजाया गया था। सभी में अत्यंत उत्साह था। मैं थोड़ा नर्वस था, किंतु उत्साहित था। सभी प्रतिभागी पूरे जोशोखरोश के साथ अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। सात-आठ प्रतिभागियों के बाद मेरा नाम पुकारा गया। मैं मां सरस्वती का स्मरण करते हुए स्टेज पर पहुंचा। मैंने मां सरस्वती को प्रणाम करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि आदि को अभिवादन करते हुए बोलना शुरू किया। जैसे ही मेरी नजर सामने बैठे हुए श्रोताओं पर गई, मैं असहज महसूस करने लगा और मेरे मुंह से आवाज निकलनी बंद हो गई। ऐसा लग रहा था जैसे मुझे कुछ भी याद न रहा हो। प्राचार्य जी मेरा उत्साह बढ़ाते हुए बोले-"बहुत अच्छी शुरुआत है बेटा! आगे जारी रखो।" पर मेरी कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। मैं रुआंसा सा हो गया। रुंधे गले से सॉरी कहकर मैं स्टेज से नीचे उतर आया। प्राचार्य जी ने स्टेज पर माइक से कहा-"हमारे विद्यालय का सबसे मेधावी छात्र है, बहुत अच्छा लिखता है। भाषण की कला का वरदान मां सरस्वती सभी को नहीं देतीं।" उनके ये शब्द मेरे बालमन में तीर की तरह जा लगे थे। घर आकर मैं बहुत रोया। अपनी पराजय का एहसास मुझे बार-बार हो रहा था और प्राचार्य जी के शब्द मेरे कानों में बार-बार गूंज रहे थे। मैं समझ रहा था कि उन्हें भी मेरे स्टेज पर न बोल पाने से बेहद तकलीफ हुई होगी। उसी वेदना में ये शब्द उनके श्रीमुख से निकले थे। अगले दिन विद्यालय में मैं उनके कक्ष में जाकर उनसे मिला और क्षमा मांगी। उन्होंने कहा-"गौरव! दुःख इस बात का है कि तुमने इतनी अच्छी तैयारी की थी, किंतु आत्मविश्वास के अभाव में तुम घबरा गए। अरे! जब कभी भी भीड़ के सामने बोलो, कभी यह मत सोचो कि सामने सब विद्वान बैठे हैं। हमेशा यह सोचो कि सामने वाले को कुछ नहीं पता और तुम इस विषय को सबसे अच्छी तरह जानते हो। कभी घबराहट नहीं होगी।" उनके वे शब्द उसी समय मैंने गांठ बांध लिए। मैंने उसी समय संकल्प लिया कि भाषण कला में अभ्यास करते हुए पारंगत होना है। उसके बाद मैंने कभी भी सार्वजनिक मंच से बोलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा। धीरे-धीरे स्टेज फियर बिल्कुल गायब हो गया। प्राचार्य जी के शब्द मेरे लिए वरदान सिद्ध हुए और उनका सुझाव मेरे जीवन का मागदर्शक सिद्धांत।

अमिताभ बच्चन के पहले गुरु फ्रैंक ठाकुर दास

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ी मल कॉलेज (केएमसी) के विशाल परिसर में कदम रखते ही फ्रैंक ठाकुर दास सभागार नजर आता है, जो उस महान शिक्षक को श्रद्धांजलि है, जिनका रंगमंच और शिक्षा के प्रति जुनून बेजोड़ था। यदि उनकी प्रेरणा न होती, तो शायद एक लंबा-दुबला बीएससी का छात्र कभी मंच पर न आता और दुनिया का अमिताभ बच्चन जैसे आइकन से परिचय नहीं होता।

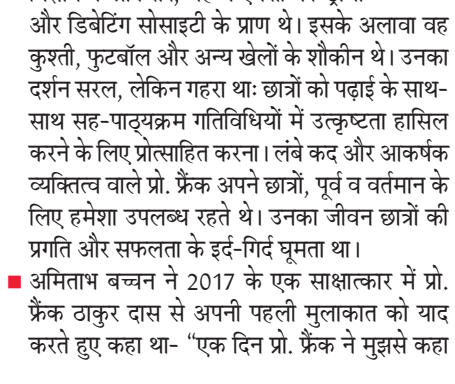

■ अमिताभ बच्चन 1959 से 1962 तक केएमसी में छात्र थे, जब उनके पिता, प्रख्यात हिंदी विद्वान डॉ. हरिवंश राय बच्चन, विदेश मंत्रालय में हिंदी अधिकारी थे। तीन वर्षों तक केएमसी हॉस्टल का कमरा नंबर 66 उनका घर रहा। यहीं उनकी मुलाकात प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से हुई, जो पंजाब के गुरदासपुर के रहने वाले थे, जिन्होंने उनकी जिंदगी को नया मोड़ दिया। फ्रैंक ठाकुर दास बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। पेशे से राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर, वह केएमसी की ड्रामा और डिबेटिंग सोसाइटी के प्राण थे। इसके अलावा वह कुश्ती, फुटबॉल और अन्य खेलों के शौकीन थे। उनका दर्शन सरल, लेकिन गहरा था: छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना। लंबे कद और आकर्षक व्यक्तित्व वाले प्रो. फ्रैंक अपने छात्रों, पूर्व व वर्तमान के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। उनका जीवन छात्रों की प्रगति और सफलता के इर्द-गिर्द घूमता था।

■ अमिताभ बच्चन ने 2017 के एक साक्षात्कार में प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा था- "एक दिन प्रो. फ्रैंक ने मुझसे कहा कि मुझे तुरंत कॉलेज की ड्रामा सोसाइटी में शामिल होना चाहिए"। उस पहली मुलाकात से ही वह मेरे गुरु बन गए। उनके मार्गदर्शन में मैंने रंगमंच की बारीकियां सीखीं। जैसे मंच पर आवाज का उतार-चढ़ाव और अभिनय में भावनाओं का क्या महत्व होता है।"

■ प्रो. फ्रैंक स्वयं एक उत्कृष्ट अभिनेता और निर्देशक थे, जिन्होंने अमिताभ को पूरे समर्पण से मार्गदर्शन दिया। फ्रैंक के मार्गदर्शन में अमिताभ ने रंगमंच में उत्साह के साथ हिस्सा लिया और हिंदी व अंग्रेजी नाटकों में अभिनय किया। केएमसी ड्रामा सोसाइटी एक शक्तिशाली मंच बन गई, जो न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय में, बल्कि पूरे शहर में नाटकों का मंचन करती थी। अमिताभ इस जीवंत रंगमंच समुदाय का अभिन्न हिस्सा थे। प्रो. फ्रैंक ने तो उन्हें मिरांडा हाउस, एक महिला कॉलेज में एकल नाटक के लिए भी सिफारिश की थी, जिसे अमिताभ मुस्कुराते हुए याद करते हैं।

■ फ्रैंक ठाकुर दास का प्रभाव केवल अमिताभ तक सीमित नहीं था। उन्होंने सतीश कौशिक, कुलभूषण खरबंदा और कबीर खान जैसे केएमसी के पूर्व छात्रों की पीढ़ी को प्रेरित किया, जिन्होंने अभिनय और फिल्म निर्माण में अपनी पहचान बनाई। उनकी अपने छात्रों के प्रति प्रतिबद्धता असीम थी। वह जरूरत पड़ने पर उनकी आर्थिक मदद करते और कक्षाओं के बाद घंटों नाटकों का अभ्यास करवाते। एक कार्यनिष्ठ और बेहतरीन पंजाबी गायक, फ्रैंक ने केएमसी की डिबेटिंग और संगीत सोसाइटी को भी संवारा, जिससे कॉलेज की सांस्कृतिक विरासत पर अमिट छाप छोड़ी।

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

■ दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक ने एक बार इस लेखक से कहा था, "1970 के दशक में जब मैं केएमसी में आया, फ्रैंक सर एक विशाल व्यक्तित्व थे। यह जानकर मैं चकित था कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को पढ़ाया था। वह अपनी उपलब्धियों पर कभी घमंड नहीं करते थे। यही उनकी खासियत थी। उन्होंने मुझे रंगमंच की बारीकियां उसी समर्पण से सिखाईं, जो वह सभी को देते थे।"

■ केएमसी समुदाय को फ्रैंक ठाकुर दास के योगदान पर गर्व है। 2019 में अमिताभ बच्चन, सतीश कौशिक और कबीर खान ने फ्रैंक ठाकुर दास सभागार के जीर्णोद्धार के लिए धन संग्रह कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जो खराब हालत में था। अमिताभ ने 51 लाख रुपये का दान दिया, ताकि सभागार का भव्य पुनर्निर्माण हो सके। फ्रैंक के अन्य छात्रों ने भी योगदान दिया, जो उनके प्रति सम्मान को दर्शाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,500 .82	25,285 .35
बढ़त	+328 .72	+103 .55
प्रतिशत में	0 .40	0 .41

सोना 1,26,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,71,500 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

न्यूज ब्रीफ

म्यूचुअल फंड में निवेश घटकर 30,421 करोड़

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश सितंबर में नौ प्रतिशत घटकर 30,421 करोड़ रुपये रहा। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) के शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार निवेश में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। इसके बावजूद यह लगातार 55वां महीना है जब इक्विटी खंड में शुद्ध रूप से निवेश बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी वाले म्यूचुअल फंड में सितंबर में 30,421 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त के 33,430 करोड़ रुपये और जुलाई के 42,702 करोड़ रुपये से काफी कम है। इक्विटी फंड श्रेणियों में, सबसे अधिक योगदान फ्लेक्सी कैप फंड्स का 7,029 करोड़ रुपये रहा।

सेंसेक्स 329 अंक उछला, निफ्टी में तेजी

मुंबई। दवा कंपनियों और बैंकों के शेयरों में लिवाली और विदेशी कोषों के समर्थन से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स लगभग 329 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 104 अंकों की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 328 .72 अंक यानी 0 .40 प्रतिशत बढ़कर 82,500 .82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 482 .01 अंक बढ़कर 82,654 .11 के स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि आठ शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 103 .55 अंक यानी 0 .41 प्रतिशत बढ़कर 25,285 .35 अंक पर बंद हुआ।

एयर इंडिया ने गुरुग्राम में शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली। एयर इंडिया और यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस ने गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया उड्डयन प्रशिक्षण अकादमी में एक अत्याधुनिक पायलट प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया है। यह केंद्र दोनों कंपनियों की बराबर-बराबर की हिस्सेदारी वाला साझा उद्यम है। इस केंद्र में एक दशक में 5,000 से ज़्यादा पायलटों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। इससे भारत के तेज़ी से बढ़ते विमानन क्षेत्र को कुशल पायलटों की उपलब्धता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

भारत का अपना स्वदेशी एआई मॉडल फरवरी तक होगा तैयार

इलेक्ट्रॉनिक्स सचिव बोले-इंडिया एआई समिट तक पेश किए जाने की है योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा अपना कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल अगले साल फरवरी में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' से पहले तैयार हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने शुक्रवार को यहां आयोजित 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई क्षेत्र में देर से प्रवेश करने के बावजूद भारत ने अपनी कंप्यूटिंग अवसंरचना को तेजी से बढ़ाया है और 10,000 जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) के लक्ष्य के मुकाबले 38,000 जीपीयू की तैनाती की है।

उन्होंने कहा कि भारत अपने आधारभूत मॉडल तैयार कर रहा है। वर्ष के अंत तक हमें अपना पहला पूरी तरह भारतीय आधारभूत मॉडल मिलने की उम्मीद है। इंडिया एआई समिट होने तक भारत का स्वायत्त मॉडल पेश कर देने की योजना है। स्वायत्त एआई मॉडल भारत में विकसित ऐसा स्वदेशी एआई तंत्र होगा जो पूरी तरह भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा।

सरकार ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आयोजन 19-20 फरवरी को करने की घोषणा की है। कृष्णन ने कहा कि सरकार एआई के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है और ऐसे मंच विकसित करना चाहती है जो समावेशी हों। उन्होंने बताया कि सरकार क्षेत्र-विशिष्ट छोटे एआई मॉडल विकसित करने पर भी जोर दे रही है, ताकि प्रौद्योगिकी का लाभ उन क्षेत्रों तक भी पहुंचे जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

सरकार लगातार बढ़ा रही कंप्यूटिंग क्षमता : उन्होंने कहा कि सरकार लगातार कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ा रही है और भारतीय कंपनियों के लिए अधिक जीपीयू उपलब्ध कराएगी। स्वदेशी जीपीयू के विकास में प्रगति के बारे में पूछे जाने पर कृष्णन ने कहा कि यह 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' के तहत सरकार के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक होगा, जिस पर वर्तमान में चर्चा चल रही है।

देश में ही स्थित सर्वरों से होगा संचालित: इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि भारत का स्वायत्त एआई मॉडल पूरी तरह भारतीय डेटा सेट पर प्रशिक्षित होगा और भारत में स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार 12 घरेलू कंपनियों को समर्थन दे रही है और इनमें से दो के आधारभूत मॉडल इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएंगे।

टीसीएस ने लंदन में एआई हब, डिजाइन स्टूडियो पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को लंदन में एक कृत्रिम मेधा (एआई) अनुभव क्षेत्र और डिजाइन स्टूडियो पेश करने की घोषणा की। कंपनी ने साथ ही कहा कि ब्रिटेन में उसके निवेश से अगले तीन वर्षों में 5,000 रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। टीसीएस इस समय ब्रिटेन में 42,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देती है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उसने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 3 .3 अरब पाउंड का योगदान दिया। टीसीएस ने आज लंदन में एक एआई अनुभव क्षेत्र और डिजाइन स्टूडियो के शुभारंभ की घोषणा की, जो ब्रिटेन में उसके लगातार रणनीतिक निवेश की पुष्टि करता है। सितंबर में पेश किए गए न्यूयॉर्क डिजाइन स्टूडियो के बाद, लंदन स्टूडियो टीसीएस का दूसरा डिजाइन केंद्र है। ब्रिटेन और आयरलैंड के लिए टीसीएस के प्रमुख विनय सिंघवी ने कहा कि ब्रिटेन वैश्विक स्तर पर टीसीएस का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और कंपनी पूरे देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाना जारी रखेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 699.96 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.05 अरब डॉलर घटकर 577.71 अरब डॉलर रही।

डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 3.75 अरब डॉलर बढ़कर 98.77 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.81 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.66 अरब डॉलर रहा।

बैंकों में एमडी और ईडी बन सकते हैं निजी क्षेत्र के लोग

- सरकार ने शीर्ष प्रबंधन पदों को निजी क्षेत्र के लिए खोला

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शीर्ष प्रबंधन पदों को निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिए खोल दिया है। एसबीआई में प्रबंध निदेशक (एमडी) के चार पदों में एक पद निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए खुला है। अब तक सभी एमडी और चेयरमैन पदों पर आंतरिक उम्मीदवारों की नियुक्ति हुई है। संशोधित नियुक्ति दिशानिर्देशों के अनुसार अब निजी क्षेत्र के लिए एक एमडी पद उपलब्ध होगा। इसी प्रकार, संशोधित दिशानिर्देशों के तहत निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कार्यकारी निदेशक (ईडी) पद के लिए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। एसबीआई के अलावा, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया सहित 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने संशोधित दिशानिर्देश जारी किए। इसके अनुसार निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों के पास न्यूनतम 21 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसमें कम से कम 15 वर्ष का बैंकिंग अनुभव और बैंक बोर्ड स्तर पर कम से कम दो वर्ष का अनुभव शामिल है। सार्वजनिक क्षेत्र के पद के लिए पात्र उम्मीदवार ऐसी रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इन दिशानिर्देशों के लागू होने की तिथि से एसबीआई के एमडी का पहला पद रिक्त माना जाएगा। पहली रिक्ति भरने के बाद आगामी रिक्तियों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में काम कर रहे पात्र उम्मीदवारों द्वारा भरा जाएगा। राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशकों (ईडी) के संबंध में प्रत्येक बैंक में एक पद सभी पात्र उम्मीदवारों के लिए खुला होगा, जिसमें निजी क्षेत्र के उम्मीदवार भी शामिल हैं। बड़े राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशकों (ईडी) के चार पद हैं, जबकि छोटे बैंकों में दो पद हैं।

कंपनियों के निजीकरण के फैसले को करें रद्द

- एआईपीईएफ ने उत्तर प्रदेश सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने शुक्रवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की दो वितरण कंपनियों के निजीकरण के फैसले को रद्द करने का आग्रह किया। संगठन ने मांग की है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मसौदा विधेयक के प्रावधानों के आलोक में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के फैसले को तुरंत रद्द करें, जो पूर्ण निजीकरण की नीति का खंडन करता है।

इसमें कहा गया है कि एआईपीईएफ ने पूरे बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी किए गए बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 के मसौदे का कड़ा विरोध किया है।

वेदांता समूह के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी वायसराय रिसर्च के वेदांता समूह की कंपनियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के आग्रह वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने पूछा कि भारत के बाहर की कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं?' न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने शक्ति भाटिया नामक एक वकील की जनहित याचिका को खारिज कर दिया।

भरोसे के शासन को आधुनिक कर ढांचा जरूरी

- कारोबारी सुगमता और जीवनयापन होगा आसान : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने शुक्रवार को कहा कि स्वैच्छिक अनुपालन, पारदर्शिता और निष्पक्षता सहित विश्वास आधारित शासन के लिए एक आधुनिक कर ढांचा स्थापित करने की जरूरत है। आयोग ने भारत के कर रूपांतरण की ओरः अपराध-मुक्त करने और विश्वास-आधारित शासन शीर्षक वाले एक कार्य पत्र में यह बात कही। इसमें आगे कहा गया कि भारतीय कर ढांचे को 2047 तक विकसित भारत बनाने और विकास, समावेशन तथा विश्वास के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। इसमें यह भी कहा गया कि कारोबारी सुगमता और जीवनयापन में आसानी को बढ़ाने के लिए एक आधुनिक, पूर्वानुमानित और नागरिक केंद्रित कर प्रणाली जरूरी है। आयोग के अनुसार सरकार को पारदर्शी कराधान - ईमानदार का सम्मान और जन विश्वास अधिनियम (2023) जैसे मंचों पर ध्यान देना चाहिए, जिसका मकसद अनुपालन बोझ को कम करना है। आयोग ने यह भी बताया कि अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए और समय-समय पर उनकी समीक्षा की जानी चाहिए।

पत्र में यह भी कहा गया कि सजा की गंभीरता अपराध की गंभीरता के अनुसार होनी चाहिए, ताकि छोटे-मोटे उल्लंघनों के लिए अत्यधिक दंड से बचा जा सके।

सजा को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली। कर कानूनों में सुधार और कारोबार में सरलता के उपायों के तहत 2025 का आयकर अधिनियम कई तरह के पुराने आपराधिक सजा वाले प्रावधानों को खत्म करा चुका है और अभी इसमें 13 प्रावधानों में 35 प्रकार के कार्यों और गलतियों को आपराधिक कार्य की श्रेणी में रखा गया है। नीति आयोग की कर नीति द्वारा नीति पर कार्य-पत्र श्रृंखला के तहत गुरुवार को जारी दूसरे दस्तावेज में उपरोक्त तथ्य को रेखांकित किया गया है। इस दस्तावेज का विषय है डिक्रिमिनलाइजेशन एंड ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस। दस्तावेज में दंडों को तर्कसंगत बनाने, छोटे और प्रक्रियात्मक गैर-अनुपालन को गैर-आपराधिक बनाने और न्यायिक विवेक को मजबूत करने के लिए एक सिद्धांत-आधारित ढांचे का प्रस्ताव किया गया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर. सुब्रमण्यम ने कहा कि ऐसे सुधारों से मुकदमेबाजी कम होगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

राष्ट्रीय

मानसिक स्वास्थ्य समग्र कल्याण का मूल

प्रधानमंत्री मोदी ने मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को मुख्यधारा में लाने पर दिया बल

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अपने संदेश में एक ऐसा माहौल बनाने का आह्वान किया जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत अधिक से अधिक मुख्यधारा में आए। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस इस बात की पुरजोर याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि तेज गति से भागती दुनिया में, यह दिन दूसरों के प्रति करुणा दिखाने और उसे बढ़ाने के महत्व को रेखांकित करता है। मोदी ने लिखा कि आइए हम सामूहिक रूप से ऐसा माहौल बनाने के लिए काम करें जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत ज्यादा से ज्यादा मुख्यधारा में आए। इस क्षेत्र में काम करने वाले और दूसरों को स्वस्थ होने और खुशी पाने में मदद करने वाले सभी लोगों को मेरी बधाई।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का समग्र उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक करते केरल के सीएम पिनराई विजयन।

कोझिकोड में एम्स के लिए मंजूरी का आग्रह

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कोझिकोड जिले के किनालूर में एम्स की स्थापना के लिए शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया है। राज्य सरकार ने इस चिकित्सा संस्थान के लिए यह स्थान पहले ही चिन्हित कर लिया है। दिल्ली में पत्रकारों से विजयन ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से कोझिकोड में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के लिए अंतिम मंजूरी शीघ्र देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने मोदी और नड्डा से यह अनुरोध ऐसे समय में किया है जब केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने हाल ही में अलप्पुझा में एम्स स्थापित करने का आह्वान किया था।

कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां कृषि क्षेत्र के लिए 35,440 रुपये के व्यय वाली 'पीएम धन धान्य कृषि योजना' समेत दो बड़ी योजनाएं शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि वह यहां भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के एक 'विशेष' कार्यक्रम में भाग लेंगे और किसानों के साथ बातचीत भी करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह कार्यक्रम किसान कल्याण, कृषि आत्मनिर्भरता और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को बताता है। पीएम धन धान्य कृषि योजना का परिव्यय 24,000 करोड़ रुपये है। मोदी 11,440 करोड़ रुपये के दलहन में 'आत्मनिर्भरता मिशन' भी शुरू करेंगे। वह कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जबकि लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

कुमार सोलंकी पर रिश्वतखोरी का आरोप, चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को मेरठ स्थित केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के अतिरिक्त निदेशक डॉ. अजय कुमार, कार्यालय अधीक्षक लवेश सोलंकी, और एक निजी व्यक्ति रईस अहमद के खिलाफ रिश्वतखोरी के एक मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है। यह मामला 12 अगस्त को मेरठ के एक निजी अस्पताल समूह की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि सीजीएचएस के दो सरकारी अधिकारी अस्पतालों को सूची से डी-एम्पैनल (हटाने) की धमकी देकर 50 लाख की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया। जांच एजेंसी के अनुसार, बातचीत के बाद आरोपियों ने पहली किश्त के रूप में पांच लाख लेने पर सहमति जताई।

जुबिन की मौत मामले में उनके दो निजी गार्ड गिरफ्तार

- अब तक सात लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

गुवाहाटी, एजेंसी

गायक जुबिन गर्ग की पिछले महीने सिंगापुर में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के सिलसिले में शुक्रवार को उनके दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को गिरफ्तार किया गया। इसी के साथ जुबिन की मौत से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या सात हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार की ओर से जुबिन की सुरक्षा में तैनात नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य को असम पुलिस ने कई दौर की पूछताछ के बाद मंगलवार को निलंबित कर दिया। अधिकारी के मुताबिक, नंदेश्वर और परेश के बैंक खातों के माध्यम से 1.1 करोड़ रुपये से अधिक राशि का लेनदेन किया गया, जिससे संदेह पैदा हुआ। उन्होंने बताया कि दोनों को गुवाहाटी की एक अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें पांच दिन के लिए सीआईडी की हिरासत में भेज दिया।

जुबिन की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने गुरुवार को कहा था कि उनके पति ने अपने दो पीएसओ को सामाजिक कार्य के लिए कुछ पैसे दिए थे। गिरफ्तार पीएसओ नंदेश्वर और परेश लंबे समय से जुबिन के साथ थे। जुबिन को लगभग एक दशक पहले प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा से हत्या की धमकी मिली थी, जिसके बाद असम पुलिस ने उन्हें गायक की सुरक्षा में तैनात किया था। इससे पहले, 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजक श्यामकानु महंत, जुबिन के चचेरे भाई संदीपन गर्ग, उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, संगीतकार शेखरज्योति गोस्वामी और गायक अमृतप्रभा महंत को मामले में गिरफ्तार किया गया था। असम पुलिस सेवा के अधिकारी संदीपन को मामले में गिरफ्तारी के बाद निलंबित कर दिया गया था।

आतंकी संगठनों से जुड़े मददगारों के घरों पर छापे

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रहे मामलों की जांच के सिलसिले में शहर के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के 21 मददगारों के घरों पर मारे गए। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी में मजिस्ट्रेटों और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में पूरी कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार की गई। यह कार्रवाई आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने और अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाना और दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य साक्ष्य जब्त करना था।

बुर्के वाली महिलाओं का सत्यापन करेंगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

- बिहार चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी।

निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर या पर्दे में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान ''गरिमापूर्ण'' तरीके से सत्यापित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि 'पर्दा-नशीं' महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महिला मतदान अधिकारियों या परिचारिकाओं की उपस्थिति में ''गरिमापूर्ण तरीके से उनकी पहचान'' सत्यापित करने के उसके निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्रों पर ''विशेष व्यवस्था'' की जाएगी तथा उनकी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि बुर्का पहनकर आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में मदद के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिहार के सभी मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगी। कुमार ने घूंघट और बुर्का पहनी महिलाओं के बारे में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि मतदान केंद्रों के अंदर पहचान सत्यापित करने के बारे में आयोग के स्पष्ट दिशानिर्देश हैं और उनका सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''बुर्काधारी महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर हमारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तैनात रहेंगी।

12 वैकल्पिक पहचान पत्रों से दे सकेंगे वोट

पटना। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि जिन मतदाताओं के पास मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नहीं है, वो इस विधानसभा चुनाव में 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर मतदान कर सकेंगे। आयोग ने यह व्यवस्था उन मतदाताओं की सुविधा के लिए की है जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज तो है, लेकिन किसी कारणवश वे अपना ईपीआईसी प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं।

आईपीएस आत्महत्या मामले की जांच को एसआईटी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार की 'आत्महत्या' के मामले की समयबद्ध तरीके से 'त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच' के लिए शुक्रवार को छह सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

एसआईटी का नेतृत्व चंडीगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पुष्पेंद्र कुमार करेंगे। एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक इस एसआईटी में चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवरदीप कौर, पुलिस अधीक्षक (नगर) के एम प्रियंका, डीएसपी चरणजीत सिंह विर्क और अन्य अधिकारी गुरजीत कौर व जयवीर राणा सदस्य होंगे।

आभूषण कंपनी के कार्यालयों पर छापा

- बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने की कार्रवाई

कोलकाता, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को कोलकाता में विभिन्न स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। एक आभूषण कंपनी द्वारा कथित तौर पर फर्जी ऋण अधिग्रहण के माध्यम से 1,200 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में छापे मारे गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने आभूषण कंपनी के मालिकों और कई कर्मचारियों के न्यू अलीपुर, गिरीश पार्क और शरत बोस रोड इलाके में स्थित आवासों पर छापेमारी की। अधिकारी ने बताया कि ये छापे मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने के लिए मारे गए। उन्होंने बताया कि उत्तरी कोलकाता के गिरीश पार्क इलाके में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के आवास पर भी छापेमारी की गई। उन्होंने कहा कि यह माना जा रहा है कि इस व्यक्ति ने इस धोखाधड़ी योजना में अहम भूमिका निभाई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि ये छापे वित्तीय कदाचार को जड़ से खत्म करने के लिए कया गया है।

सौ करोड़ के साइबर घोटाले में चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय (पीओसी) से जुड़े एक साइबर घोटाले की जांच के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मकबूल अब्दुल रहमान डॉक्टर, काशिफ मकबूल डॉक्टर, महेश मफतलाल देसाई और ओम राजेंद्र पांड्या के रूप में हुई है। इन्हें अहमदाबाद की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया।

बंगाल के मंत्री समेत सात ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। ईडी ने शुक्रवार को यहां सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें पश्चिम बंगाल के मंत्री सुजीत बोस से जुड़ी संपत्तियां भी शामिल हैं। यह कार्रवाई नगर पालिका में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई। ईडी की टीम ने साल्ट लेक स्थित मंत्री के आवास-सह-कार्यालय, नगर बाजार इलाके में एक पार्षद के आवास पर छापेमारी की।

शेरी बनीं भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शेरी सिंह ने मनीला में गुरुवार को मिसेज यूनिवर्स 2025 का खिताब जीता। यह पहली बार है जब किसी भारतीय ने यह प्रतिष्ठित वैश्विक खिताब जीता है।

मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता के 48वें संस्करण का आयोजन फिलीपींस की राजधानी मनीला में किया गया था, जिसमें दुनिया भर के देशों की कुल मिलाकर 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। शेरी ने मिसेज इंडिया 2025 जीतने के बाद भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मनीला में अपनी शालीनता और वाकपटुता से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी महिला सशक्तीकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की प्रभावशाली दलीलों से भी निर्णायक काफी प्रभावित नजर आए।

ये सीमाओं से परे देखने वाली हर महिला की जीत

शेरी सिंह ने अपने ताजपोशी के बाद कहा, यह जीत सिर्फ मेरी जी नहीं है, बल्कि यह हर उस महिला की जीत है जिसने अपने जीवन में कभी सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत की है। मैं दुनिया को दिखाना चाहती थी कि दयालुता ही सच्ची सुंदरता को परिभाषित करती है। इस प्रतियोगिता में सेंट पीटर्सबर्ग की प्रतिभागी प्रथम रनर-अप और फिलीपींस की प्रतिभागी द्वितीय रनर-अप रहीं।

युद्ध शुरू होने से युद्धविराम तक

फिलिस्तीन और इजराइल के बीच दुश्मनी का वैसे तो पुराना इतिहास है लेकिन दोनों के बीच नया टकराव 7 अक्टूबर 2023 को तब शुरू हुआ गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने इजराइल पर बड़े पैमाने पर अचानक हमला किया। इस हमले में हमास ने सीमा पार से इजराइल में घुसपैठ कर कई इजराइली नागरिकों और सैनिकों की हत्या कर काफी संख्या में उन्हें बंधक भी बना लिया। इजराइल ने इसे ब्लैक सैटरडे कहा और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। दिसंबर 2023 में इजराइल गाज़ा में जमीनी और हवाई हमले शुरू किए। इसी के साथ गाजा में तबाही का अनवरत दौर शुरू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से संघर्ष विराम होने तक गाजा के निवासियों ने इस युद्ध की भारी कीमत चुकाई है। स्वतंत्र राष्ट्र बनने का सपना देख रहा यह क्षेत्र हजारों लोगों की मौत होने के साथ मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

गाजा : मलबे का ढेर

बुनियादी ढांचा तबाह

- वर्ल्ड बैंक और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लगभग 18 .5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है।

स्वास्थ्य-शिक्षा बर्बाद

- करीब 94 प्रतिशत स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। लगभग 100 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर हैं, क्योंकि गाजा में 91 .8% स्कूलों की इमारत मलबे में बदल गए हैं।

गाजा पर इजराइल के हमले और लोगों का हाल

- ओसीएचए के अनुसार 2025 के पहले नौ महीनों में गाजा में इजराइल ने 12,00 से ज्यादा हमलों का रिकॉर्ड बनाया है।
- लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित होकर तुलकरम, नूर शम्स और जेनिन के टेंट में बनाए गए शिविरों में रह रहे हैं।
- स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों के मुताबिक इजराइल के हमलों में 70 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।
- हमलों में 17,000 से ज्यादा पेड़ों के नष्ट होने की रिपोर्ट है। प्रमुख रूप से होने वाली जैतून की खेती भी नष्ट हो गई।

बच्चों और महिलाओं पर टूटा सबसे ज्यादा कहर

- संयुक्त राष्ट्र उपग्रह केंद्र के विश्लेषण के मुताबिक गाजा शहर में 83 प्रतिशत इमारतें मलबे के ढेर में बदल चुकी हैं।
- गाजा में लगभग 81,000 आवासीय इकाइयां इजराइली हवाई हमलों और जमीनी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुई हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गाजा में लगभग 42,000 फिलिस्तीनी जीवन बदल देने वाली चोटों से ग्रस्त हुए हैं।
- इन घायलों में से करीब एक चौथाई बच्चे हैं और 5,000 से ज्यादा लोगों के अंग विच्छेदन के मामले दर्ज किए गए हैं।

विस्थापन और मानवीय संकट

- करीब 22 लाख आबादी वाले गाजा के 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं और पूरी आबादी को भोजन और मानवीय सहायता के लिए तरस रही है। आधे से अधिक आबादी अकाल के कगार पर है।

अर्थव्यवस्था का नुकसान

- फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है, जीडीपी में 6 .9 बिलियन डॉलर के नुकसान का अनुमान है। गरीबी दर 60% से अधिक बढ़ सकती है। साथ ही 2,00000 से अधिक नौकरियां चली गई हैं।

हर तरफ भुखमरी का तांडव

- संयुक्त राष्ट्र के एक नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि दो साल से जारी युद्ध और भोजन की भारी कमी के कारण गाजा में पांच साल से कम उम्र के 55,000 से ज्यादा बच्चे जानलेवा हद तक कुपोषण का शिकार हैं। यह संख्या करीब 16 प्रतिशत है।
- इनमें से 12,800 से अधिक बच्चों को गंभीर रूप से प्रभावित बताया गया है। जिनकी मौत का खतरा काफी बढ़ गया है। द लैंसेट पत्रिका में इसी बुधवार को प्रकाशित यह अध्ययन गाजा पट्टी के करीब 2,20,000 बच्चों की जांच पर आधारित था।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान को मिसाइल नहीं देगा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका ने पाकिस्तान को हवा से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की नयी उन्नत मिसाइल (एएमआरएएएम) की आपूर्ति करने का दावा करने वाली खबरों का खंडन किया है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम पर हाल ही में किए गए अनुबंध संशोधन में केवल रखरखाव और कलपुर्जे शामिल हैं, इसमें नई मिसाइलों की आपूर्ति नहीं है। अमेरिका के युद्ध विभाग की 30 सितंबर को जारी मानक अनुबंध घोषणाओं की एक सूची में पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में संशोधन का उल्लेख था।

ट्रंप का फिर भारत-पाक संघर्ष रुकवाने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने का दावा दोहराया है। ट्रंप पिछले कुछ महीने से कई युद्धों को रुकवाने का श्रेय लेते हुए नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी भी कर रहे थे, हालांकि नॉर्वे नोबेल समिति की घोषणा में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को शांति का नोबेल देने की घोषणा की गई। इस घोषणा से पहले शुक्रवार को जब एक संवाददाता ने ट्रंप से इस पुरस्कार को जीतने की संभावना के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता। यह जरूर कहा कि उन्होंने आठ संघर्ष विराम कराए हैं और युद्धों का हल निकाला है।

जापान : कोमेइतो पार्टी ने सत्तारूढ़ गठबंधन छोड़ा

टोक्यो। जापान की कोमेइतो पार्टी के प्रमुख ने कहा है कि भ्रष्टाचार से जुड़ी चिंताओं के कारण वह लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हो रहे हैं। कोमेइतो नेता तेत्सुओ सेइतो द्वारा शुक्रवार को घोषित निर्णय लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के लिए एक बड़ा झटका है। ताकाइची अभी भी जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बन सकती हैं, लेकिन बौद्ध समर्थित कोमेइतो के साथ छोड़ देने से लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को सत्ता में बने रहने के लिए कम से कम एक अन्य सहयोगी खोजना पड़ेगा।

पेरु में जोस जेरी ओरे नए राष्ट्रपति चुने गए

लीमा। पेरु में राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के त्यागपत्र के बाद संसद ने जोस जेरी ओरे को नया राष्ट्रपति चुना है। स्थानीय मीडिया के अनुसार बोलुआर्ते कुछ दिनों से भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोपों का सामना कर रही थीं। उनको पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव संसद में लाया गया था। मतदान में उनके खिलाफ 122 मत डाले गए। मतदान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर काम कर रहे जोस जेरी ओरे को नया राष्ट्रपति चुन लिया गया।

इजराइल ने गाजा में युद्धविराम शुरू होने से पहले की जी भरके गोलाबारी

इजराइली सैनिकों ने शुरू की वापसी, नेतन्याहू ने दी बंधकों की रिहाई को मंजूरी

वादी गाजा, एजेंसी

इजराइली सेना ने शुक्रवार को एलान किया कि गाजा पट्टी के लिए हमास के साथ युद्धविराम समझौता दोपहर से लागू हो गया है। यह घोषणा इजराइल के मंत्रिमंडल की ओर से गाजा पट्टी में युद्धविराम, शेष बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की ट्रंप की योजना को मंजूरी देने के कुछ घंटों बाद आई। हालांकि युद्धविराम शुरू होने से ऐन पहले तक इजराइल ने गाजा पर जी भरकर गोलाबारी की।

युद्धविराम की खबरों के बीच मध्य गाजा के वादी गाजा में इकट्ठा हुए हजारों लोग स्थानीय समयानुसार दोपहर में सेना की घोषणा के बाद उत्तर की ओर चल पड़े। इससे पहले, फिलिस्तीनियों ने शुक्रवार सुबह पूरे गाजा में भारी गोलाबारी की सूचना दी थी। यह संघर्षविराम दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसने गाजा के अधिकतर हिस्सों को मलबे में तब्दील कर दिया, पश्चिम एशिया को अस्थिर कर रखा था।

इजराइली सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि सैनिकों ने शुक्रवार दोपहर तक तैनाती रेखा पर वापसी पूरी कर ली थी, जो युद्ध विराम के आधिकारिक रूप से लागू होने के कुछ घंटों बाद की बात है। इससे पहले वापसी की संवेदनशीलता के कारण नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना अपनी नई स्थिति में गाजा के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखेगी। गोलाबारी तड़के तक जारी रही। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद गाजा निवासियों ने शुक्रवार सुबह तक गोलाबारी तेज होने की सूचना दी।

मध्य गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर में, गाजा शहर से विस्थापित होकर वहां शरण लिए कई लोगों में से एक महमूद शार्कावी ने बताया कि तड़के तोपखाने की गोलाबारी तेज हो गई। शार्कावी ने कहा, आज गोलाबारी में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि मध्य गाजा के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले सैन्य विमान भी उड़ रहे थे। उत्तरी गाजा में लोगों ने बताया कि बमबारी तड़के से ही जारी थी।

युद्धविराम के बाद उत्तरी गाजा की ओर लौटते विस्थापित फिलिस्तीनी।

ट्रंप की शांति योजना में कई प्रश्नों के जवाब नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित व्यापक योजना में कई अनुत्तरित प्रश्न शामिल हैं, जैसे कि हमास निरस्त्रीकरण करेगा या नहीं और कैसे करेगा तथा गाजा पर शासन कौन करेगा। इन सवालों के बावजूद, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को एक टेलीविजन बयान में कहा कि अगले चरण में हमास को निरस्त्र और गाजा को विसैन्यीकृत कर दिया जाएगा। नेतन्याहू ने कहा, अगर यह आसान तरीके से हो जाता है, तो ठीक है। अगर नहीं तो इसे कठिन तरीके से हासिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमास इस समझौते पर तभी राजी हुआ जब उसे लगा कि तलवार अब भी उसकी गर्दन पर लटक रही है।

हमास ने कहा- अब फिलिस्तीनी राष्ट्र पर केंद्रित करेंगे ध्यान

हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख वार्ताकार ने बृहस्पतिवार को एक संबोधन में युद्धविराम समझौते के मुख्य तत्वों को रेखांकित किया। खलील अल-हय्या ने कहा कि इजराइली जेलों में बंद सभी महिलाओं और बच्चों समेत 2000 फिलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा। अल हय्या ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि युद्ध समाप्त हो गया है। हमास तथा फिलिस्तीनी गुट अब आत्मनिर्णय और फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

अमेरिका निगरानी के लिए इजराइल भेजेगा 200 सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिका इजराइल और हमास के बीच गाजा युद्धविराम समझौते की निगरानी के लिए इजराइल में लगभग 200 सैनिक भेज रहा है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि टास्क फोर्स समझौते की निगरानी कर सुनिश्चित करेगी कि कोई उल्लंघन न हो। अधिकारी के अनुसार, मिस्र, कतर और तुर्की सशस्त्र बलों के सदस्य अमेरिकी टीम में शामिल होंगे। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि टास्क फोर्स गाजा में नहीं होगी।

रूस ने कीव में आवासीय इमारतों को बनाया ड्रोन और मिसाइलों का निशाना

कीव, एजेंसी

रूस के हमलों के बाद कई इमारतों में लगी आग को बुझाते यूक्रेन के बचावदल।

रूस की ओर से शुक्रवार तड़के यूक्रेन में ड्रोन और मिसाइल से किए गए हवाई हमलों में कीव में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। हमलों में आवासीय इमारतों को भी निशाना बनाया गया। इस दौरान देश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

देश के दक्षिण पूर्व में अलग से हुए हमलों में एक बच्चे की भी मौत हो गई। यूक्रेन की राजधानी के बीचोंबीच स्थित 17 मंजिला एक इमारत से बचाव दल ने 20 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला। इस इमारत की छठी और सातवीं मंजिल पर आग की लपटें फैल गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य को घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। कीव पर यह नया हमला रात भर चला। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूसी हमलों ने नागरिक और ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाया, जहां

- **हमलों में भारी नुकसान, देश के कई हिस्सों में बिजली गुल, 20 से ज्यादा लोग घायल**

यूक्रेन सर्दियों के लिए तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीदेन्को ने भी इस हमले को यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे के खिलाफ सबसे बड़े केंद्रित हमलों में से एक बताया। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने कहा कि शुक्रवार के हमले से शहर के दोनों ओर बिजली गुल हो गई और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई।

यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस के ताजा हमले में 465 हमलावर और झांसा देने वाले ड्रोन, विभिन्न प्रकार की 32 मिसाइलें शामिल थीं। वायु रक्षा बलों ने 405 ड्रोन और 15 मिसाइलों को रोका या जाम कर दिया। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी जापोरिज्जिया क्षेत्र में, आवासीय क्षेत्रों और ऊर्जा संयंत्रों पर हमलावर ड्रोन, मिसाइलों और बमों से हमला किया गया, जिसमें 7 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई और उसके माता-पिता और अन्य घायल हो गए।

राजनीतिक गतिरोध को खत्म करने के लिए मैक्रों जल्द करेंगे नए प्रधानमंत्री की घोषणा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों एक हफ्ते की राजनीतिक उथलपुथल के बाद जल्द नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति कर सकते हैं।

इसे आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे देश में एक साल से अधिक समय से जारी सियासी गतिरोध को हल करने की उनकी एक और कोशिश माना जा रहा है। नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति को मैक्रों के लिए अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में जान फूंकने के आखिरी मौके के तौर पर भी देखा जा रहा है, जो 2027 में समाप्त होने वाला है। मैक्रों के पास नेशनल असेंबली (संसद का निचला सदन) में बहुमत नहीं है। उन्हें न सिर्फ विपक्ष बल्कि अपने ही खेमे की भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान में सैन्य चौकियों पर हमला मारे गए 8 सैनिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार तड़के एक सैन्य चौकी और एक सुरक्षा गश्ती दल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में आठ सैनिकों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए हैं।

घटना स्थानीय समयानुसार तड़के लगभग 4:30 बजे खैबर जिले में हुई, जब आतंकवादियों ने मुख्य चौकी से लगभग 200 मीटर दूर तैनात उसी रेजिमेंट की एक चौकी और ब्लॉक पार्टी पर एक साथ हमला किया। हमलावरों ने अंडर-बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, स्नाइपर राइफल और छोटे हथियारों का इस्तेमाल किया। सुरक्षा बलों ने इसका जवाब दिया और दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सुदूर इलाके में संचार संबंधी दिक्कतों के कारण समय पर जानकारी नहीं मिल रही है। अधिकारियों ने क्षेत्र में शनिवार तक कर्फ्यू लगा दिया है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। सूत्रों ने बताया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सहित कई आतंकवादी संगठन क्षेत्र में सक्रिय हैं।

चीन के हमले का खतरा, ताइवान ने तेज किया वायुरक्षा प्रणाली निर्माण

ताइपे, एजेंसी

- **प्रणाली को ताइवान डोम दिया नाम रक्षा खर्च बढ़ाने का भी फैसला**

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चीन की ओर से हमले के खतरे के मद्देनजर 'टी-डोम' वायु रक्षा प्रणाली के निर्माण में तेजी लाने का संकल्प लिया है। लाई ने कहा कि उनकी सरकार एक ठोस रक्षा प्रणाली स्थापित करेगी जो खतरे की उच्च स्तरीय पहचान करने और उसे प्रभावी तरीके से नाकाम करने में सक्षम होगी।

'टी-डोम या 'ताइवान डोम' जाहिर तौर पर इजराइल द्वारा विकसित आयरन डोम प्रणाली से प्रेरित है। लाई ने ताइवान के राष्ट्रीय दिवस समारोह में रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत से अधिक और 2030 तक पांच प्रतिशत तक बढ़ाने का भी संकल्प लिया। ताइवान चीन के पूर्वी तट के पास एक स्वशासित द्वीप है जिस पर चीन सरकार अपना दावा करती है। उसका कहना है कि यह उसके शासन के अधीन होना चाहिए।

फिलीपींस में भूकंप के शक्तिशाली झटके, 5 की मौत

मनीला, एजेंसी

दक्षिणी फिलीपींस के पास एक ही क्षेत्र में कुछ घंटों के अंतराल पर शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप आए। भूकंप का पहला झटका सुबह में महसूस किया गया जिसकी तीव्रता 7.4 मापी गई। इसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

इसके साथ ही भूस्खलन होने से कई अस्पतालों और स्कूलों को नुकसान पहुंचा और सुनामी की चेतावनी के कारण आसपास के तटीय क्षेत्रों को खाली कराना पड़ा। हालांकि, सुनामी की चेतावनी बाद में वापस ले ली गई। दूसरे भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.9 थी। फिलीपींस के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बैकोलकोल ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप के झटके दावाओ ओरिएंटल प्रांत के मनय शहर में महसूस किए गए थे। यह भूकंप फिलीपींस ट्रेंच में 10 किलोमीटर की गहराई पर हुई हलचल के कारण आया था। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह एक अलग भूकंप था या 7.4 तीव्रता वाले भूकंप का ही एक और झटका था।

भूकंप के तीव्र झटकों से फिलीपींस में आवासीय इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा।

पिछले भूकंप से उबर नहीं पाया है फिलीपींस

फिलीपींस अभी 30 सितंबर को आए 6.9 तीव्रता के भूकंप से उबर रहा है, जिसमें कम से कम 74 लोग मारे गए थे और मध्य प्रांत सेबू, खासकर बोगो शहर और आसपास के कस्बों में हज़ारों लोग विस्थापित हुए थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 16.43 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

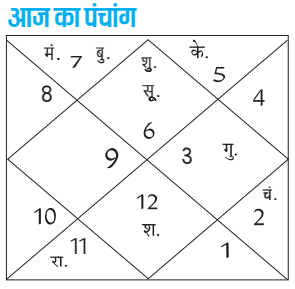

दिशाशूल-पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 15.20 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष — आज महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभालकर रखें। रिश्तेदारों से आपको मिलना पड़ सकता है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे। माता की सेहत की चिंता हो सकती है।

वृष — आज समाज में आपके अधिकार बढ़ेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। आपके सभी काम समय पर पूरे हो जाएंगे। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। जीवन में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन — आज आपके भीतर निर्भीकता का भाव रहेगा। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। व्यवसाय में गतिशीलता कम हो सकती है। किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आप दूसरों की सेवा में मन लगाएंगे।

कर्क — आज आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे। अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। पुराने संपर्कों का लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा।

सिंह — आज आपको पूर्व में किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आप किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय ले सकते हैं।

कन्या — आज पुराना लोन चुकाने में सफलता मिलेगी। बिना मांगे किसी को राय न दें। परिजन आपके विचारों और भावों को अत्यधिक महत्व देंगे। आपका दृष्टिकोण अत्यंत सकारात्मक रहेगा। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी।

तुला — आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं। अधिक शारीरिक श्रम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। घर में अकेलापन और बोरियत महसूस करेंगे। ठंडे खाद्यपदार्थों से बचे और पानी भरपूर पिएं।

वृश्चिक — आज का दिन कारोबार में अपेक्षा से अधिक लाभ की संभावनाएं निर्मित करेगा। आपके ऊपर काम का दबाव कम रहेगा। आपके सभी कार्य सफल होंगे। व्यवसाय में आपको नया प्रयोग करना चाहिए। संतान के प्रति विश्वास बनाये रखें।

धनु — आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। म्यूचुअल फंड या किसी पॉलिसी में निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सरकारी कार्यों में आपको उत्तम लाभ मिलेगा। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित कर पाएंगे।

मकर — आज आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को तरक्की के नए रास्ते मिलेंगे। सोशल मीडिया पर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे।

कुंभ — आज व्यावसायिक तनाव को घर पर न आने दें। धार्मिक अनुष्ठानों में आप विशेष रुचि लेंगे। शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। जिन लोगों पर आप आंख-मूंदकर भरोसा करते हैं, संभव है वही आपको धोखा दे दें।

मीन — आज विद्वान लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अपने मन की करें दूसरों से अधिक सलाह न लें।

सुडोकू-126

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2			9	3	7	6		
				8		2		
5		9				1		
			5	6		7		
7								8
		8						3
		2				9		6
		4		5				
3		6		2	9			5

सुडोकू - 125 का हल

7	9	8	1	6	3	5	2	4
4	2	5	7	8	9	3	6	1
3	6	1	5	4	2	8	9	7
8	3	2	4	9	5	7	1	6
9	5	7	6	3	1	2	4	8
6	1	4	8	2	7	9	5	3
1	7	9	3	5	6	4	8	2
5	8	6	2	7	4	1	3	9
2	4	3	9	1	8	6	7	5

मैं बहुत खुश हूँ। मैं इस जीत के स्तर से खुश हूँ, इस मैच को सीधे सेटों में जीतकर खुश हूँ, और अपने प्रदर्शन से वाकई बहुत खुश हूँ। वह अतीत के महान खिलाड़ियों से तुलना करने की बजाय आत्म-सुधार पर ज्यादा ध्यान देती हैं।

-आर्यना सबालेंका

स्टेडियम

अयोध्या, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शिवाजी पार्क में किया अभ्यास

मुंबई : रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शुक्रवार को मुंबई रणजी टीम के अपने पूर्व साथी अभिषेक नायर के साथ शिवाजी पार्क में लगभग दो घंटे तक अभ्यास किया। नायर कुछ समय पहले तक भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच भी थे। रोहित की जगह हाल ही में शुभमन गिल को भारतीय एकदिवसीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित 19 अक्टूबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान वापसी करेंगे।

शुभंकर की स्पेन ओपन में खराब शुरुआत

मैड्रिड : भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा 'ओपन डी एस्पाना' के पहले दिन दो ओवर 73 का निराशाजनक कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 81वें स्थान पर खिसक गए। शुभंकर ने तीन बोगी के मुकाबले एक बर्डी लगाई। उन्हें कट में प्रवेश पाने के लिए दूसरे दिन अपने खेल का स्तर ऊपर करना होगा। सैम बेयरस्टो ने अपने आखिरी पांच होल में से चार में बर्डी लगाई और उगो कुसौड के साथ पहले दौर के बाद तालिका में शीर्ष पर पहुंच गये। इंग्लैंड के बेयरस्टो और फ्रांस के कुसौड का स्कोर छह अंडर 65 हैं।

रणजी में बडोनी करेंगे दिल्ली की अगुवाई

नई दिल्ली : दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं।

आईपीएल की नीलामी दिसंबर में संभव

नई दिल्ली : आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने बीसीसीआई अधिकारियों से बात की है, ने बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा, इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

यशस्वी के शतक से भारत की शानदार शुरुआत

दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की उड़ाई धज्जियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक जड़ा, जबकि साई सुदर्शन ने भी अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश करके टीम में अपनी उपयोगिता साबित की। इससे भारत ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां दो विकेट पर 318 रन बनाए।

शुभमन गिल ने कप्तान के रूप में पहली बार टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इसका जायसवाल ने पूरा फायदा उठाया। पहले टेस्ट में बड़ा स्कोर बनाने से चूकने वाले जायसवाल दूसरे मौके को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं थे और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट लगाए। वह 253 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 173 रन बनाकर खेल रहे हैं। सुदर्शन हालांकि अपना पहला टेस्ट शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने करके 87 रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है।

सुदर्शन और जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़कर वेस्टइंडीज के कमजोर आक्रमण की कलई खोलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिन का खेल समाप्त होने के समय जायसवाल के साथ कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर खेल रहे थे। भारतीय कप्तान ने सतर्कता बरती और अभी तक उन्होंने 68 गेंद का सामना करके तीन चौके लगाए हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने अभी तक तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े हैं। केएल राहुल (38) का किस्मत ने साथ नहीं दिया। बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन की सुबह के सत्र में सिर्फ एक गेंद टर्न और बाउंस हुई जिस पर उन्होंने राहुल का कीमती विकेट हासिल किया।

वारिकन ने तीसरे सत्र में एक और टर्न लेती गेंद पर सुदर्शन को पगबाधा आउट करके वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने अब तक 60 रन देकर दो विकेट लिए हैं। उनके अलावा वेस्टइंडीज के अन्य गेंदबाज दिन भर सफलता हासिल करने के लिए तरसते रहे। भारत ने पहले सत्र में एक विकेट खोकर 94 रन बनाए थे। उसने दूसरे सत्र में बिना किसी नुकसान के 126 रन जोड़कर वेस्टइंडीज की गेंदबाजी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। भारत में तीसरे सत्र में 98 रन जोड़े और इस बीच सुदर्शन का विकेट गंवाया। वेस्टइंडीज के स्पिनरों की लेंथ सही नहीं थी जबकि उसके तेज गेंदबाज सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी नहीं कर पाए जिससे भारत के बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी नहीं हुई। जायसवाल और सुदर्शन में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और लंच के बाद पहले घंटे में एक समय वे लगभग छह रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे थे, लेकिन दूसरे घंटे में उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई। वेस्टइंडीज को दूसरे सत्र में विकेट हासिल करने का एकमात्र मौका तब मिला जब सुदर्शन ने जस्टिन ग्रीव्स की गेंद को शॉर्ट मिडविकेट पर थोड़ा हवा में खेला लेकिन वारिकन कैच नहीं ले पाए।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी तीसरे अंपायर के निर्णय का इंतजार करते हुए। एजेंसी

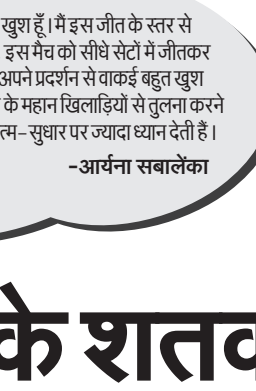

मुझे और रन बनाने की उम्मीद थी : सुदर्शन

नई दिल्ली : भारत के तीसरे क्रम के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने स्वीकार किया कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट शतक तक पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन 87 रन पर आउट होने से उन्हें थोड़ी निराशा हुई। सुदर्शन ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 165 गेंदों में 12 चौकों की मदद से यह पारी खेली। सुदर्शन पहले टेस्ट में (अहमदाबाद में) रन नहीं बना पाए थे, जहां भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया था। सुदर्शन ने टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी पारी खेलने के बाद कहा मैं आज की अपनी पारी के लिए निश्चित रूप से आभारी हूं, लेकिन मन में हमेशा वो छोटी सी ख्वाहिश होती है कि शतक पूरा हो जाए। इसलिए मैं और ज्यादा की उम्मीद कर रहा था। इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट पदार्पण करने वाले सुदर्शन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 193 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

भारत

318/2 (90 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	173
राहुल स्टं. मलाचा बो वारिकन	98
साई सुदर्शन पगबाधा वारिकन	87
शुभमन गिल नाबाद	20

गेंदबाजी : सील्स 16-1-59-0, फिलिप 13-2-44-0, ग्रीव्स 8-1-26-0, पियरे 20-1-74-0, वारिकन 20-3-60-2, चेज 13-0-55-0

यशस्वी जायसवाल।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराया

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान सोफी डिवाइन (63) और ब्रूक हॉलिडे (69) के शानदार अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को महिला विश्व कप मुकाबले में 61 गेंदे शेष रहते 100 रनों से हरा दिया।

227 रनो के लक्ष्य पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 33 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये। बंगलादेश का पहला विकेट पांचवें ओवर में शर्मीन अख्तर (तीन) के रूप में गिरा। उन्हें रोजमेरी मेयर ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश के विकेट लगातार गिरने शुरु हो गये। रूब्या हैदरा (चार),शोभना मोस्तारी (दो), कप्तान निगार सुल्तान (चार) और सुमैया अख्तर एक रन बनाकर आउट हुई।

छठे और सातवें विकेट के रूप में शोरना अख्तर (एक) और नाहिदा अख्तर 17 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद फातिमा खातून और राबेया खान ने आठवें विकेट के लिए 44 रन जोड़ कर संघर्ष दिखा। 36वें ओवर में जेस केर ने राबेया खान (25) को आउटकर बंगलादेश के मैच जीतने की उम्मीद का अंत कर दिया। निशीता ए निशी (पांच) को लिया तहुहू ने बोल्ड आउट किया। 40वें ओवर की पांचवीं गेंद पर इर्डन कार्सन ने फातिमा खातून (34) को आउटकर 127 रन के स्कोर पर बंगलादेश की पारी का अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर और लिया तहुहू ने तीन-तीन विकेट लिये। रोजमेरी मेयर को दो विकेट मिले। एमेलिया केर और इर्डन कर्सन ने एक- एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। तीन विकेट 38 रन पर गंवाने के बाद सोफी और हैलिडे ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला। दोनों ने अर्धशतक बनाये लेकिन बड़े शॉट खेलने की कोशिश में अपने विकेट भी गंवाए।

तीसरे सत्र में 98 रन जोड़े और इस बीच सुदर्शन का विकेट गंवाया। वेस्टइंडीज के स्पिनरों की लेंथ सही नहीं थी जबकि उसके तेज गेंदबाज सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी नहीं कर पाए जिससे भारत के बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी नहीं हुई। जायसवाल और सुदर्शन में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और लंच के बाद पहले घंटे में एक समय वह मुश्किल स्थिति में दिख रहा था लेकिन 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 78 रन पर आधी टीम गंवाने के बावजूद हीथर नाइट के नाबाद 79 रन की बदौलत उसकी टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंग्लैंड की बल्लेबाजी की गहराई और अनुभव एक बार फिर चार विकेट की जीत में निर्णायक साबित हुए। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार किया टीम मुश्किल परिस्थितियों में पड़े बिना जीत हासिल करना चाहती थी।

न्यूजीलैंड की ब्रुक हॉलिडे ने अर्धशतकीय पारी के दौरान कई आकर्षक शॉट लगाए। एजेंसी

- **बांग्लादेश के खिलाफ हॉलिडे और डिवाइन ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारियां**

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

इंग्लैंड की नजर जीत की हैट्रिक पर

कोलंबो : चार बार की चैंपियन इंग्लैंड की टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शनिवार को यहां होने वाले महिला एक दिवसीय विश्व कप के मैच में जीत की हैट्रिक पूरी करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी जबकि मेजबान श्रीलंका की नजरें परिस्थितियों से परिचित होने पर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने पर लगी होंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले दो मैच में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराया। बांग्लादेश के खिलाफ वह एक समय वह मुश्किल स्थिति में दिख रहा था लेकिन 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 78 रन पर आधी टीम गंवाने के बावजूद हीथर नाइट के नाबाद 79 रन की बदौलत उसकी टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंग्लैंड की बल्लेबाजी की गहराई और अनुभव एक बार फिर चार विकेट की जीत में निर्णायक साबित हुए। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार किया टीम मुश्किल परिस्थितियों में पड़े बिना जीत हासिल करना चाहती थी।

समय दोपहर 3:00 बजे से

एशिया कप ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में बंद की गई

लाहौर, एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के दुबई स्थित मुख्यालय में बंद कर दिया गया है। इस महाद्वीपीय संस्था के प्रमुख मोहसिन नकवी ने निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी के बिना इसे स्थानांतरित या भारत को नहीं सौंपा जाना चाहिए।

भारतीय टीम ने एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद नकवी इसे अपने साथ ले गए थे और तभी से यह ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में है। भारत ने 28 सितंबर को दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। नकवी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया आज की स्थिति में ट्रॉफी दुबई में एसीसी कार्यालय में है और नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना इसे किसी को नहीं सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल वही व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी (जब भी ऐसा होगा) भारतीय टीम या बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) को सौंपेंगे। एशिया कप भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के साए में खेला गया। इसके अलावा नकवी ने भी सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयान दिए।

बीसीसीआई ने ट्रॉफी लेकर चले जाने के उनके कृत्य पर कड़ी आपत्ति जताई और अगले महीने आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को उठाने का संकल्प लिया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नकवी की निंदा करने और उन्हें आईसीसी के निदेशक पद से हटाने के लिए कड़ा कदम उठाया जा सकता है।

- **नकवी का उनकी अनुमति के बिना इसे नहीं हटाने का निर्देश**

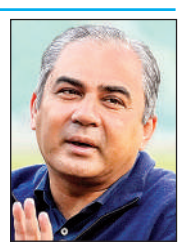

ट्रॉफी का अनावरण

नई दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग ट्रॉफी का कप्तान अर्जुन देसवाल (तमिल थलाइवाज), असलम इनामदार (पुनेरी पलटन), योगेश दहिया (बेंगलुरु बुल्स) और नितिन रावल (जयपुर पिंक पैंथर्स) ने अनावरण किया। ● एजेंसी

सबालेंका की वुहान में लगातार 20वीं जीत

वुहान (चीन) : आर्यना सबालेंका ने वुहान में अपनी जीत का सिलसिला 20 मैचों तक बढ़ाते हुए शुक्रवार को आठवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 6-3, 6-3 से हराकर डब्ल्यूटीए 1000-स्तरीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन चैंपियन ने 2018, 2019 और पिछले साल चीन के इस शहर में वापसी पर वुहान ओपन का खिताब जीता था। शीर्ष रैंकिंग वाली सबालेंका ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मैच में तीन बार रयबाकिना की सर्विस तोड़ी और इस सत्र में 11वीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इगा स्वियातेक शुक्रवार को जैस्मीन पाओलिनी से सीधे सेटों में उलटफेर का शिकार हो गईं। पाओलिनी ने 65 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में दूसरी रैंकिंग वाली स्वियातेक को 6-1, 6-2 से हराया।

किया बचाव दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद बोलीं-भारतीय शीर्ष क्रम को एक मैच से नहीं आंका जा सकता

आप हमेशा शीर्ष क्रम को दोष नहीं दे सकते : रिचा घोष

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर रिचा घोष ने वनडे विश्व कप में टीम के शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि एक मैच से उनका आकलन नहीं किया जा सकता। बल्लेबाजों के लिए आसान पिच पर खेलने के बावजूद भारत के शीर्ष बल्लेबाज विश्व कप में लगातार तीसरी बार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और टीम गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से तीन विकेट से हार गई।

प्रतीका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के जल्दी-जल्दी आउट होने के बाद भारत का स्कोर एक समय छह विकेट पर 102 रन था। इसके बाद घोष (94) ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को संभाला और भारत को 251 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल चुनौती का सामना करते हुए यह लक्ष्य हासिल कर लिया। घोष ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा हमारे शीर्ष क्रम के सभी खिलाड़ी अच्छे बल्लेबाज हैं। एक मैच से उनका आकलन नहीं किया जा सकता। क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा काम है। आप हमेशा शीर्ष क्रम पर दोष नहीं मढ़ सकते।

उन्होंने कहा हमने मैच में कभी हार नहीं मानी। हम आखिरी गेंद तक खेले और अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश की।

प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी

घोष ने कहा कि टीम परिणाम की समीक्षा करेगी, लेकिन इससे रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले उनके आत्मविश्वास पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा हम अपने इस प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। हम इस बात का आकलन करेंगे कि हमने कहां अच्छा प्रदर्शन किया और हम कहां सुधार कर सकते हैं। हम सकारात्मक बने रहेंगे। हम इस मैच से सीख लेकर आगे अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेंगे। घोष ने कहा मुझे लगता है कि क्रांति के ओवर में टर्निंग पॉइंट आया। नादिन डी क्लार्क ने जो एक छक्का और एक चौका लगाया, जिससे वास्तव में पासा पलट गया। बाकी सब कुछ नियंत्रण में था।

कास्परोव ने आनंद पर बढ़त मजबूत की

सेंट लुइस (अमेरिका), एजेंसी : भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी गैरी कास्परोव के खिलाफ कुछ महत्वपूर्ण मौके गंवाए, जिससे रूसी दिग्गज ने क्लच शतरंज लीजेंड्स में अपने बहुचर्चित मुकाबले के अंतिम दिन से पहले दो जीत और इतने ही ड्रॉ के साथ अपनी बढ़त पांच अंक तक पहुंचा दी। कास्परोव पहली बाजी जीतने में सफल रहे क्योंकि तब आनंद जीत की स्थिति में थे, पर वह घड़ी पर नजर रखना भूल गए जिसका उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। दिन के दो ब्लिट्ज गेम में कास्परोव ने फिर से पहला गेम जीत लिया और 144,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली प्रतियोगिता के अंतिम दिन से पहले 8.5-3.5 से आगे हो गए। यह मुकाबला 12 बाजियों का है। अभी चार बाजियां बाकी हैं। आनंद के पास अब भी चैंपियन बनने का मौका है। अंतिम दिन प्रत्येक बाजी में जीत हासिल करने वाले को तीन अंक मिलेंगे।

क्लच शतरंज लीजेंड्स